www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...
राष्ट्रीय संस्करण
पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
नई दिल्ली, गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024 | वर्ष-17 | अंक -19 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

इंडिया समूह का घोषणा पत्र देखकर घबरा रही भाजपा... 02
■ केजरीवाल को जेल में मारने की हो रही...
■ राजकुमार चौहान ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा 03
■ संयुक्त राष्ट्र गाजा पट्टी में सामूहिक कब्र पाए...
■ रूसी उप रक्षामंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत... 07
विपक्ष की मंशा एससी व एसटी के अधिकारों ... 09

सार संक्षेप

भाजपा सांसद राजवीर सिंह दिलेर की हार्ट अटैक से मौत

हाथरस। हाथरस से भाजपा सांसद राजवीर सिंह दिलेर का बुधवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। पार्टी ने इस बार उनका टिकट काट दिया था। उनकी जगह अनूप वाल्मीकि को हाथरस से उम्मीदवार बनाया है। हाथरस से प्रबल दावेदार होने के बावजूद भी पार्टी ने उनका टिकट काट दिया था। राजवीर सिंह दिलेर के पिता किशन लाल दिलेर भी हाथरस से सांसद रह चुके हैं। राजवीर ने शुक्रवार को ही अनूप वाल्मीकि के लिए चुनाव प्रचार किया था।

हेमंत सोरेन ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से गिरफ्तारी के बाद करीब तीन माह से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्च न्यायालय के आदेश पारित करने में देरी का हवाला देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने हेमंत सोरेन का पक्ष रखा।

सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस ने किया किनारा

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स पर बयान दिया है। सैम के ताजा बयान पर चौतरफा हमला शुरू हो गया है। कांग्रेस ने सैम पित्रोदा से किनारा कर लिया है। पार्टी का कहना है कि ऐसा नहीं है कि पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को दर्शाते हैं। कई बार उनके विचार कांग्रेस पार्टी के विचार नहीं होते हैं।

रांची में बर्ड फ्लू की पुष्टि, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

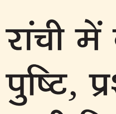

रांची। रांची में बर्ड फ्लू फैलने की पुष्टि हुई है। शहर के होटवार इलाके स्थित पशुपालन विभाग के क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र की मुर्गियों के नमूनों की भोपाल स्थित सरकारी प्रयोगशाला में जांच से मामला सामने आया है। इसके बाद जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है।

बसपा के पूर्व विधायक बलबीर भाजपा में शामिल

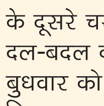

सागर। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले तक दल-बदल का दौर जारी है। बुधवार को मुरैना के दिमनी विधानसभा क्षेत्र के बसपा के पूर्व विधायक बलबीर सिंह दंडोतिया ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

वीवीपैट के सत्यापन की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

कोर्ट ने ईवीएम पर मांगा स्पष्टीकरण, फैसला सुरक्षित

पिछली सुनवाई में शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कहा था कि चुनावी प्रक्रिया में शुचिता होनी चाहिए

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) के साथ ईवीएम का उपयोग करके डाले गए सभी वोटों के सत्यापन की मांग वाली याचिकाओं पर बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। उम्मीद चुनाव आयोग के अधिकारी से कुछ सवालों पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

बुधवार सुबह जब सुनवाई शुरू हुई तो अदालत ने चुनाव आयोग से कुछ सवालों पर स्पष्टीकरण मांगा था। साथ ही उसके अधिकारी को बुधवार दोपहर दो बजे अदालत में पेश होने और कुछ सवालों के जवाब देने के लिए कहा था।

बता दें, इससे पहले जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने 18 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रखा था।

हम पूरे चुनाव को नियंत्रित नहीं कर सकते। उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। वह चुनाव से जुड़ी प्रक्रिया के हर कदम की निगरानी करता है।

चुनावी प्रणाली में मतदाताओं की संतुष्टि और विश्वास के महत्व को सर्वोपरि मानते

हुए शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं से कहा था कि हर बात पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए।

चुनावी प्रक्रिया में पवित्रता होनी चाहिए

पिछली सुनवाई में शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कहा था कि चुनावी प्रक्रिया में शुचिता होनी चाहिए। कोर्ट ने चुनाव आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताने को कहा था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि यह एक चुनावी प्रक्रिया है। इसमें पवित्रता होनी चाहिए। किसी को भी यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि जो कुछ संभावनाएं बनती हैं, वह नहीं किया जा रहा है। वीवीपैट के साथ डाले गए वोटों के सत्यापन की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने मौजूद ईसीआई अधिकारी ने ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली के बारे में बताया था।

उससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आलोचना करने वालों की निंदा की थी। कोर्ट ने कहा था कि देश में चुनाव कराना एक बड़ी चुनौती है, ऐसे में हमें सिस्टम को पीछे की तरफ नहीं ले जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में उस समय का भी जिक्र किया, जब बैलेट पेपर से चुनाव होते थे और मतपेटियां लूट ली जातीं थी।

पतंजलि ने फिर छपवाई माफी

सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भ्रामक विज्ञापन मामले में सवाल पूछे जाने के बाद बुधवार को पतंजलि ने एक बार फिर अखबार में माफी छपवाई है। इस बार इसका आकार भी पहले से ज्यादा बड़ा है। गौरतलब है कि पतंजलि ने एक दिन पहले भी ऐसा ही एक माफीनामा छपवाया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जानकारी मांगते हुए पतंजलि से पूछा था कि क्या उसकी माफी उसके विज्ञापनों जितनी बड़ी है।

याचिकाकर्ता पक्ष के वकीलों ने कई सवाल उठाए

सवाल-जवाब के दौर के बाद भी याचिकाकर्ता पक्ष के वकीलों ने कई सवाल उठाए। मसलन प्रशांत भूषण ने कहा कि कंट्रोल चिप में फ्लैश मेमोरी भी होती है, जो कि री-प्रोग्रामेबल होती है। चुनाव आयोग के अधिकारी ने इस पर कहा कि निर्वाचन आयोग एक बार के बाद चिप को नष्ट कर देता है। प्रशांत भूषण ने वीवीपैट चिप के प्रभावित होने की आशंका जताई, जिस पर जस्टिस खन्ना ने याद दिलाया कि चिप की फ्लैश मेमोरी चार मेगाबाइट है और यह सॉफ्टवेयर नहीं, सिंबल रखता है। यह प्रोग्राम नहीं, सिर्फ इमेज फाइल होती है। प्रशांत भूषण आगे बोले कि उसमें गलत सॉफ्टवेयर डाल कर मतदान प्रभावित हो सकता है। जस्टिस दत्ता ने इस पर कहा- ऐसी बात होगी तो उसके लिए भी कानून है। हम पूरे चुनाव को नियंत्रित नहीं कर सकते।

कन्नौज से अखिलेश यादव ही लड़ेंगे चुनाव

■ सपा अध्यक्ष आज दाखिल करेंगे नामांकन
■ पहले तेज प्रताप यादव को दिया था टिकट

इटावा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अपनी परंपरागत सीट कन्नौज से संसदीय चुनाव लड़ेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो.रामगोपाल यादव ने बुधवार शाम यहां बताया कि श्री अखिलेश यादव गुरुवार दोपहर 12 बजे अपना नामांकन कन्नौज संसदीय सीट से सपा उम्मीदवार को लेकर करेंगे। गौरतलब है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने भतीजे एवं पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को टिकट दिया था। पार्टी का मानना है कि कन्नौज संसदीय सीट से जुड़े हुए बहुतेरे लोगों ने सपा सपा प्रमुख अखिलेश यादव से इस बात की गुहार लगाई थी कि वह खुद कन्नौज संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतरे ना कि अपने भतीजे पूर्व सांसद तेज प्रताप को उतरे जिसके बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कन्नौज के लोगों की गुहार पर अपनी रजामंदी करते हुए तेज प्रताप का टिकट काट दिया।

अब कन्नौज संसदीय सीट पर चुनावी चौसर रोचक हो गई है क्योंकि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुब्रत पाठक के बीच सीधा मुकाबला होगा। 2019 में अखिलेश की पत्नी डिंपल भाजपा के सुब्रत से मामूली अंतर से चुनाव हार गई थीं। प्रो.यादव ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव कन्नौज से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। वे कल (25 अप्रैल) 12 बजे नामांकन दाखिल करेंगे । सपा ने पहले यहां से लालू यादव के दामाद और अखिलेश के भतीजे तेज प्रताप यादव को टिकट दिया था लेकिन अब सपा उनकी जगह अखिलेश को चुनावी मैदान में उतार रही है।

सूत्रों का दावा है कि कन्नौज की सपा यूनिट तेज प्रताप के नाम पर सहमत नहीं थी।

सैम पित्रोदा के बयान पर मोदी का हमला

विरासत पर भी टैक्स लगाना चाहती है कांग्रेस

सरगुजा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैम पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस की मंशा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी को अपनी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी ,वो लोग नहीं चाहते कि एक सामान्य भारतीय अपने बच्चों को अपनी संपत्ति दे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाना चाहती है यानि कांग्रेस का मंत्र है कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ

कांग्रेस के खतरनाक इरादे खुलकर सामने आ रहे

भी और जिंदगी के बाद भी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं। शाही परिवार के शहजादे के सलाहकार जो उनके पिता के भी सलाहकार रहे हैं, ने कुछ समय पहले कहा था कि मिडिल क्लास पर और ज्यादा टैक्स लगाना चाहिए। अब ये लोग इससे भी एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, अब कांग्रेस का कहना है कि वो विरासत टैक्स लगाएगी, माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी, बल्कि कांग्रेस सरकार का पंजा उसे भी आपसे छीन लेगा। यानि कांग्रेस का मंत्र है- कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह परिवार उन्हीं सलाहकार की सलाह मानता है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र से मोदी घबरा गए : राहुल

नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करने के साथ ही ओछी टिप्पणी कर रहे प्रधानमंत्री

■ जाति जनगणना के विचार से तथाकथित देशभक्त डरे
■ जाति जनगणना राजनीति नहीं, मेरे जीवन का मिशन है

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना उनके लिए कोई राजनीति नहीं बल्कि उनके जीवन का मिशन है और केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर इसे अनिवार्य रूप से कराया जाएगा।

अपनी पार्टी के घोषणापत्र को 'क्रांतिकारी' करार देते हुए उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री उनकी पार्टी के न्याय पत्र को देखकर घबरा गए हैं और वह नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करने के साथ ही ओछी टिप्पणी कर रहे हैं। श्री गांधी ने यहां जवाहर भवन में सामाजिक न्याय सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जबसे मैंने

जाति जनगणना विचार रखा है, सभी तथाकथित देशभक्त डरे हुए हैं। जाति जनगणना मेरे लिए राजनीति नहीं है, बल्कि यह मेरे जीवन का मिशन है। जैसे ही कांग्रेस सरकार केंद्र में सत्ता में आएगी, हम तुरंत इसे कराएंगे और यह मेरी गारंटी है।

मुझे जाति में नहीं, 'न्याय' में दिलचस्पी

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को उनका हक नहीं मिल रहा है। मीडिया के प्रबंधन स्तर या निजी अस्पतालों और बड़ी कंपनियों में और यहां तक कि न्यायपालिका में भी दलितों, आदिवासियों या ओबीसी की शायद ही कोई उपस्थिति है। उन्होंने कहा मुझे जाति में नहीं बल्कि 'न्याय' में दिलचस्पी है। भारत में 90 फीसदी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। हमने कहा कि हमें यह पता लगाने की जरुरत है कि कितना अन्याय हो रहा है और यह केवल जाति जनगणना के जरिए ही संभव है।

मोदी ने मंगलसूत्र व दाम्पत्य की गरिमा को गिराया : कांग्रेस

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगल सूत्र संबंधी बयान को लेकर आज उनकी कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्होंने न सिर्फ मंगल सूत्र का महत्व कम किया बल्कि दाम्पत्य की गरिमा को भी गिराया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी ने कांग्रेस के सत्ता में आने पर महिलाओं के मंगलसूत्र बेचने को लेकर जो बयान दिया है उससे उन्होंने, न दांपत्य के सूत्र की गरिमा रखी और, न मंगलसूत्र का महत्व रखा।

दूसरे चरण का प्रचार थमा, मतदान कल

12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर शुक्रवार को होगा मतदान

■ 1206 प्रत्याशी चुनावी मैदान में आजमा रहे भाग्य
■ केरल की 20, कर्नाटक की 14 सीटें हैं शामिल
■ 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अभियान बुधवार शाम थम गया। इस चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर भी चुनाव होना था, लेकिन बहुजन समाज पार्टी (बसपा) उम्मीदवार के निधन के बाद अब इस सीट पर चुनाव सात मई को तीसरे चरण में होगा। इन सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। इस चरण में केरल की 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ- आठ , मध्य प्रदेश की छह, असम और बिहार की पांच-पांच, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन-तीन और जम्मू-कश्मीर, मणिपुर तथा त्रिपुरा की एक-एक सीट पर मतदान होगा। मत सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक डाले जाएंगे।

राहुल की वायनाड सीट भी शामिल

दूसरे चरण की हाई प्रोफाइल सीटों में जहां वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अग्नि परीक्षा होगी, वहीं तीन केंद्रीय मंत्री और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। राजस्थान के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों के भाग्य का फैसला भी जनता 26 अप्रैल को ही तय करेगी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को टिकट दिया है।

आप नेता संजय सिंह का मोदी सरकार पर हमला

स्पेक्ट्रम आवंटन की नीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि स्पेक्ट्रम बंटवारे में 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने 'पहले आओ, पहले पाओ' नीति को रद्द कर दिया था, जिसका भाजपा ने भी जमकर विरोध किया था। लेकिन, अब वह वही नीति लागू करना चाहती है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप नेता ने कहा, '2012 में सुप्रीम कोर्ट ने एक

■ मोदी सरकार अब पूरे देश के सामने बेनकाब हो गई है

ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि स्पेक्ट्रम आवंटन और लाइसेंसिंग को 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर वितरित करने की बजाय नीलामी की जानी चाहिए।' संजय सिंह ने कहा, 'पीएम मोदी और उनकी सरकार अब पूरे देश के सामने बेनकाब हो गई है। जब 2023 में 150 सांसद संसद के बाहर थे तो उन्होंने 'पहले आओ, पहले पाओ की नीति' पारित की, जिसका भाजपा ने पहले विरोध किया था। 150 सांसदों को निलंबित कर लोकतंत्र की हत्या करने के बाद इसे पारित किया गया।'

मणिपुर में आईईडी विस्फोट, पुल क्षतिग्रस्त

इम्फाल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर एक महत्वपूर्ण पुल बुधवार को एक शक्तिशाली आईईडी विस्फोटों में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे नागालैंड के रास्ते मणिपुर और देश के बाकी हिस्सों के बीच यातायात बाधित हो गया।

पुल के दोनों ओर लगभग 200 वाहन फंसे

पुलिस के अनुसार, इम्फाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) पर आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दी गई। पुल के दोनों ओर लगभग 200 वाहन फंसे रह गए, जबकि माल से लदे ट्रकों सहित उनमें से कुछ वैकल्पिक जोखिम भरी सड़कों से गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आईईडी ब्लास्ट की बैटरी से पुल में तीन बड़े छेद हो गए। पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि सपरमीना और कूबरू लीखा इलाकों के बीच पुल पर हुए धमाकों के पीछे कौन सा संगठन या व्यक्ति है।

आक्रोश | लद्दाख में बढ़ रही भाजपा की परेशानी

जनाक्रोश के बाद भाजपा में भी विद्रोह के स्वर

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। बर्फीले रेगिस्तान के नाम से प्रसिद्ध लद्दाख में वादाखिलाफी के कारण भारी जनाक्रोश का सामना कर रही भारतीय जनता पार्टी को अब उस आंतरिक विद्रोह का सामना करना पड़ रहा, जिसमें उसके निवर्तमान सांसद ने मौजूदा लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवार पर पार्टी के फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है

इस बीच चर्चा है भाजपा के निवर्तमान सांसद बतौर आजाद उम्मीदवार मैदान में उतरेंगें।

20 मई को पांचवें चरण में होगामतदान

दरअसल कई हफ्तों तक सस्पेंस के बाद, भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने एडवोकेट ताशी ग्यालसन को लद्दाख लोकसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार घोषित किया, जहां 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। ग्यालसन लद्दाख के स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद

■ निवर्तमान सांसद के बतौर आजाद उम्मीदवार उतरने की चर्चा

में अध्यक्ष-सह-मुख्य कार्यकारी पार्षद हैं। ग्यालसन के नामांकन के कुछ ही घंटों बाद, निवर्तमान सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल पार्टी के फैसले पर अपनी असहमति और गुस्से के साथ सार्वजनिक हुए। हालांकि उन्होंने कहा कि वह अगली कार्रवाई करने के लिए स्थिति का मूल्यांकन करेंगे, उनके कई समर्थकों ने उनके स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के विचार का समर्थन किया। नामग्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर लिखा, आज, भाजपा ने पारदर्शी और सम्मोहक औचित्य प्रदान किए बिना मौजूदा सांसद की जगह लद्दाख संसदीय क्षेत्र के लिए एक नए उम्मीदवार की घोषणा की। एक समर्पित कार्यकर्ता के साथ हुए इस अन्याय के संबंध में मैंने उचित माध्यम से पार्टी नेतृत्व को अपनी असहमति बता दी है। पूरे लद्दाख से सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और मेरे समर्थकों ने भी इस फैसले पर अपनी असहमति व्यक्त की है। हम स्थिति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करेंगे और लद्दाख के लोगों की भलाई को सबसे आगे रखते हुए अपनी अगली कार्रवाई का निर्धारण करेंगे। मैं सभी समर्थकों को उनके दृढ़ समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

देश

उवाच

"भाजपा संविधान और लोकतंत्र को समाप्त करने के लिए कुचक्र तैयार कर रही है, लेकिन देश की जनता इनके मंसूबे पूरे नहीं होने देगी। यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। भाजपा मोदी की झूठी गारंटी के नाम पर देश को कर रही है भ्रमित।"

–जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	37.0	24.0
मुंबई	30.0	28.0
कोलकाता	39.0	26.0
चेन्नई	32.0	29.0

हम पृथ्वी के संसाधनों के मालिक नहीं हैं, बल्कि ट्रस्टी : द्रौपदी मुर्मू

देहरादून, 24 अप्रैल, (देशबन्धु)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्तमान के मानव केन्द्रित विकास काल खंड में विकास के साथ-साथ विनाशकारी परिणाम सामने आए हैं। संसाधनों के असंतुलित दोहन ने मानवता को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां विकास के मानकों का पुन: मूल्यांकन करना होगा।

मुर्मू ने बुधवार को यहां इन्दिरा वन अकादमी में वर्ष 2022 बैच के परिविक्षाधीन भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज यह समझना बहुत जरूरी है कि हम पृथ्वी के संसाधनों के मालिक नहीं हैं, बल्कि ट्रस्टी हैं। हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ-

- राष्ट्रपति ने आईएफएस अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित
- विकास के मानकों का फिर मूल्यांकन करने पर दिया जोर

साथ प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए। वस्तुत: प्रकृति केंद्रित होकर ही हम सही अर्थों में मानव केंद्रित हो सकेंगे। उन्होंने इस बैच में शामिल सभी 10 महिला अधिकारियों को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि आप समाज के प्रगतिशील बदलाव की प्रतीक हैं, इसलिए आशा करती हूं कि आने वाले समय में महिला अधिकारियों की संख्या और भी बढ़ेगी। उन्होंने पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय

हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ-साथ प्रकृति केंद्रित भी हो : द्रौपदी मुर्मू

का जिक्र करते हुए कहा कि जंगलों के महत्व को जान-बूझ कर भुलाने की गलती मानव समाज कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि हम यह भूलते जा रहे हैं कि वन हमारे लिए जीवन दाता हैं। यथार्थ यह है कि जंगलों ने ही धरती पर जीवन को बचा रखा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आपके पास जंगलों के संरक्षण, संवर्धन एवं पोषण की जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने इस अप्रतिम दायित्व के प्रति सजग और सचेत होंगे एवं पूर्ण निष्ठा से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि पृथ्वी की जैव-विविधता एवं प्राकृतिक सुंदरता का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे हमें अति शीघ्र करना है। वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन के जरिए मानव जीवन को संकट से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा के पी. श्रीनिवास, संजय कुमार सिंह, एस. मणिकन्दन जैसे अधिकारियों ने ड्यूटी के दौरान, अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राण न्योछावर किए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा ने देश को बहुत अधिकारी दिए हैं, जिन्होंने पर्यावरण के लिए अतुलनीय कार्य किए हैं। उनकी चर्चा बहुत सम्मान से की जाती है। उन्होंने आह्वान किया कि उन सभी को आप अपना रोल मॉडल बनाएं एवं उनके दिखाए आदर्शों पर आगे बढ़ें।

उन्होंने अकादमी के विशेषज्ञों से अपेक्षा किया कि जलवायु की आपातकालीन स्थिति को देखते हुए प्रशिक्षार्थियों के पाठ्यक्रम में यथोचित संशोधन करने पर विचार करें। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज ने प्रकृति के शाश्वत नियमों को अपने जीवन का आधार बनाया है।

परंपरा व आधुनिकता विकास रथ के दो पहिए : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विकास-रथ के दो पहिए होते हैं परंपरा और आधुनिकता। आज मानव समाज पर्यावरण संबंधी कई समस्याओं का दंश झेल रहा है। इसके प्रमुख कारणों में विशेष प्रकार की आधुनिकता है, जिसके मूल में प्रकृति का शोषण है। इस प्रक्रिया में पारंपरिक ज्ञान को उपेक्षित किया जाता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से हम क्षति-पूर्ति तेज गति से कर सकते हैं। विभिन्न विकल्पों का आकलन करके भारत की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप समाधान विकसित करने की आवश्यकता है। विश्व के कई भागों में वन संसाधनों की क्षति बहुत तेजी से हुई है।

कर्नाटक के चिक्कोडी सीट पर कांग्रेस का समर्थन करेगी शिवसेना यूबीटी

चिक्कोडी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिक्कोडी संसदीय सीट पर सात मई को मतदान होने वाला है और इसकी तिथि नजदीक आने के साथ ही सियासी लड़ाई और तेज होती जा रही है। सत्तारुढ़ कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों ही मतदाताओं को लुभाने के लिए हर सभव प्रयास कर रही हैं। इसी कड़ी में शिवसेना (यूबीटी) ने मंगलवार को कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका जारकीहोली को अपना समर्थन देने की घोषणा की। इस निर्वाचन क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं और महाराष्ट्र की सीमा से लगे हुए है तथा मराठी मतदाताओं की आबादी काफी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शिवसेना के समर्थन से पलड़ा कांग्रेस के पक्ष में झुक सकता है, क्योंकि मराठी वोटों का बड़ा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। इस समर्थन को सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस नेता विवेक जत्ती और मंजूर समशेर ने चिक्कोडी के पास कुरुंदवाड में शिवसेना (यूबीटी) नेता वैभव उंगले से मुलाकात की थी। उंगले ने चिक्कोडी में कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की और प्रियंका के अभियान को मजबूत करने के लिए आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की सीमा से लगे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रचार करने का वादा किया। उल्लेखनीय है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ मौजूदा सांसद अन्नासाहेब जोले की जीत दर्ज की थी और उनकी जीत में मराठी मतदाताओं ने अहम भूमिका निभाई थी।

इंडिया समूह का घोषणा पत्र देखकर घबरा रही भाजपा : महबूबा

श्रीनगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी इंडिया समूह के घोषणापत्र को देखने के बाद हताशा महसूस कर रही है, जिसमें गरीब लोगों, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाया गया है। अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहीं मुफ्ती दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में अपने रोड शो के दौरान मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रही थीं।

भाजपा पर लगाया हिंदू-मुस्लिम कार्ड खेलने का आरोप

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भाजपा इंडिया समूह के घोषणापत्र पर लोगों का समर्थन देखकर घबरा रही है, जिसमें उन्होंने 30 लाख नौकरियां, महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण और किसानों को ऋण माफी देने का वादा किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा भारत गठबंधन के घोषणापत्र की आलोचना कर रही है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पिछले 70 वर्षों के दौरान पहली बार जन समर्थक घोषणापत्र जारी किया है जिसमें गरीबों, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों को उठाया गया है और इतने अच्छे घोषणापत्र के साथ भाजपा और इसके नेता घबराहट महसूस कर रहे हैं, इसलिए हताशा में हिंदू-मुस्लिम कार्ड खेल रहे हैं।

मैने नहीं की नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना

एक अन्य सवाल के जवाब में पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि मैंने नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना नहीं की है। मैंने सिर्फ इतना कहा कि यह नेकां और पीडीपी के बीच की लड़ाई नहीं है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के अस्तित्व की लड़ाई है। अगर हमने समझदारी से ऐसी आवाज संसद में नहीं भेजी, जो बिना किसी डर के वहां अपनी बात रखे तो हमारा अस्तित्व खतरे में है। मुफ्ती ने नेकां, कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और अन्य दलों से उनका समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि पहाड़ी, गुजर और बकरवाल भी इस बार पीडीपी को अपना समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव बिजली या स्थानीय मुद्दों के लिए नहीं लड़ा जा रहा है, बल्कि एक आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए, जो जम्मू-कश्मीर के मूक और परेशान लोगों की आवाज उठा सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग समझ गए हैं कि एक आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए जो उनकी आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिना किसी डर के मुद्दों पर बात करेगी।

सार संक्षेप

मप्र में दसवीं व बारहवीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए। जहां दसवीं में इस वर्ष 58.10 प्रतिशत नियमित और 13.26 प्रतिशत स्वाध्यायी परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, वहीं बारहवीं में इस वर्ष 64.49 नियमित तथा 22.46 प्रतिशत स्वाध्यायी परीक्षार्थी उत्तीर्ण रहे। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा संचालित हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 05 फरवरी से 28 फरवरी 2024 के मध्य सम्पन्न कराई गई। हाईस्कूल परीक्षा में इस वर्ष 58.10 प्रतिशत नियमित परीक्षार्थी तथा 13.26 प्रतिशत स्वाध्यायी परीक्षार्थी उत्तीर्ण रहे हैं। 54.36 प्रतिशत नियमित छात्र व 61.88 प्रतिशत नियमित छात्राएं परीक्षा में सफल हुईं।

तिरुपति व हैदराबाद की यात्रा पर जाएंगे धनखड़

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को हैदराबाद और तिरुपति की यात्रा पर रहेंगे। धनखड़ 26 अप्रैल को आंध्र प्रदेश में तिरुपति और तेलंगाना में हैदराबाद का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति आंध्र प्रदेश की यात्रा की शुरुआत तिरुमाला, तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन के साथ करेंगे। धनखड़ राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे। इसके बाद उपराष्ट्रपति का तेलंगाना के हैदराबाद में भारत बायोटेक प्रतिष्ठान का दौरा करने का भी कार्यक्रम है।

केरल में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार समाप्त

तिरुवनंतपुरम। केरल में लोकसभा के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजय कौल ने कहा कि सभी को आचार संहिता का सख्ती से पालन करना होगा। अंतिम 48 घंटों के दौरान केवल मौन प्रचार की अनुमति है और लोगों के किसी भी जमावड़े या सार्वजनिक सभाओं के आयोजन पर आपराधिक प्रक्रिया संहिता धारा 144 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बांदीपोरा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़, दो जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में बुधवार को आतंकवादियों के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ में दो सैनिक घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों का पता लगाने के लिए बांदीपोरा के अरागाम के रेन्जी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चल रहा है। आज तड़के सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई थी। सूत्रों ने कहा कि शुरुआती गोलीबारी में दो सैनिक घायल हो गए और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

गोरखाओं के लिए भाजपा ने की झूठ की राजनीति : तमांग

जयगांव, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार डा. मुनीश तमांग ने भारतीय जनता पार्टी पर गोरखओं के लिए केवल झूठ की राजनीति करने का आरोप लगाया। डा. तमांग ने कहा कि पिछले 15 सालों में भाजपा के लोकसभा सांसद ने इस क्षेत्र तथा विशेषकर गोरखाओं के लिए एक भी ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल झूठ की राजनीति करती रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने गोरखा जाति का बहुमूल्य वोट को पाने के लिए लोगों को बातों में उलझा कर उन्हें केवल गुमराह करने का काम किया है। भाजपा अगर चाहती तो गोरखाओं की हित में इस दौरान जरूर कुछ ना कुछ प्रदान कर सकता था लेकिन इसके नेताओं के दिलो दिमाग में गोरखाओं के प्रति कुछ करने की भावना ही नहीं है जिसका प्रमाण आप लोगों के सामने खुद ही देख रहे हैं। दूसरे चरण में होने वाले मतदान के आखिरी दिन बुधवार को डा. तमांग कलिम्पोंग क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। उनके साथ इंडिया समूह की सहयोगी हमरो पार्टी के अध्यक्ष अजय एडवर्ड भी थे। उनकी जन्म स्थान दार्जिलिंग के जिला अंतर्गत बकराकोर्ट है। इसके लिए इस क्षेत्र का लोगों की भावना को मैं समझता हूं और अगर मैं यहां से विजय बनाकर जाता हूं तो यहां की समस्या जरूर संसद की अंदर रखूंगा। अजय एडवर्ड ने सभा को संबोधित करते हुए कहा है कि भाजपा हो या विभिन्न क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी हो गोरखाओं की हित में किसी ने कोई खास कदम नहीं उठाया।

झारखंड में मतदान को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश

आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को कराएं सुगम मतदान

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में निर्वाचन कार्य से जुड़े और वैसे मतदाता, जो आवश्यक सेवा यथा रेलवे, स्वास्थ्य, मीडिया, अग्निशमन आदि में कार्यरत हैं और वे मतदान के दिन अपने कर्तव्य पर रहने के कारण मतदान केंद्र नहीं जा सकते, उन सभी मतदाताओं का फॉर्म 12 डी भरवाकर आवेदन ले लें एवं उनका पोस्टल बैलेट से मतदान सुनिश्चित कराएं। एक भी मतदाता, जो अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहते हों, वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हों, इस ध्येय को लक्षित कर पदाधिकारी कार्य करें। उक्त निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला पोस्टल बैलेट नोडल अधिकारियों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक में दिया। कुमार ने कहा कि सभी जिलों के पोस्टल बैलेट कोषांग के पदाधिकारी अपने जिले की आवश्यक सेवाओं से जुड़े एवं मतदान कार्य में कार्यरत मतदाताओं से पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए विहित फॉर्म भरवाकर आवेदन ले लें अथवा वे स्वयं मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने के लिए इच्छुक हैं, वैसी स्थिति में उनकी/ उनके संस्थान की प्रतिक्रिया लेते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए प्रारूप में प्रतिवेदन समर्पित करें। कुमार ने कहा कि रेलवे के सभी संबंधित पदाधिकारियों से निकट समन्वयन स्थापित कर सभी रेलकर्मियों, वेंडरों, कुलियों सहित अन्य लोगों को भी मताधिकार के प्रयोग के लिए जागरूक करें साथ ही उनके सुगम मतदान के लिए आवश्यक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर इस मामले में असहयोग की संभावना हो, तो बताएं। इसी प्रकार से 80 वर्ष से अधिक आयु के वैसे वरिष्ठ नागरिक अथवा दिव्यांग मतदाता, जो मतदान केंद्र तक आने-जाने में अक्षम हों, उनके पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां ससमय पूरी कर लें। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, राज्य पुलिस पोस्टल बैलेट नोडल पदाधिकारी पटेल मयूर कन्हैया लाल, ओएसडी गीता चौबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि समय रहते स्थिति का आकलन कर संबंधित जिला निर्वाचन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ बेहतर ताल-मेल के साथ वन क्षेत्रों में मादक पदार्थों, शराब इत्यादि की आवाजाही पर रोक लगाएं एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह एवं डॉ. नेहा अरोड़ा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एन के सिंह, मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी एस आर नटेश, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देवदास दत्ता, सिस्टम एनालिस्ट सैयद नासिर जमील सहित निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी एवं राज्य के सभी जिलों के वन प्रमंडल पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

लोगों को मताधिकार के प्रयोग के लिए करें जागरूक : के. रवि कुमार

वन क्षेत्र स्थित मतदान केंद्रों के आसपास वनरक्षी रहें सतर्क

रांची। झारखंड राज्य के वन क्षेत्रों में अवस्थित मतदान केंद्रों पर सुगम ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि संबंधित वन प्रमंडल पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में चिह्नित वन क्षेत्र के मतदान केंद्रों के आस-पास मतदान दिवस के दिन मानव एवं वन्यजीव टकराव को रोकने का भरसक प्रयास करें। इसके लिए संबंधित मतदान केंद्र के आसपास के निवासियों को भी सचेत करें कि किसी अनहोनी की संभावना नहीं बने और सुगमता से लोग अपने मतदान केंद्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

राजद का स्वभाव कभी नहीं बदल सकता : विजय सिन्हा

पटना, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दूसरे चरण के चुनाव से पहले विगत मंगलवार को जनता के लिए एक पत्र लिखा है। इसके जरिए उन्होंने लोगों को न सिर्फ सरकार की उपलब्धियां गिनाई हैं बल्कि आगे के लिए भी कई वादे किए हैं। इसके अलावा लालू-राबड़ी के शासन की भी उन्हें याद दिलाई है। इसके बाद अब इन मुद्दों पर भाजपा नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सीएम नीतीश कुमार को समर्थन भी दिया है। सिन्हा ने कहा कि राजद का नेचर और सिग्नेचर कभी नहीं बदल सकता है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने सबकी चिंता की है। इसमें उन्होंने बिहार के युवाओं को इस बात से अवगत कराने की कोशिश की है कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में नरसंहार करने वाले लोग कौन थे। जातीय नरसंहार कराने और जंगलराज बनाने वाले लोग बिहार की क्या हालत बनाकर रख दिए थे। उस समय बिहार में कैसे उद्योग धंधे बंद हो चुके थे। सिन्हा ने कहा कि इस पत्र के जरिए यह बताया गया है कि वर्ष 2005 से पहले लोग कैसे पलायन करने की जरूरत महसूस कर रहे थे। इसके बाद वर्ष 2005 से लेकर 2010 तक इन चीजों पर रोक लगाई गई।

यही बात आज के युवा को जानना चाहिए। राजद का नेचर और सिग्नेचर कभी बदल नहीं सकता है। यह लोग जंगलराज के पुरोधा हैं। यह लोग सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। यह लोग सिर्फ जनता की कमाई लूटना जानते हैं। उधर, सम्राट चौधरी को लेकर रोहिणी द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर उन्होंने कहा कि राजद के लोगों से यदि आप अपेक्षा करेंगे कि कोई आदर्श की बात करेगा, कोई शिष्टाचार की बात करेगा तो वह आपके लिए गलत होगा।

- जनता की कमाई लूटने का लगाया आरोप

दस वर्षों में देश में आया बड़ा परिवर्तन : नड्डा

पटना/भागलपुर। दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुद बिहार की कमान संभाल ली है। नड्डा ने भागलपुर के सैंडिस ग्राउंड में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 10 साल में देश में बड़ा परिवर्तन आया है। लोग कहते थे कि देश में कुछ भी बदने वाला नहीं है। अब आप खुद देख लिजिए कि कितना बदलाव आया है। इसके आगे नड्डा ने कहा कि यह बदलता हुआ भारत हैं। मैंने वह भारत और वह भागलपुर भी देखा है। अब भागलपुर की सड़कें बदल गई हैं। पहले पता ही नहीं चलता था कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क। यह अंतर हमारे आने से आया है। पहले जाति की राजनीति होती थी। आज विकासवाद की राजनीति हो रही है।

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी करेंगे नामांकन

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में लोहरदगा संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत 25 अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे गुमला समाहरणालय में पर्चा दाखिल करेंगे। इसके उपरांत टाउन हॉल गुमला में एक आमसभा का भी आयोजन किया गया है। पर्चा दाखिल एवं नामांकन कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर जी, कांग्रेस विधायक दल एवं ग्रामीण विकास मंत्री के नेता आलमगीर आलम, वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, शहजादा अनवर शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि दस साल अन्याय काल के खिलाफ आदिवासी, किसान, अल्पसंख्यक सहित तमाम वर्ग एकजुट होकर कल लड़ाई की आगाज करेंगे। इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी की भारी मतों से विजयी प्राप्त होगी और देश खुशहाली और तरक्की की ओर अग्रसर होगा।

सबसे बड़ी हार का रिकार्ड बनाएगी भाजपा : अखिलेश

लखनऊ/इटावा, 24 अप्रैल (देशबन्धु) समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब तक की सबसे बड़ी हार का इतिहास बनाने जा रही है। जसवंतनगर विधानसभा के एसएस मेमोरियल स्कूल में मैनपुरी की सांसद एवं प्रत्याशी डिंपल यादव के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड का मामला सामने आने के बाद भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी बन गई है। पहले चरण के चुनाव के बाद भाजपा का सफ़ाया होने के संकेत मिल चुके है और आखिरी चरण के चुनाव तक भाजपा का पूरी तरह से सफाया हो जाएगा। यादव ने कहा कि उनके संगठन का नाम इंडिया गठबंधन है लेकिन भाजपा के नेता जानबूझकर के इंडिया गठबंधन को इंडी गठबंधन बोलते हैं। इंडिया गठबंधन में साफ-साफ इंगित है कि आईएनडीआईए का मतबल इंडिया है लेकिन भाजपा वालों ने पता नही कौन सी अंग्रेजी पढ़ी है जो वे इंडिया को इंडी पढ़ते है। पहले चरण के मतदान के बाद भाजपा के नेताओं की भाषण बदलना शुरू हो गये हैं। पहले चरण में ही संसदीय चुनाव का रुझान स्पष्ट कर दिया है। इस बार किसान मजदूर दलित सभी भाजपा के खिलाफ खड़े हो गए हैं। पीडीए परिवार ने एनडीए के पूरी तरह से होश उड़ा दिए हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का झूठ देशवासियों के सामने खुल करके आ गया है। भाजपा ने अपने मेनीफेस्टो में जितनी भी बातें कहीं और रखी है वह सब की सब कहीं ना कहीं झूठ ही नजर आ रही है।

- चुनावी चंदे पर केंद्र सरकार को घेरा

रिकॉर्ड *श्रीनगर के प्रतिष्ठित ट्यूलिप गार्डन ने बनाया नया रिकॉर्ड*

33 दिनों में चार लाख से अधिक पर्यटकों को किया आकर्षित

■ सुरेश एस डुग्गर

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन ने 33 दिनों के बाद अलविदा बोल दिया है। मौसम में गर्मी के अहसास के कारण मुरझा रहे फूलों के कारण फ्लोरीकल्चर विभाग के निदेशक ने इसको बुधवार से बंद करने का आदेश जारी किया था। इतना जरूर था कि 33 दिनों के भीतर आने वालों ने इस बार नया रिकार्ड कायम किया था। कुल 4.25 लाख आने वालों ने इस साल एक नया रिकार्ड बनाया था।

अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के प्रतिष्ठित ट्यूलिप गार्डन ने बुधवार को जनता के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। यह निर्णय ट्यूलिप ब्लूम सीजन के अंत के बाद लिया गया है। 2007 में अपने उद्घाटन के बाद से, ट्यूलिप गार्डन एक अवश्य देखने योग्य स्थान के रूप में उभरा है, जो 30 हेक्टेयर में फैला है और जबरवान पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में ट्यूलिप और अन्य वनस्पतियों की एक जीवंत श्रृंखला प्रदर्शित करता है। हालांकि बंद होने से उन लोगों को निराशा हो सकती है जिन्होंने दौरे की योजना बनाई थी, यह बगीचे के संरक्षण के लिए आवश्यक है।

- पिछले साल 3.75 लाख पर्यटकों ने किए थे ट्यूलिप गार्डन के दीदार

प्रशासन इस अवधि के दौरान बगीचे को किसी भी नुकसान से बचाने के लिए बंद का सम्मान करने के महत्व पर जोर देता है। अस्थायी रूप से बंद होने के बावजूद, ट्यूलिप गार्डन श्रीनगर के पर्यटन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना हुआ है, इसके दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए इसकी निरंतर सफलता की आशा है। गार्डन तैयार करने में लगभग 6 महीने का समय लगा था और गार्डन के खुलने से पहले ही बड़ी योजना बना ली गई थी।

लगभग 500 बागवानों और कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत करके जनता के लिए इस उद्यान को तैयार किया था। पर्यटक बड़ी संख्या में यहां आए थे जिन्होंने खूबसूरत नजारों का आनंद लिया था। पिछले साल 3.75 लाख पर्यटक ट्यूलिप गार्डन में आए थे तो इस बार यह आंकड़ा 4.25 लाख था। हरियाणा से आए पर्यटक संदीप और राजा चौधरी का कहना था कि हमने अपनी यात्रा की योजना ट्यूलिप के खिलने के साथ बनाई थी। यह एक शानदार अनुभव रहा है और मैंने अपने जीवन में ट्यूलिप के इतने खूबसूरत और इतने रंग कभी नहीं देखे थे। वे कहते थे कि अब तक हमने उन्हें केवल टीवी पर देखा था और अब आखिरकार उन्हें लाइव देखा। कश्मीर की नई पहचान ट्यूलिप गार्डन में आने वालों का सैलाब इन 33 दिनों में कभी नहीं थमा था।

यह सैलाब कितना था इसी से अंदाजा लगाया जा सकता था कि पिछले साल की तुलना में इस बार प्रतिदिन 3 हजार पर्यटक ज्यादा आ रहे थे। जबकि 33 दिनों में 4.25 लाख पर्यटकों ने ट्यूलिप के लाखों फूलों का दीदार किया था। आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल 3.75 लाख पर्यटक ट्यूलिप में आए थे।

उल्टा पुल्टा

बेटी : मैं पड़ोसी से प्यार करती हूं और भाग रही हूं उसके साथ..!!
बाप : थैंक गॉड...मेरे पैसे और समय दोनों बच गए..!
बेटी : पापा, मैं लेटर पढ़ रही हूं, जो मम्मी रख के गई है...!!!

केजरीवाल को जेल में मारने की हो रही साजिश : आप

■ संजय सिंह ने जेल प्रशासन व केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी (आप) का कहना है कि दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से तिहाड़ जेल में मुलाकात करना चाहती थीं, लेकिन, उनकी मुलाकात कैंसिल कर दी गई। राज्यसभा सांसद संजय सिंह के मुताबिक आतिशी की मुलाकात रद्द होने पर पार्टी के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक मुलाकात के लिए जाना चाहते थे, लेकिन, उन्हें भी सीएम केजरीवाल से मिलने की इजाजत नहीं दी गई। संजय सिंह ने कहा कि जेल में केजरीवाल को मारने की साजिश की जा रही है। गौरतलब है कि दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री केजरीवाल से मुलाकात की। संदीप पाठक को स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ सीएम केजरीवाल से मुलाकात के लिए भेजा गया था। लेकिन, उन्हें मुख्यमंत्री से नहीं मिलने दिया गया। आम आदमी पार्टी का कहना है कि मुलाकात रद्द करने का कोई कारण भी नहीं बताया गया है। संजय सिंह ने जेल प्रशासन व केंद्र सरकार पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि आप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री की मुलाकात नहीं होने दे रहे। आपने मुझे भी मुख्यमंत्री से नहीं मिलने दिया। अब संदीप पाठक को भी मुलाकात नहीं करने दिया जा रहा, ऐसा व्यवहार तो अंग्रेजों के राज में भी किसी के साथ नहीं हुआ। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि यदि इस तरह का व्यवहार जारी रखा गया तो कल को अरविंद केजरीवाल की उनकी पत्नी के साथ भी मुलाकात बंद करवा दी जाएगी। संजय सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि डायबिटीज के रोगी अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन देने में भी 23 दिन का लंबा समय लिया गया। जब दिल्ली की जनता, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं, अरविंद केजरीवाल के परिवार, उनकी पत्नी ने इस विषय पर आवाज उठाई। कोर्ट में अपील की तब जाकर 23 दिन बाद अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुख्यात अपराधियों से भी उसके परिचितों की मुलाकात करवाई जाती है, लेकिन केजरीवाल से मुलाकात करने पर रोका जा रहा है। इन सभी विषयों को लेकर वह भारत के प्रधानमंत्री और दिल्ली के उपराज्यपाल को एक पत्र लिखने जा रहे हैं।

केजरीवाल व आतिशी की नहीं होने दे रहे मुलाकात : संजय सिंह

भाजपा में आने के बाद अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा को भी क्लीन चिट मिली

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि मीडिया को अजीत पवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री मोदी का एक पुराना वीडियो क्लिप दिखाया। उस वीडियो में प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि एनसीपी पर करीब 70 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप है और उन्होंने महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक घोटाला, महाराष्ट्र सिंचाई घोटाला और अवैध खनन घोटाला किया है। इस दौरान संजय सिंह ने कहा कि अपने आप को दुनिया का सबसे ताकतवर नेता कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार की लंबी गिनती कर रहे हैं। ये दुनिया के सबसे बड़े नेता नहीं, बल्कि ये दुनिया के सबसे बड़े भ्रष्टाचारियों के संरक्षक हैं। उन्होंने अखबार में छपी खबर का हवाला देते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने हजारों करोड़ के महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक घोटाले के आरोपी अजीत पवार, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार और उनके भतीजे को क्लीन चिट दे दी है।

तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मिले सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की, जो करीब 30 मिनट चली। भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल ने जनता से कहा है कि उनकी चिंता न करे। भारद्वाज ने कहा कि वह 'मुलाकात जंगले' में केजरीवाल से मिले और उनके बीच इंटरकॉम पर बातचीत हुई। दिल्ली सरकार में मंत्री भारद्वाज ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं को बताया, मेरी 'मुलाकात जंगले' में आधे घंटे की मुलाकात हुई। केजरीवाल ने कहा कि लोग उनकी चिंता न करें। उन्होंने (केजरीवाल) कहा कि वह मजबूत हैं और दिल्ली की जनता के आशीर्वाद के साथ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। 'मुलाकात जंगला' एक लोहे की जाली होती है, जो जेल के अंदर एक कमरे में कैदी को आगंतुक से अलग करती है। एक आगंतुक और एक कैदी जाली के अलग-अलग किनारों पर बैठकर एक दूसरे से बात कर सकते हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के मामले में 21 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया था। हालांकि केजरीवाल ने पद नहीं छोड़ा है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि केजरीवाल जेल से सरकार चलाना जारी रखेंगे। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी 'आप' के राष्ट्रीय महासचिव संगठन संदीप पाठक ने 15 अप्रैल को तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मुलाकात की थी। पाठक ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं को बताया था कि केजरीवाल हर सप्ताह दो मंत्रियों से मुलाकात करेंगे और संबंधित विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। केजरीवाल ने गिरफ्तार होने के बाद अपने मंत्रियों को पानी की आपूर्ति और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता जैसे मुद्दों के समाधान के लिए संदेश भेजा था। उन्होंने पार्टी विधायकों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने और वहां के लोगों की मदद करने को भी कहा था।

राजकुमार चौहान ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। शीला दीक्षित सरकार में मंत्री रहे राजकुमार चौहान ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। राजकुमार चौहान उत्तर पश्चिमी दिल्ली से टिकट के दावेदार थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। यहां से उदित राज को टिकट दिया गया है। वहीं, बताया जा रहा है कि प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने बैठक में उनके साथ अभद्रता की थी, जिससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। राजकुमार चौहान ने दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा कि मेरे पिता और दादा एवं पूरा परिवार कांग्रेस से जुड़ा हुआ है। आप के द्वारा एक मीटिंग पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर पर बुलाई गई थी। मीटिंग को दफ्तर से कैंसल कर दीपक बावरिया जनरल सेक्रेटरी इंचार्ज के ऑफिस में बुलाई गई। उस मीटिंग में 20-25 वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद थे। मैंने जैसे ही अपनी बात शुरू की तो जनरल सेक्रेटरी ने मीटिंग से बाहर जाने के लिए चार-पांच बार कहा। फिर भी तब मैंने अपनी बात कही। यह बात मैंने बंद कमरे में चल रही मीटिंग में कही थी। ये पार्टी के अनुशासन के खिलाफ नहीं है। यह हमारी पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र है जहां हम अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं। मैं चार बार विधायक रहा हूं और तीन बार मंत्री रहा हूं। मैंने हमेशा पार्टी के अनुशासन में रह कर काम करता रहा हूं, हो सकता कि मेरी भावनाएं आहत होने की वजह से ऐसे शब्द निकल गए हों जिससे कि आपकी भावनाएं आहत हुई हो तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। मेरा मकसद ये कभी नही हो सकता कि मेरी वजह से कांग्रेस को नुकसान हो। चुनाव का समय है। जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल, प्रियंका गांधी दिन-रात पार्टी की मजबूती के लिए मेहनत कर रहे हैं, मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता कि पार्टी को किसी तरह का नुकसान हो।

■ लोस चुनाव के बीच कांग्रेस को लगा झटका

सार संक्षेप

जनहित दल ने मनाई हनुमान जयंती, बांटा 56 भोग का प्रसाद

नई दिल्ली। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर, जनहित दल के अध्यक्ष अंशुमान जोशी ने पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं और समर्थकों के साथ हनुमान जयंती मनाने के लिए सिद्ध संकट मोचन हनुमान मंदिर करोल बाग का दौरा किया और आने वाले दिनों के लिए आशीर्वाद लिया। चुनाव और उनकी समर्थन योजना का अनावरण किया।इस मौके पर नई दिल्ली से भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज भी जोशी के साथ समारोह में शामिल हुईं। पार्टी ने दिल्ली में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए अपनी राजनीतिक कार्य योजना का भी विस्तार किया। इस अवसर पर नेताओं ने अपने महत्वाकांक्षी राजनीतिक और चुनावी अभियानों के लिए भगवान हनुमान का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर प्रबंधन के सहयोग से आयोजित आरती और 56-भोग प्रसाद कार्यक्रम में भाग लिया। प्रसिद्ध संकट मोचन हनुमान मंदिर में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए। इस मौके पर अंशुमान जोशी ने कहा कि हम पिछले साल से राज्य में काम कर रहे हैं और हमने सोचा कि सदस्यता अभियान शुरू करने के लिए हनुमान जयंती सबसे शुभ अवसर है।

लोहे की ग्रिल से लटका मिला व्यक्ति का शव

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति का शव लोहे की ग्रिल से लटका हुआ मिला। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लगता है, हालांकि जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, मोती नगर इलाके में एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर लोहे की ग्रिल से लटकते शव को एक राहगीर ने देखा।

गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की लोगों को सलाह

दोपहर 12 से तीन बजे घर से बाहर जाने से बचें

■ 20-20 मिनट के अंतराल पर पानी पीने की दी सलाह

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते तापमान को देखते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही 20-20 मिनट के अंतराल पर पानी पीने की सलाह दी है। विभाग ने अपने सलाह में कहा कि अधिक गर्मी वाले समय विशेषकर दोपहर 12 से तीन बजे के मध्य, सूर्य की सीधी रोशनी में जाने से बचें। नंगे पैर बाहर ना निकलें। अधिक प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों का उपयोग न करें। बासी भोजन का प्रयोग ना करें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ियों में न छोड़े। गहरे रंग के भारी तथा तंग कपड़ें न पहनें। जब बाहर का तापमान अधिक हो तब अत्याधिक शारीरिक परिश्रम का कार्य न करें। अधिक गर्मी वाले समय में खाना बनाने से बचें, रसोई वाले स्थान को ठंडा रखने के लिए दरवाजे तथा खिड़कियों को खोल कर रखें। शराब, चाय, कॉफी, कार्बोनेटेड साफ्ट ड्रिंक आदि का उपयोग न करें। यह शरीर में निर्जलीकरण करते हैं। दिल्ली में आज हल्के बादल छाए रहेंगे। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से हवा चलने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री व न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। इधर, बुधवार सुबह से तेज धूप खिली रही। दिन के समय लोगों को सूरज की तपिश ने परेशान किया। इस दौरान अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पीतमपुरा इलाका सर्वाधिक गर्म रहा। यहां अधिकतम 39.23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आया नगर में 39, नजफगढ़ में 38.9, रिज में 38.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 178 दर्ज किया गया। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, बुधवार को औसत चार से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा उत्तर-पश्चिम से उत्तर दिशा की ओर से चली।

पेट के कीड़े से बचाव के लिए मिलेगी दवा

दिल्ली के स्कूलों, आंगनवाड़ी सहित दूसरी जगहों पर एक से 19 साल तक के बच्चों को पेट की कीड़े से बचने के लिए परिवार कल्याण निदेशालय, दिल्ली ने अभियान शुरू किया है। इसके तहत बच्चों को कृमि मुक्ति के लिए दवा दी जाएगी। यह अभियान मंगलवार से शुरू हो गया है और 30 अप्रैल तक चलेगा।

■ दिल्ली में यूजीसी के बाहर पीएचडी में प्रवेश के लिए अनिवार्य नेट मानदंड के लिए यूजीसी अधिसूचना को रद्द करने व अन्य संबंधित मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते एसएफआई कार्यकर्ता। फोटो इम्तियाज खान

लोकतंत्र के पर्व में दें सहयोग : मल्होत्रा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने मौजूदा लोकसभा चुनाव में बीजेपी का समर्थन किया है। चरणजीव मल्होत्रा ने आह्वान किया है कि लोकसभा चुनाव में दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में दिल्ली की सातों सीट जीतेंगे। मल्होत्रा ने कहा है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा बेहतर संगठनकर्ता हैं। पार्टी में रहते हुए उन्होंने बेहतर काम किया। उनका सांगठनिक क्षमता को देखते हुए ही पार्टी आलाकमान ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनके नेतृत्व में भाजपा लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटें जीतेगी। मल्होत्रा ने आह्वान किया कि लोकतंत्र के इस पर्व में हर समाज के लोग भाजपा के हर उम्मीदवार को जिताकर संसद पहुंचाएं और तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सभी वर्ग के लिए जो कार्य किए हैं, वह कोई और नहीं कर पाया है। गौरतलब है कि चरणजीव मल्होत्रा किसी राजनीतिक दल में न रहते हुए भी समाज के लिए कार्य करते रहते हैं। जब देश में कोरोना जैसा विपदा आई थी तब से अभी तक मल्होत्रा ने 60 हजार से ज्यादा लावारिस शवों का अंतिम संस्कार किया और आज भी मल्होत्रा समाज के प्रति निष्ठा भाव से सामाजिक कार्य कर रहे हैं।

ट्यूशन टीचर के बेटे पर बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। दक्षिणी दिल्ली में एक ट्यूशन टीचर के बेटे पर एक छह साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने इस मामले में संगम विहार निवासी आरोपी होम सिंह (32) को हिरासत में लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे संगम विहार थाने में एक पीसीआर कॉल आई जिसमें एक छह साल की लड़की के यौन उत्पीड़न की शिकायत की गई थी। फोन करने वाली महिला जो उसी इलाके में रहने वाली है, ने बताया कि उसकी बेटी हमेशा की तरह पड़ोस की गली में ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी, लेकिन समय से पहले घर लौट आई।

भाजपा की पूर्व पार्षद के पति ने की आत्महत्या

■ गंभीर बीमारी से थे पीड़ित, पुलिस को मिला सुसाइड नोट

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली के पटपडगंज से भाजपा की पूर्व पार्षद संध्या वर्मा के पति संजय वर्मा ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चेरी में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच में पुलिस को एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उन्होंने आत्महत्या की वजह बीमारी बताया है। एक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार रात आनंद विहार रेलवे थाना को अक्षरधाम फ्लाईओवर के नीचे रेलवे ट्रैक पर शव के संबंध में जानकारी मिली थी। सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम से मौके का निरीक्षण कराया गया। जांच की गई तो शव की पहचान पटपडग़ंज गांव निवासी 59 वर्षीय संजय वर्मा के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि वह बीमारी से पीड़ित थे। लंबी बीमारी के कारण वे डिप्रेशन में थे। संध्या वर्मा पटपडगंज वार्ड से भाजपा की पूर्व पार्षद रही हैं। उनको एक बेटा है जिसका नाम अंकित वर्मा है। उनके पास किराए की आय के साथ-साथ निर्माण सामग्री बिक्री का काम भी है। हालांकि, सूत्रों की माने तो संजय वर्मा ने मंगलवार को भंडारा का भी आयोजन कराया था, भंडारे में जो खाद्य सामग्री बचा था, उसे उन्होंने यमुना खादर में जाकर झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों के बीच बांटा भी था। उसके बाद वह वहां से घर गए। घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई व वह वहां से निकल गए। उनके निकालने के बाद परिवार के सदस्यों ने उनकी खोज खबर ली, तो पता चला कि वह रिक्शा से मयूर विहार फेस 1 मेट्रो स्टेशन पहुंचे और मेट्रो में सवार होकर वह अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन पर उतर गए थे।

रेलगाड़ी संख्या 04499/04469 स्पेशल का बांदीकुई जं. तक विस्तार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 04499/04469 दिल्ली–रेवाड़ी–दिल्ली स्पेशल का बांदीकुई जं. तक विस्तार करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

गाड़ी सं. 04499/04469 दिल्ली जं.–रेवाड़ी जं.–दिल्ली जं. का बांदीकुई जं. तक विस्तार (प्रतिदिन) — 74 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04499 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04499 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04469 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04469 प्रस्थान
—	20.05	दिल्ली जं.	08:10	—
दिल्ली जं.–रेवाड़ी जं.–दिल्ली जं. के बीच समय–सारणी यथावत रहेगी				
22:30	22:40	रेवाड़ी जं.	05:25	05:30
22:56	22:58	बावल	04:37	04:39
23:20	23:22	हरसौली	04:13	04:15
23:32	23:34	खैरथल	04:01	04:03
00:20	00:23	अलवर जं.	03:35	03:38
00:43	00:45	मालाखेड़ा	03:07	03:09
01:02	01:04	राजगढ़	02:48	02:50
01:18	01:20	बसवा	02:32	02:34
01:50	----	बांदीकुई जं.	----	02:20

चलने के दिन : 04499 दिल्ली जं. से दिनांक 25.04.2024 से 31.05.2024 एवं 04469 बांदीकुई जं. से दिनांक 26.04.2024 से 01.06.2024।
स्थान : सामान्य

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों की समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

1236/2024

पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय रेल

''सार्वजनिक अधिसूचना''

उत्तर रेलवे के नीचे उल्लिखित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को नोटिस दिया जाता है कि 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को खंड के सामने निर्दिष्ट तिथि पर या उसके बाद सक्रिय किया जाएगा। उसी तारीख से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय चालू माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के करीब नहीं आएगा या काम नहीं करेगा।

अनुभाग	दिनांक
"दिल्ली डिवीजन के अंतर्गत देवबंद यार्ड में स्थान संख्या टीटीएम/1 (सीएचः 145/897.00) से स्थान संख्या 147/36 (सीएचः 147/726.50) के बीच, 25 केवी, 50 हर्ट्ज सिंगल फेज एसी नव विद्युतीकृत लाइन नं. 5 (कॉमन लूप लाइन) और आरजीएम/टीटीएम साइडिंग का ऊर्जीकरण, जिसमें मौजूदा लाइनों में संशोधन, संबंधित टर्नआउट और एक्स ओवर शामिल हैं।"	24.04.2024

ए.सी. 25 केवी ट्रैक्शन का परिचय
"सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी''

जनता की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की शुरूआत के संबंध में:– **"दिल्ली डिवीजन के अंतर्गत देवबंद यार्ड में स्थान संख्या टीटीएम/1 (सीएचः 145/897.00) से स्थान संख्या 147/36 (सीएचः 147/726.50) के बीच, 25 केवी, 50 हर्ट्ज सिंगल फेज एसी नव विद्युतीकृत लाइन नं. 5 (कॉमन लूप लाइन) और आरजीएम/टीटीएम साइडिंग का ऊर्जीकरण, जिसमें मौजूदा लाइनों में संशोधन, संबंधित टर्नआउट और एक्स ओवर शामिल हैं।"** 4.67 मीटर की स्पष्ट अधिकतम ऊँचाई के साथ सभी लेवल क्रॉसिंगों पर ऊंचाई गेज लगाए गए हैं और संपर्क तार सड़क के स्तर से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर होंगे, ताकि अत्यधिक ऊंचाई वाले भार को संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन के खतरनाक निकटता से रोका जा सके।

जनता को सूचित किया जाता है कि वाहनों को लोड करने के उद्देश्य से ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहनों में ले जाया गया भार किसी भी परिस्थिति में ऊंचाई गेज का उल्लंघन नहीं करता है।

अत्याधिक ऊँचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं:
i. ऊँचाई गेज के लिए खतरा और परिणामस्वरूप सड़क के साथ–साथ रेलवे लाइन में भी रुकावट।
ii. ले जाई गई सामग्री या उपकरण या स्वयं वाहन को खतरा
iii. कंडक्टरों के संपर्क या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा और जीवन का जोखिम

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण
उत्तर रेलवे, चौथा तल, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली

1227/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2024 की संख्या में वृद्धि

पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन स्पेशल रेल सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन रेल सेवाएँ भी निम्नानुसार संचालित की जायेंगी:-

04109/04110 सुबेदारगंज-दिल्ली जं.-सुबेदारगंज विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 20 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04109 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04109 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04110 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04110 प्रस्थान
---	21:30	सुबेदारगंज	19:20	---
08:30	---	दिल्ली जं.	---	09:30

चलने के दिन: **04109 सुबेदारगंज** से 25.04.2024 से 27.06.2024 तक (वीरवार) और **04110 दिल्ली जं.** से 26.04.2024 से 28.06.2024 (शुक्रवार) तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य; **ठहराव:** फतेहपुर, कानपुर सेन्ट्रल, इटावा, टूण्डला और अलीगढ़ स्टेशन

04721/04722 बीकानेर जं.-दानापुर-बीकानेर जं. विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04721 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04721 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04722 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04722 प्रस्थान
---	10:45	बीकानेर जं.	23:40	---
19:00	19:20	दिल्ली जं.	11:20	11:35
03:30	03:40	लखनऊ	02:30	02:40
13:45	---	दानापुर	---	16:20

चलने के दिन: **04721 बीकानेर जं.** से 02.05.2024 से 27.06.2024 तक (वीरवार) और **04722 दानापुर** से 03.05.2024 से 28.06.2024 (शुक्रवार) तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव: श्री डूंगरगढ़, राजलदेसर, रतनगढ़ जं., चुरू जं., सादुलपुर जं., लोहारू जं., महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी जं., गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जं., गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, वाराणसी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर और आरा स्टेशन।

05001 छपरा-अजमेर विशेष एक्सप्रेस — 1 फेरा

रेलगाड़ी सं. 05001 ARR.	रेलगाड़ी सं. 05001 DEP.	स्टेशन
---	06:10	छपरा
15:50	15:52	बाराबंकी
07:30	---	अजमेर जं.

चलने के दिन: **05001 छपरा जं.** से 26.04.2024 (शुक्रवार) को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव: सीवान, थावे जं., तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज जं., गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी, गोमतीनगर, ऐशबाग, इटावा, शमशाबाद टाऊन, आगरा कैंट, अछनेरा, भरतपुर, बाँदीकुई, दौसा, खातीपुरा और जयपुर जं. स्टेशन

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
1235/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच "

मतदान के बाद सभी पोल्ड ईवीएम मशीनों को पोलिंग स्टेशनों से फूल मंडी फेस-2 नोएडा में बनाए गए स्ट्रांग रूम में विधानसभा वार रखा जाएगा। सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट को जो रिजर्व ईवीएम मशीनें उपलब्ध कराई गई थी, उनमें से जो भी मशीन अनपोल्ड रहेगी। उनको पहले वापस सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में बनाए गए वेयर हाउस में रखा जाएगा। मतदान के बाद फूल मंडी फेस-2 नोएडा में बनाए गए स्ट्रांग रूम, जिसमें पोल्ड ईवीएम मशीन रखी जाएगी : **मनीष वर्मा, जिला निर्वाचन अधिकारी**

उद्यमी से दो करोड़ की फिरौती मांगने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

गाजियाबाद, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। स्वाट टीम व सिहानी गेट पुलिस ने उद्यमी से दो करोड़ की फिरौती मांगने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोग पिता-पुत्र हैं।

डीसीपी नगर कुंवर ज्ञानजंय सिंह ने बताया कि भुवन गोयल निवासी मुकुंद नगर मेन हापुड रोड ने थाने पर लिखित तहरीर दी कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुझे एक बंद पत्र भेजा गया है। जिसमे मुझसे 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है व ना देने पर मुझे व मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है । जिसका तत्काल संज्ञान लेकर थाना सिहानीगेट पर से दो करोड़ की फिरौती अभियोग पंजीकृत किया गया ।

घटना के अनावरण के लिए 5 टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी टीमों से 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरो की फुटेज देखी गई। कैमरो की फुटेज प्रयास,लोकल इनपुट,मैनुअल इंटेलिजेंस व मुखबिर की सूचना के आधार पर मंगलवार को फिरौती/रंगदारी मांगने वाले अभियुक्तगण आलम गीर उसके पुत्र दानिश पुत्र आलम गीर को जल निगम टी प्वाइंट हाईवे एनएचएल-9 से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आलम गीर ने बताया कि मैं हापुड मोड के पास मुकुंद नगर में राजेश गोयल की पावरलाइन फेक्ट्री में पेंट करने का काम पिछले 18 सालो से कर रहा था। जहां से राजेश गोयल ने वर्ष 2019 से मुझे यह कहकर निकाल दिया की काम की मंदी चल रही है। मेरे तीन बच्चे है। दो बेटे व एक बेटी मैने तीनो बच्चों की शादी की व कुछ पर्सनल लोन भी लिया था ।जिसके कारण मुझ पर कर्जा हो गया था। मै राजेश गोयल की वजह से कर्ज में डुब गया था। इस वजह से मैने अपने बेटे दानिश के साथ मिलकर फिरौती मांगने का षडयन्त्र रचा था ।

चुनाव के दौरान मदद करेगा ई-सम्पर्क नोएडा पुलिस ऐप

- **ऐप में गूगल मैप के जरिए मतदान केन्द्र तक पहुंचने की सुविधा होगी**
- **चुनाव से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज प्राप्त करने की होगी सुविधा**

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को सकुशल संपन्न कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने ई-सम्पर्क नोएडा पुलिस ऐप को लांच किया गया है। यह ऐप चुनाव में ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मियों की चुनाव के दौरान मदद करेगा। कमिश्नरेट पुलिस की मीडिया सेल से मिली जानकारी के मुताबिक 26 अप्रैल को गौतमबुद्धनगर में द्वितीय चरण का चुनाव होना है। इस दौरान शांति पूर्ण और सकुशल चुनाव को संपन्न कराने के लिए नोएडा पुलिस की तरफ से ई-सम्पर्क नोएडा पुलिस ऐप को लॉन्च किया गया है। यह ऐप चुनाव के दौरान ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को पोलिंग बूथवार सम्पर्क करने में मददगार होगा। मीडिया सेल के मुताबिक ऐप में विधानसभा एवं बूथवार संभ्रान्त व्यक्तियों के नाम एवं मोबाइल नम्बर खोजने की सुविधा है। जिसमें बीएओ, जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारी, चौकी प्रभारी, प्रधान,पार्षद के नाम और नंबर उपलब्ध होगे। इसके साथ ही ऐप में गूगल मैप के जरिए से मतदान केन्द्र तक पहुंचने की सुविधा होगी। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के मोबाइल नम्बर प्राप्त करने में सुविधा। चुनाव से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज प्राप्त करने की सुविधा होगी। ऐप स्टोर पर ई-सम्पर्क नोएडा पुलिस ऐप दिखेगा। ऐप को खोलने पर बूथवार सम्पर्क, पुलिस सम्पर्क, प्रशासनिक सम्पर्क व अतिरिक्त दस्तावेज बटन पर क्लिक करें। बूथवार सम्पर्क बटन पर क्लिक करने के पश्चात अगला पेज खुलेगा।

आज रवाना होगी पोलिंग पार्टियां

- **सुबह 5 बजे पहुंचना होगा फूल मंडी**
- **6 बजे खोले जाएंगे वार स्ट्रांग रूम के दरवाजे**

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में 26 अप्रैल को मतदान होना है। इसके लिए गुरुवार सुबह फूल मंडी फेस-2 नोएडा से पोलिंग पार्टियों को ईवीएम के साथ में पोलिंग स्टेशनों के लिए रवाना किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष वर्मा ने बताया कि सभी मतदान कर्मी सुबह 5:00 बजे फूल मंडी फेस-2 पहुंच जाएंगे। यहां से नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभाओं के स्ट्रांग रूम सुबह 6 बजे खोले जाएंगे। फूल मंडी से पोलिंग पार्टियों को ईवीएम एवं मतदान सामग्री वितरण कर रवाना किया जाएगा। इसके बाद रिजर्व ईवीएम मशीनों को फूल मंडी से कलेक्ट्रेट वेयरहाउस में बनाए गए पुलिस अभिरक्षा में लाई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 26 अप्रैल यानी मतदान के दिन सुबह 3 बजे कलेक्ट्रेट वेयरहाउस से रिजर्व ईवीएम मशीनों को सेक्टर मजिस्ट्रेट/जोनल मजिस्ट्रेट को उपलब्ध कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी बताया कि मतदान के बाद सभी पोल्ड ईवीएम मशीनों को पोलिंग स्टेशनों से फूल मंडी फेस-2 नोएडा में बनाए गए स्ट्रांग रूम में विधानसभा वार रखा जाएगा। सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट को जो रिजर्व ईवीएम मशीनें उपलब्ध कराई गई थी, उनमें से जो भी मशीन अनपोल्ड रहेगी। उनको पहले वापस सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में बनाए गए वेयर हाउस में रखा जाएगा। मतदान के बाद फूल मंडी फेस-2 नोएडा में बनाए गए स्ट्रांग रूम, जिसमें पोल्ड ईवीएम मशीन रखी जाएगी, उसके बाहर प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

सार संक्षेप

गाजियाबाद में थमा चुनाव प्रचार, प्रत्याशियों ने अंतिम दिन झोंकी ताकत

गाजियाबाद। बुधवार शाम पांच बजे चुनाव प्रचार का शोर थम गया। प्रचार के अंतिम सभी दलों ने पूरी ताकत झोंकी। 26 अप्रैल को मतदान के लिए उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। मतदान केंद्रों पर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सकुशल मतदान संपन्न कराने के लिए बाहर से फोर्स भी पहुंच गई। गाजियाबाद सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान है। शुक्रवार को मतदान सुबह सात बजे शुरू हो जाएगा। बुधवार शाम पांच बजे तक ही राजनीतिक दल प्रचार किया। गाजियाबाद सीट से भाजपा से अतुल गर्ग, आईएनडीआईए गठबंधन से डॉली शर्मा, बसपा से नंदकिशोर पुंडीर चुनाव मैदान में हैं। इन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 26 को करीब 29 लाख मतदाता वोट देकर ईवीएम में बंद कर देंगे।

कार-मोटरसाइकिल की टक्कर से युवक घायल

नोएडा। जेपी कट के पास वैगनआर काल के चालक ने मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल के सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट आई है। एक निजी अस्पताल में घायल का उपचार चल रहा है। पीड़ित की बहन ने अज्ञात चालक के खिलाफ सेक्टर-126 थाने में केस दर्ज कराया है। दिल्ली के प्रहलादपुर निवासी समिता बिस्वाल ने बताया कि बीते दिनों उसका भाई सुब्रत मोटरसाइकिल से नोएडा एक्सप्रेसवे के रास्ते दिल्ली की तरफ आ रहा था। जब वह जेपी कट के पास पहुंचा तभी पीछे से तेज रफ्तार से आए वैगनआर के चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। राहगीरों की मदद से पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और हादसे की जानकारी परिजनों को दी। राहगीरों के मुताबिक हादसे के समय कार चालक ने शराब पी रखी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

नोएडा। डीएनडी लूप के पास तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए अज्ञात वाहन के चालक ने पैदल जा रहे युवक को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपचार के दौरान घायल युवक ने दम तोड़ दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत में दिल्ली के पालमनगर निवासी योगेश ने बताया कि उसका चचेरा भाई दीवान सिंह उत्तराखंड के चंपावत में रहता है। बीते दिनों वह अपने पिता का इलाज कराने के लिए दिल्ली आया था। 17 अप्रैल को वह पता नहीं किस काम से नोएडा आया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी कि डीएनडी लूप के पास अज्ञात वाहन के चालक ने टक्कर मारकर दीवान को घायल कर दिया है। पुलिसकर्मियों ने ही उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन मृतक के शव को लेकर गृह जनपद पहुंचे और अंतिम संस्कार करने के बाद केस दर्ज कराया गया।

कपड़ा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

- **औद्योगिक इलाके में मची अफरा-तफरी**

गाजियाबाद, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। मोदीनगर के सिखेड़ा रोड औद्योगिक इलाके में स्थित एक कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग लग गयी। जिसमें चार लोग फंस गए। फायर ब्रिगेड ने आग में फंसे चारों लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद निकाल लिया और आग पर काबू पाया। इस अग्नी कांड से लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जिला अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि मोदीनगर के फ़ायर स्टेशन में सिखेड़ा रोड मोदीनगर स्थित कपड़े बनाने की फैक्ट्री स्टार एक्सपोर्ट प्रा.लिमिटेड में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन मोदीनगर से अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सहित 2 फायर टैंकर मय यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर जाकर देखा तो आग भवन के तीनों तल पर फैली हुई थी। जिससे आग की लपटे और काला धुआं बहुत तेज था। आग बहुत तेजी से फैल रही थी। फ़ायर यूनिट ने शीघ्रता से होज लाइन फैलाकर फ़ायर फ़ाइटिंग करना शुरू कर दिया। तुरन्त मौके की नजाकत को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने फायर स्टेशन कोतवाली से 2 फायर टैंकर घटनास्थल पर बुलाए गए। फायर यूनिट ने तृतीय तल पर आग में फंसे 4 लोगो को लैडर लगाकर अदम्य साहस का परिचय देते हुए सकुशल बाहर निकाला। बचाए गए लोगों में हेमन्त कुमार पुत्र शैलेंद्र सिंह निवासी बिहार, सूरज पुत्र रमेश निवासी उन्नाव ,सुरेन्द्र पुत्र रामनारायण निवासी उन्नाव, उपेन्द्र पुत्र ऋषिपाल सिंह निवासी अलीगढ़ हैं। अग्निकांड में कोई जन हानि नहीं हुई।

कार सवार बहनों के साथ हुई मारपीट

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। कार सवार बहनों ने एक युवती और युवक पर गाली गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए सेक्टर-126 थाने में केस दर्ज कराया। नोएडा से दिल्ली जाते समय ओखला बर्ड सेंचुरी मेट्रो स्टेशन के पास कार सवार बहनों के साथ यह घटना हुई। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात युवती और युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली के पटेलनगर निवासी साक्षी बजाज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी सेक्टर 67 में फैक्ट्री है। मंगलवार को वह अपनी कार में सवार होकर अपनी बहन के साथ फैक्टरी से पटेल नगर स्थित अपने घर जा रही थी। जब वह कालिंदी कुंज के पास पहुंची तो उन्होंने अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर दी और वहां पर खाने-पीने के स्टॉल से वह कुछ सामान खरीदने लगी। इसी बीच एक लड़की आई और उसने साक्षी की कमर पकड़ कर पीछे खींच दिया। जब साक्षी ने इस बात का विरोध किया तो उसने गंदी गालियां दी तथा उसके साथ मारपीट करने लगी।

- **पुलिस ने अज्ञात युवती व युवक के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा**

पीड़िता के अनुसार इस बीच उनकी बहन कार से उतरकर उसे बचाने आई, तो युवती तथा कार में एक अन्य पुरुष साथी ने दोनों बहनों के साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपियों के कार की फोटो खींचकर पुलिस को उपलब्ध कराई है। थाना प्रभारी ने बताया कि कार के नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

प्राधिकरण ने 2 करोड़ रुपए की जमीन कराई कब्जा मुक्त

- **सड़क निर्माण में आ रही थी बाधा, जमीन पर बना था मकान**

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण की ओर से भू-माफियाओं के द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण को लेकर सख्त है। बुधवार को प्राधिकरण की टीम ने 2 करोड़ रुपए की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। इस जमीन पर गार्डर डालकर मकान बनाया गया था। साथ ही प्लॉटिंग की जा रही थी। ये जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित है। साथ ही प्राधिकरण की अधिग्रहित जमीन है। प्राधिकरण ने अवैध निर्माण को ध्वस्त किया और जमीन को कब्जे में लिया।

प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि बुधवार को सर्किल-9 की टीम जेसीबी और स्थानीय पुलिस बल के साथ गुलावली गांव पहुंची। यहां खसरा संख्या 581 पर भू माफियाओं ने मकान बना रखा था। प्राधिकरण कर्मचारियों ने जेसीबी की मदद से अवैध कब्जे को ध्वस्त किया। ये जमीन सेक्टर-163 और 161 के बीच 30 चौड़े रास्ते के निर्माण में आ रही थी। जिसके अतिक्रमण होने से यहां सड़क का निर्माण बाधित हो रहा था। इस जमीन का एरिया करीब 800 वर्गमीटर है। इसकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

बता दे प्राधिकरण लगातार अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई कर रहा है। एक महीने में 12 स्थानों से अवैध निर्माण को हटाया गया। जिसमें 17 खसरों की करीब 56 हजार 885 वर्ग मीटर जमीन है।

मकान मालिक पर होटल पर कब्जा करने का आरोप

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। होटल संचालक ने अपने मकान मालिक पर धमकी देने का आरोप लगाते हुए सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज कराया है। पीड़ित का कहना है कि किराये पर बिल्डिंग देने के बाद उसका मालिक अब जबरन होटल पर कब्जा करना चाह रहा है। पुलिस ने आरोपी मकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर 47 निवासी अनिल बब्बर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका होटल का कारोबार है। बरौला गांव में रीजेंटा के नाम से एक होटल है, जो कि किराए के भवन में है। यह भवन जय भगवान चौहान, गिरीश कोटनाला और दिलीप सिंह रावत से शिकायतकर्ता ने किराए पर लिया है। भवन तीनों के नाम से संयुक्त रूप से है। पीड़ित के अनुसार उसका मकान मालिक जय भगवान चौहान आए दिन उसे परेशान करता है। जबरन होटल खाली करवाना चाह रहा है। विरोध करने पर आरोपी हमेशा शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी देता है। शिकायतकर्ता ने न्यायालय से इस मामले में स्टे ले रखा है। कोर्ट के आदेश के बावजूद मकान मालिक जय भगवान चौहान आए दिन पीड़ित को धमकी देकर होटल खाली करवाने का प्रयास कर रहा है। आरोपी मकान मालिक होटल खाली करने के लिए अपने गुंडो के साथ एक दिन होटल पर आ गया। पुलिस के हस्ताक्षेप के बाद आरोपी वहां से वापस चले गए।

एमिटी ने डीआरडीओ को सौंपा दिव्य दृष्टि प्रोजेक्ट

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर-126 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय ने एक कार्यक्रम के तहत डीआरडीओ को प्रोजेक्ट दिव्य दृष्टि सौंपा। डीआरडीओ के टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (टीडीएफ) द्वार वित्त पोषित किए गए प्रोजेक्ट 'दिव्य दृष्टि' शारीरिक मापदंडों के आधार पर किसी व्यक्ति की एआई आधारित पहचान है जिसको एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डा शिवानी वर्मा और उनकी टीम द्वारा निर्मित किया गया है।

- **किसी व्यक्ति की एआई आधारित पहचान कर सकता है**

डॉ. शिवानी वर्मा ने कहा कि प्रोजेक्ट दिव्य दृष्टि एक अद्वितीय एआई आधारित मानव पहचान प्रणाली है, जिसका उद्देश्य किसी व्यक्ति का पता लगाने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण को डिजाइन और विकसित करना है। चार शारीरिक मापदंडों को मापना जिसमें कंकाल डेटा, चाल पैरामीटर, मूवमेंट पैरामीटर और चेहरा पहचान पैरामीट हैर। पहला संस्करण 14 अप्रैल 2023 को जारी किया गया था और आज हमें यह परियोजना टीडीएफ, डीआरडीओ को सौंपते हुए खुशी हो रही है। हमारा लक्ष्य रक्षा, एयरोस्पेस और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी पेश करना है, जहां ऐसी प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है। डॉ. निधि बंसल ने कहा कि परियोजना एक बड़ी सफलता है और प्रत्येक परियोजना के लिए, परियोजना टीम के साथ-साथ विकास एजेंसी के बहुत सारे समर्थन और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। एमिटी विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. शिवानी और उनकी टीम ने सराहनीय काम किया है, और यह परियोजना देश के विकसित एस एंड टी परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देगी। यह परियोजना फलदायी उद्योग-अकादमिक सहयोग का भी एक उदाहरण है।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कर्मचारियों को किया जागरूक

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन अपनी टीम के साथ मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत औद्योगिक सेक्टर का भ्रमण किया। इसके अंतर्गत करन गुप्ता की कंपनी सी-450 सेक्टर -10 में कार्यरत कर्मचारियों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विपिन मल्हन ने कहा कि आप लोग वोट डालने अवश्य जाएं। आपका एक वोट बहुत कीमती है। इसकी ताकत को समझें। पूर्व में नोएडा गौतमबुद्ध नगर में मतदान का प्रतिशत 47, 48 प्रतिशत रहना बड़े दुर्भाग्य की बात है ये प्रतिशत बहुत कम है। क्या हम नोएडा जो सरकार रेवेन्यू देने में अव्वल है , उत्तर प्रदेश का शो विंडो कहे जाने वाला शहर है। ये शहर जब मतदान में फिसड्डी रह जाता है तो दुख होता है। इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों को अपना मत डालने की शपथ दिलाई । इस अवसर पर एनईए से महासचिव वीके सेठ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कोहली, धर्मवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष शरद जैन, उपाध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव , संदीप अग्रवाल, ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

अखलाख हत्याकांड पर बन रही फिल्म 'बिसाहड़ा'

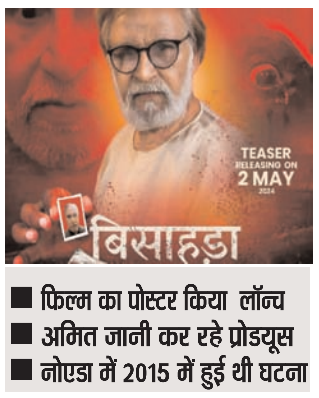

- **फिल्म का पोस्टर किया लॉन्च**
- **अमित जानी कर रहे प्रोड्यूस**
- **नोएडा में 2015 में हुई थी घटना**

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा के बिसाहड़ा गांव में सितंबर 2015 में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी जाती है। ये हत्या एक अफवाह पर की जाती है कि किसी ने उस व्यक्ति को गौ वंश के अवशेष फेंकते हुए देखा था। उस व्यक्ति का नाम अखलाक था। इसी घटना पर आधारित जानी फायर फॉक्स फिल्म्स के बैनर तले एक मूवि बनाई जा रही है जिसका नाम 'बिसाहड़ा' है। इस फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी कर ली गई है। आज इसका पोस्टल लांच किया गया। 2 मई को फिल्म का टीजर लांच किया जाएगा। फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जान हैं। उन्होंने ही इस फिल्म को लिखा है। फिल्म का निर्माण जयंत सिन्हा और भारत सिंह के निर्देशन में किया जा रहा है। बता दे कि जानी फायर फॉक्स ने उदयपुर के दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड पर 'अ टेलर मर्डर स्टोरी' और पाकिस्तान से ग्रेटर नोएडा आई सीमा हैदर प्रकरण पर 'कराची टू नोएडा' फिल ?मों को शूट किया जा रहा है। यह फिल्में जल्द ही देश भर के सिनेमाघरों पर रिलीज होगी। फिल्म के प्रोड्यूसर एवं लेखक अमित जानी ने बताया कि फिल्म में इस हत्याकांड के सभी पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है। फिल्म में कई ऐसे पहलुओं को भी दिखाया गया है जो अभी तक अनछुए रह गए थे। इस फिल ?म का निर्माण करने के पीछे घटना की सत्यता को लोगों के सामने लाना है। अमित जानी ने बताया कि देश के अल्पसंख्यक वर्ग की मांग के बाद बिसाहड़ा कांड पर फिल्म बनाने का फैसला लिया गया था। बिसाहड़ा का पोस्टर जारी करते हुए बताया कि हम इसी जोनर की फिल्मों का निर्माण करेंगे ताकि सच को सिनेमेटिक तरीके से दिखाया जा सके।

दरअसल, पूरी घटना साल 2015 की है। सितंबर महीने में ईद का त्यौहार के दो दिन बाद, दादरी क्षेत्र के बिसाहड़ा गांव में 27 सितंबर को एक अफवाह फैल गई। गांव के ही अखलाक के घर में गाय काटकर मांस पकाया गया। इसकी वजह थी कि कुछ युवकों ने अखलाक को मांस के कुछ टुकड़े एक स्थान पर फेंकते हुए देखा। घटना गांव में जंगल की आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में भीड़ एक स्थान पर एकत्रित हो गई।

भीड़ ने अखलाक के घर पर हमला कर दिया। इस दौरान अखलाक सहित उसकी मां, पत्नी, बेटी और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने अखलाक और उसके बेटे को गंभीर रूप से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान अखलाक की मौत हो गई। राजनीति से प्रेरित होकर कुछ नेताओं ने इस घटना को संयुक्त राष्ट्र संघ में उठाने का बयान दिया। इस तरह की घटना में पहली बार देश में मॉब लिंचिंग शब्द का राजनीतिक तौर पर प्रयोग किया गया।

कनिका नरबार बनी मिसेज इंडिया 2024 रनर अप

- **1 साल में कम किया 22 किलो वजन**
- **अंडर प्रिविलेज्ड लड़कियों को देना चाहती है शिक्षा**

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर-75 रहने वाली कनिका नरबार ने मिसेज इंडिया 2024 रनर अप का खिताब जीतकर जिले का नाम रौशन किया। वह एक 10 साल की बेटी की मां हैं और एक बिजनेस वूमन हैं। उनकी क्राउनिंग सेरेमनी 16 अप्रैल को जयपुर में की गई। कानिका करीब तीन साल से इस इवेंट की तैयारी कर रही थी। उनके पास सबसे बड़ा टास्क अपने वजन को कम करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत की है और एक साल में 80 किलो से अपना वेट 58 किलो तक पहुंचाया। साथ ही इसे मेंटेन भी किया।

वह अन्य महिलाओं के लिए एक मिसाल बनना चाहती है। उन्हें प्रेरणा देना चाहती है कि सपने देखने से ही उड़ान होती है। मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती। यही नहीं उन्होंने अंडर प्रिविलेज्ड बच्चों के लिए फंड रेज किया। महज तीन हफ्तों में फंड रेज द्वारा 2,20,000 रुपए जमा किए और ब्यूटी विथ पर्पस का खिताब भी जीता। वह पेशे से एक कंसल्टिंग कंपनी में मैनेजिंग पार्टनर है। साथ ही टैलेंट मैनेजमेंट में अपना नाम बना चुकी है ।

उवाच

मतदान के 48 घंटे पहले राजनैतिक दलों और उनके प्रत्याशियों व प्रतिनिधियों द्वारा निर्वाचन क्षेत्र में किए जाने वाले चुनाव प्रचार संबंधी सम्पूर्ण गतिविधियाँ समाप्त हो जाएगी। इस अवधि में निर्वाचन क्षेत्र के भीतर किसी भी प्रकार की चुनाव प्रचार संबंधी गतिविधियाँ नहीं होगी। सभी राजनैतिक दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने के बाद निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदगी प्रतिबंधित रहेगी : **मनीष कुमार वर्मा, जिला निर्वाचन अधिकारी**

दूसरे चरण में यूपी के कई दिग्गजों की साख दांव पर

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल(देशबन्धु)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोकसभा के दूसरे चरण में आठ सीटों पर मतदान 26 अप्रैल को होना है। जिन पर चुनाव प्रचार थम गया। बता दें कि दूसरे चरण में यूपी के अलीगढ़, अमरोहा, बुलंदशहर, गाजियाबाद, मथुरा, मेरठ, गौतमबुद्ध नगर और बागपत लोकसभा सीटें शामिल है। इन सभी सीटों पर कुल 91 उम्मीदवार मैदान में होंगे। इन सीटों पर चुनावी समीकरण की बात करें तो वो भी काफी दिलचस्प हैं।

मेरठ : मेरठ लोकसभा सीट कि बात करें तो इस सीट पर बीजेपी बनाम इंडिया गठबंधन और बसपा कि लड़ाई हैं। जहां बीजेपी से अरुण गोविल चुनावी मैदान में हैं जो कि प्रसिद्ध धारावाहिक रामायण में श्री राम का किरदार निभा चुके हैं। वहीं सपा से यहां सुनीता वर्मा को प्रत्याशी बनाया गया है और बसपा से देवदत्त त्यागी मैदान में हैं।

अमरोहा : इस सीट पर बीजेपी से कंवर सिंह तंवर, कांग्रेस से कुंवर दानिश अली और बसपा से मुजाहिद हुसैन के बीच मुकाबला होना है। राजनितिक विश्लेषकों का कहना है की बसपा से यहाँ मुस्लिम कैंडिडेट उतार कर कांग्रेस का गणित बिगाड़ दिया है।

गाजियाबाद : गाजियाबाद सीट पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। यहां बीजेपी से अतुल गर्ग को टिकट दिया गया है। वहीं कांग्रेस ने यहां डॉली शर्मा को टिकट दिया है और

■ **धारावाहिक के राम और अभिनेत्री हेमा मालिनी चुनाव मैदान में**

बसपा से नंद किशोर पुंडीर मैदान में हैं। तीनों ही प्रत्याशियों को कांटे की टक्कर मिल रही है।

गौतमबुद्ध नगर : यहां से बीजेपी ने एक बार फिर पुराने चेहरे पर ही दांव लगाया है। पार्टी ने डॉ महेश शर्मा को मैदान में उतारा है। सपा से महेंद्र नागर तो बसपा से राजेंद्र सोलंकी मैदान में हैं। इस सीट पर भी लड़ाई काफी दिलचस्प होने वाली है क्योकि सपा ने यहां से गुर्जर, मुस्लिम और यादव सममीकरण साधने की भरपूर कोशिश की है। ठाकुर मतदाता भाजपा को लेकर नाराजगी जगजाहिर है, जिससे बसपा का पक्ष भी यहां पर काफी मजबूत है जो भाजपा के लिए मुसीबत साबित हो सकता है।

बुलंदशहर : यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है, इस सीट से भी बीजेपी ने पुराने प्रत्याशी भोला सिंह को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने शिवराम वाल्मीकि व बसपा ने गिरीश चंद्र पर दांव लगाया है।

अलीगढ़ : बसपा ने इस सीट से बीजेपी के लिए कुछ मुश्किल पैदा कर दी है क्योकि पार्टी ने यहां पर बीजेपी से ही आए हितेंद्र कुमार को टिकट दिया है। वहीं सपा ने बिजेंद्र सिंह को मैदान में उतरा है। इस सीट पर मुस्लिम वोटरों की निर्णायक भूमिका होने के बावजूद भी यहां से मुस्लिम कैंडिडेट किसी भी पार्टी ने नहीं उतरा है।

मथुरा : यह लोकसभा सीट काफी हाई प्रोफाइल सीट मानी जाती है क्योकि यहां से लगातार दो बार हेमा मालिनी चुनाव जीत रहीं हैं। वहीं इस बार फिर से हेमा मालिनी ही बीजेपी से चुनावी मैदान में हैं। कांग्रेस ने यहां से मुकेश धनगर को टिकट दिया है और बसपा ने यहां से सुरेश सिंह को प्रत्याशी बनाया है। माना जा रहा है कि मथुरा सीट पर बसपा अगर जाट-दलित वोटों को जोड़ने में कामयाब रही तो बीजेपी के लिए चिंता पकड़ बन सकती है।

बागपत : चौधरी चरण सिंह के परिवार का गढ़ रही इस सीट पर 47 वर्षों बाद इस बार इसपर परिवार का कोई भी चुनाव नहीं लड़ रहा है। भाजपा ने जाट, सपा ने ब्राह्मण और बसपा ने गुर्जर प्रत्याशी को यहां मैदान में उतारा है। पिछले दो चुनावों में यहां आमने-सामने रहीं भाजपा और रालोद के हाथ मिलाने से एनडीए समर्थक यहां हैंडपंप को मजबूत मान रहे हैं। सपा ने आखिरी दौर में साहिबाबाद के पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा को उतार दिया। बसपा ने दिल्ली हाई कोर्ट के अधिवक्ता प्रवीण बंसल पर दांव लगाया है।

26 को होगा मतदान, मोबाइल सेल फोन पर होगी रोक

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल(देशबन्धु)। गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट के लिए द्वितीय चरण में चुनाव 26 अप्रैल को होगा, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि मतदान के 48 घंटे पहले राजनैतिक दलों और उनके प्रत्याशियों व प्रतिनिधियों द्वारा निर्वाचन क्षेत्र में किए जाने वाले चुनाव प्रचार संबंधी सम्पूर्ण गतिविधियाँ समाप्त हो जाएगी।

इस अवधि में निर्वाचन क्षेत्र के भीतर किसी भी प्रकार की चुनाव प्रचार संबंधी गतिविधियाँ नहीं होगी। सभी राजनैतिक दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने के बाद निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदगी प्रतिबंधित रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 24 अप्रैल, 2024 को सायं 06 बजे के बाद से गौतम बुद्ध नगर निर्वाचन क्षेत्र में राजनैतिक दलों व उनके प्रत्याशियों द्वारा किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार संबंधी गतिविधियों व अभियानों पर प्रतिबंध रहेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, वायरलेस सेट आदि ले जाने पर रोक लगा दी है।

मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित

घर-घर बांटी गई मतदाताओं को पर्चियां

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। मतदाता जागरुकता के लिए गुरुवार को पूरे लोकसभा क्षेत्र में वृहद अभियान चलाया गया। स्वीप प्रभारी जनार्दन सिंह व सहायक प्रभारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में अभियान चला। इस दौरान कॉलेज, उच्च प्राथमिक विद्यालयों, प्राथमिक विद्यालयों, जिसमें ग्लोबल इंस्टिट्यूट संस्थान, समसारा द वर्ल्ड अकैडमी संस्थान, गांधी स्मारक इंटर कॉलेज दुजाना दादरी, मेरीगोल्ड पब्लिक स्कूल सेक्टर 19 नोएडा, सनराइज विले, पेसिफिक वर्ल्ड, राजकीय हाई स्कूल शादीपुर, राजकीय हाई स्कूल छिजारसी, एसडी विद्या स्कूलों में मतदाता जागरूकता संबंधी अनेक

गतिविधियां जैसे मतदान मॉकड्रिल, मेहंदी प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर, स्लोगन, रंगोली, मतदाता शपथ व मतदाता जागरूकता स्टीकर वितरण आदि का आयोजन करते हुए मतदाताओं को जागरूक किया गया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतिम चरण में गौतम बुद्ध नगर में बूथ लेवल ऑफिसर्स द्वारा घर-घर जाकर मतदान हेतु पर्चियां बांटी गई एवं स्टीकर चस्पा करते हुए सभी लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह एवं उनकी टीम द्वारा गलगोटिया कॉलेज ग्रेटर नोएडा में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई गई एवं लोकतंत्र में भागीदारी हेतु 26 अप्रैल 2024 को वोट अवश्य डालें और अपने माता-पिता, परिवारजन व पड़ोसियों को मतदान के लिए प्रेरित करें की अपील की गई। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ अपने विचार रखे।

वाह्य रोगी विभाग का शुभारंभ, आहार संबंधी दी जाएगा सलाह

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल(देशबन्धु)। गलगोटियास विश्वविद्यालय में आहार बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। गलगोटियास विश्वविद्यालय द्वारा उठाया गया यह कदम आगे आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

इस कार्यक्रम की शुरुआत संकाय सदस्यों सहित सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम गलगोटियास विश्वविद्यालय के

ई-ब्लॉक में हुआ, जिसे पोषण और कल्याण की थीम को दर्शाते हुए प्रतीकात्मक सजावट से सजाया गया था। डाइट ओपीडी प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार को प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक कार्यरत रहेगी।

समारोह की औपचारिक शुरुआत औपचारिक रूप से रिबन काटकर, डायट ओपीडी के उद्घाटन के प्रतीक के रूप में, दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। विशिष्ट अतिथियों ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल में पोषण के महत्व और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में आहार ओपीडी की भूमिका पर जोर देते हुए व्यावहारिक भाषण दिए। इस कार्यक्रम ने छात्रों को विभिन्न आहार संबंधी पहलुओं पर संकाय सदस्यों और छात्रों को परामर्श देने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

अतिक्रमण हटाने पहुंची प्राधिकरण की टीम को ग्रामीणों ने घेरा

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सुनपुरा गांव में अतिक्रमण हटाने पहुंची ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम को उल्टे पांव लौटना पड़ा।

चुनावी माहौल में बिना पुलिस को सूचना दिए अतिक्रमण हटाने पहुंची प्राधिकरण की टीम की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़ा हुआ है। पुलिस ने दावा किया है कि 22 अप्रैल को प्राधिकरण की टीम ने सुबह आठ बजे सूचना दी कि उन पर सुनपुरा गांव में हमला हुआ है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां प्राधिकरण का कोई कर्मचारी नहीं मिला। दो दिन मामले में कोई हलचल नहीं हुई। अब 24 अप्रैल यानी बुधवार

■ **पुलिस को बिना सूचना दिए अतिक्रमण हटाने पहुंची थी प्राधिकरण की टीम**

को प्राधिकरण कर्मचारी तहरीर लेकर ईकोटेक तीन कोतवाली पहुंचे। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर चुनावी माहौल में प्राधिकरण की टीम बिना पुलिस को सूचना दिए अतिक्रमण हटाने गांव में क्यों पहुंची। यदि कोई अनहोनी हो जाती तो कौन जिम्मेदार होता। इन दिनों पूरा पुलिस बल चुनाव ड्यूटी में लगा हुआ है। दरअसल, सुनपुरा गांव में अवैध निर्माण हो रहा है। जिम्मेदारों की नाक के नीचे अवैध निर्माण हो जाता है और कागजों में दावा चलता रहा। निर्माण होने के बाद जब भोली भाली जनता के साथ ठगी हो जाती है तब जिम्मेदार जागते है फिर निर्माण को गिराने का खेल शुरू होता है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान उस जनता का होता है जिसको कालोनाइजर ठगी का शिकार बना लेते है। सरकारी विभागों के बीच लगातार पैदा हो रहे फासलों का फायदा उठाकर कालोनाइजर अवैध कालोनी का जाल बिछा रहे है। सुनपुरा मामले में भी यही देखने को मिला है।

लोकसभा चुनाव में ग्रेनो वेस्ट का मिजाज

स्थानीय मुद्दों के साथ राष्ट्रहित के मुद्दे पर होगा मतदान

ग्रेटर नोएडा, 4 अप्रैल(देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में मतदाता अपने मत का प्रयोग केन्द्रीय मुद्दों को लेकर मतदान करता है, कि केन्द्र में ऐसी सरकार बने जो देश का समुचित विकास करे और उनके क्षेत्र में ऐसे काम हो जिसमें बड़ा वर्ग लाभान्वित हो। स्थानीय मुद्दा विधान सभा चुनाव में उठता है, अगर उनके क्षेत्र में अच्छा काम हुआ रहता है जनप्रतिनिधि को दोबारा मौका मिलता है। ग्रेनो वेस्ट के निवासियों ने अपने जनप्रतिनिधि को दोबारा चुना जरुर लेकिन उनकी समस्याएं वैसे बनी हुई है। अब लोकसभा चुनाव हो रहा है तो लोग सांसद का घेराव कर रहे हैं, सांसद उनकी समस्याओं को सुन नहीं रहे हैं तो लोगों ने मतदान के बहिष्कार का बैनर सोसाइटियों में लगा दिया। ग्रेनो वेस्ट के लोगों का मिजाज जानने के लिए कुछ लोगों से **देशबन्धु के प्रतिनधि** ने बातचीत किया। आखिर लोगों की क्या समस्या है, किस मुद्दे पर लोकसभा में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, देश में कैसी सरकार चाहिए...। कई लोगों ने कहा कि हमारी मजबूरी है प्रतिनिधि को चुनना, हमारे पास कोई विकल्प नहीं है, तो कई लोगों ने कहा कि हमारा प्रतिनिधि ऐसा हो जो हम लोगों के साथ बैठे और समस्याओं का निराकरण करे। वहीं कुछ लोगों ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि होना चाहिए, राष्ट्र हित पर सभी को मतदान करना चाहिए।

ग्रेनो वेस्ट की सबसे ज्वलंत मुद्दा रजिस्ट्री रहा है, कई सोसाइटी के लोग मतदान का विरोध कर रहे हैं, लोगों की स्थानीय समस्या है, जिसमें पब्लिक परिवहन की समस्या है, सांसद किसी की सुन नहीं रह रहे हैं। क्षेत्र में मेट्रो नहीं आ रहा है। विधायक जी गायब रहते हैं तो सांसद को पकड़ रहे हैं। विरोध होने के कारण सोसाइटी में नहीं आ रहे हैं।

-दीपांकर, कुमार, पंचशील ग्रीन्स 2 निवासी

हमारे पास कोई विकल्प नहीं है, मजबूरी है, केन्द्र को देखकर मतदान करेंगे। ग्रेनो वेस्ट का कोई विकास नहीं हो रहा है, वायर्स की कोई सुनता नहीं है, रजिस्ट्री हमारी हो नहीं रही है, सरकार समस्या समाधन के लिए आगे नहीं बढ़ रहा है। क्षेत्र में हास्पिटल नहीं बन रहे हैं, सरकारी स्कूल नहीं बन रहे हैं, नाले नहीं ढक रहे हैं। फुट ओवर ब्रिज अधिक से अधिक बनना चाहिए, ओवर ब्रिज बनना था स्कूल के सामने बन गया अस्पताल के सामने।

-रंजना भारद्वाज, ग्रेनो वेस्ट

वोट आलू प्याज सस्ता करने या फ्री के बिजली पानी या किसी लालच के लिए नहीं दिया जाता वोट दिया जाता है, समस्त देशवासियों की खुशहाली के लिए, देश की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, विकास और नौकरी के लिए, वोट करें और अपने जीवन में बदलाव लाएं। सही उम्मीदवार को वोट दें जो देश की गरिमा को बढ़ाए। एक वोट की ताकत को पहचानिए और अपने मताधिकार सही का प्रयोग कीजिए।

-भावना गौड़, ग्रेनो वेस्ट

हमें ऐसी सरकार चाहिए जो कि राष्ट्र को प्रगति के पथ पर ले जाने के साथ-साथ स्थानीय समस्याओं पर भी विशेष ध्यान दे। हमारे ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रजिस्ट्री और सार्वजनिक परिवहन की कमी प्रमुख समस्या है, जिसका समाधान जल्द से जल्द होना चाहिए।

-रोहित मिश्रा, ग्रेनो वेस्ट

इस बार हमारा मतदान ऐसे जनप्रतिनिधि को जो हमारे साथ बैठ कर हमारी समस्याएं समझे और उसके लिए हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर संभव कोशिश करे। इस बार मतदान सार्वजनिक परिवहन, रजिस्ट्री, श्मशान, रामलीला मैदान, और यातायात के लिए होगा।

-दिनकर पाण्डेय

सरकार ऐसी हो जो पब्लिक के साथ मिलकर कार्य करे ,पब्लिक को प्रोटेस्ट ना करना पड़े, बेसिक सुविधा के लिए भी प्राधिकरण सुनती नही है और नेता भी अगर ना सुने तो जनता कहां जाएं, जनता 5 साल के लिए जनप्रतिनिधि चुनती है। नेता को चाहिए जनता से रूबरू होते रहें, चुने जाने के बाद भी ना की सिर्फ चुनाव के ही समय।

-राजकुमार, ग्रेनो वेस्ट

विश्व टीकाकरण सप्ताह आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल(देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा के बाल रोग विभाग ने कम्युनिटी मेडिसिन विभाग (सामुदायिक चिकित्सा विभाग) के सहयोग से संस्थान में विश्व टीकाकरण सप्ताह 2024 विषय पर सतत चिकित्सा कार्यक्रम का (सीएमई) का आयोजन किया। इस वर्ष विस्तारित टीकाकरण कार्यक्रम (ईपीआई) ने 50 गौरवशाली वर्ष पूरे किए। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. सौदान सिंह एवं निदेशक डॉ. ब्रिगे. राकेश गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, संकायाध्यक्ष डॉ. रम्भा पाठक व बाल रोग विभागाध्यक्ष, डॉ. अनीता कुमारी ने संयुक्त रूप से मॉं सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रजज्वलित कर किया।

सीएमई की शुरुआत डॉ. अनीता कुमारी (एचओडी, बाल रोग विभाग) द्वारा दिए गए स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने ईपीआई में हासिल किए गए मील के पत्थर और टीकाकरण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। सीआईएपी की संयुक्त सचिव डॉ. रुचिरा गुप्ता द्वारा एक बहुत ही जानकारीपूर्ण अतिथि व्याख्यान दिया गया। उन्होंने आदर्श वैक्सीन की आवश्यकता पर जोर दिया और स्वास्थ्य देखभाल

कर्मियों और डॉक्टरों को नए टीकों के बारे में बताया। इसके बाद कैंसर की रोकथाम के लिए टीके के बारे में आईसीएमआर के क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी के ई-डिवीजन की वैज्ञानिक प्रोफेसर डॉ. एकता गुप्ता ने सबसे स्पष्ट बातचीत की।

संस्थान के निदेशक डॉ. ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता ने बच्चों के साथ-साथ वयस्कों में भी वैक्सीन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जीआईएमएस ग्रेटर नोएडा में पूरे सप्ताह वैक्सीन की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. सौदान सिंह ने टीकाकरण की वर्तमान स्थिति और आगे की राह पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ रंभा पाठक, डीन और प्रोफेसर और एचओडी सामुदायिक चिकित्सा द्वारा दिया गया।

अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को कुचला, हुई मौत

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल(देशबन्धु)। सूरजपुर साइट सी औद्योगिक क्षेत्र में सड़क किनारे पैदल चल रहे एक व्यक्ति को अज्ञात बातें कुचल दिया हादसे में व्यक्ति की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई आरोपी चालक वाहन लेकर मौके से भाग गया।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक साइट सी स्थित एक कंपनी के सुरक्षा गार्ड शिवराम सिंह ने पुलिस को सूचना दी थी कि किसी अज्ञात वाहन ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को नजदीक के अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव की पहचान का प्रयास किया, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

NAME CHANGE

I Sonia Nagpal w/o Tarun Nagpal R/o Flat No. 2061, ATS Dolce Apartment, Sector Zeta 1, Greater Noida, uttar pradesh - 201310 have changed my name from Sonia Nagpal to Sonia Setia. Henceforth I would be known by the name of Sonia Setia for a future purposes.

बच्चे माता-पिता को मतदान के लिए करेंगे प्रेरित

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल(देशबन्धु)। 'मम्मी पापा बाद में काम, पहले आप करो मतदान' का संदेश लेकर बुधवार को मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत उच्च प्राथमिक व प्राथमिक विद्यालय तुगलपुर के बच्चों तथा शिक्षकों के साथ स्वीप कॉडिनेटर शबनम अधाना दिशा चौधरी और धीरज कुमारी ने बच्चों को मतदान का महत्व समझाया। घर जाकर बच्चे अपने अभिभावकों को प्रेरित करें कि 26 अप्रैल को वे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। इसमें प्राथमिक शिक्षक संघ के मांडलिक अध्यक्ष मेघराज भाटी, संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, उ. प्र. विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम किशन शर्मा, अरविंद शर्मा एवं समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा

समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें

खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता

फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु

समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें

क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा

Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises

सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता

Mob.: 9910280173

Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

हनुमान जन्मोत्सव पर द्वितीय अरणी मंथन 21 कुण्डीय यज्ञ आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल(देशबन्धु)। हर साल की भॉंति इस बार भी श्री बालाजी मानव सेवा समिति द्वारा द्वितीय अरणी मंथन 21 कुण्डीय यज्ञ विगत कई वर्षों से श्री बालाजी मानव सेवा समिति विभिन्न सामाजिक कार्यों जैसे साधन विहीन कन्याओं की शादी से लेकर आर्थिक दृष्टि से कमजोर परिवारों में कपड़े, बच्चों को स्कूल ड्रेस, कॉपी किताब का वितरण एवं सनातन को जानें बाल संस्कार केन्द्र, जगह जगह मुफ्त चिकित्सालय कैम्प आदि कार्यों को पूरी गंभीरता से कर रही है। इसी कड़ी में हर साल की तरह इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम से ग्रेटर नोएडा के गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर गामा -1 ग्रेटर नोएडा में मनाया गया। श्री बालाजी मानव सेवा समिति के संस्थापक सतेन्द्र राघव ने बताया कि हम अपनी संस्था के माध्यम से समाज के उत्थान के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्य कर रहे है। इन सभी कार्यों के साथ साथ संस्था का मुख्य उद्देश्य मेंहदीपुर श्री बालाजी महाराज की कृपा से ग्रेटर नोएडा के पावन धरा पर एक भव्य व दिव्य बाबा धाम संकट मोचन शक्ति पीठ की स्थापना करने का संकल्प है, जिसमे संस्था के सभी पदाधिकारी इस

लक्ष्य के साथ पूर्णरूप से कृतसंकल्पित कार्यरत है।

संस्था के अध्यक्ष मनोज सिंघल ने कहा कि मन्दिर कार्य हेतु सकारात्मक प्रयास चल रहा है और वो दिन दूर नहीं है जब अपने शहर ग्रेटर नोएडा में श्री बालाजी महाराज का भव्य मन्दिर निर्माण शीघ्र शुरु होगा।

हनुमान जन्मोत्सव में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ मेरठ प्रांत सह सम्पर्क प्रमुख वेदपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस कलयुग कलिकाल में हनुमान जी महाराज की ही साक्षात शक्ति है और समाज कल्याण के लिए कार्य कर रही है हनुमान जी महाराज इस कलयुग के प्रधान देवता हैं और वह त्रेता युग से लेकर कलयुग के अंत तक इस धरती पर रहने वाले हैं।

श्री हनुमान जन्मोत्सव शोभा यात्रा के साथ भजन संध्या का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। डेल्टा-एक पीपल महादेव मंदिर के प्रांगण में श्री हनुमान जन्मोत्सव सेवा समिति ग्रेटर नोएडा के सौजन्य से पहले शोभा यात्रा निकाली गई, जो अल्फा-वन से शुरु हुई और बीटा-एक बीटा-2 गामा-2 डेल्टा-2 अन्य सेक्टर में होते हुए डेल्टा वन पहुंची। श्री हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम शाम 4 बजे से शुरु होकर रात 1-30 बजे तक चला। जिसमें

कलाकारों ने हनुमान जी का गुणगान किया जिसमें डेल्टा वन डेल्टा 2 अल्फा 1 अल्फा 2 आसपास के सेक्टरवासी वहां पहुंचे भंडारे का प्रसाद लिया। कार्यक्रम केमुख्य आयोजक संवार मल गोयल, संजय अग्रवाल, गौरव गर्ग, लाला विजय अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, आशीष बंसल, राहुल अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की 54वीं बोर्ड बैठक दिनांक 14.12.2015 में लिये गये निर्णय के क्रम में ग्राम सालारपुर व ग्राम मूँजखेडा में तहसीलदार, वजीराबाद, जिला गुडगांव, हरियाणा से प्राप्त वारिसान प्रमाण पत्र दिनांक 20.12.2023 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है-

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सालारपुर	698 721 723	श्री विकास पुत्र स्व0 श्री धर्मपाल नि0 ग्राम बालियावास, गुरूग्राम हरियाणा - 122003	श्रीमती मुकेश निकिता श्री जोन्टी शालू	माता पुत्री पुत्र पुत्री	56 वर्ष 22 वर्ष 20 वर्ष 18 वर्ष	
2	मूँजखेडा	632					

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड, व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 516/एस0टी0/एस0डी0एम0/2022 दिनांक 28.03.2022, मृतक स्व0 दलसिंह पुत्र सुखपाल नि0 ग्राम अट्टा गुजरान तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 03.08.2019 को हो चुकी है जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग वर्षो में	मृतक से संबंध
अट्टा गुजरान	203 204	स्व0 दलसिंह पुत्र श्री सुखपाल नि0 अट्टा गुजरान व तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	पवन कुमार	42	पुत्र
			नागेश कुमार	36	पुत्र
			श्रीमती हेमवती	42	पुत्री विवाहित
			श्रीमती नीरज	38	पुत्री विवाहित
			श्रीमती उषा	31	पुत्री विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, गुरुवार 25 अप्रैल 2024
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

लोगों की जान से खिलवाड़

भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने बुधवार 24 अप्रैल को अखबारों में एक बार फिर विज्ञापन देकर अपना माफीनामा छपवाया है। इस माफीनामे में आचार्य बालकृष्ण और स्वामी रामदेव ने माफी मांगते हुए कहा है कि, भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण के संदर्भ में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों/आदेशों का पालन न करने अथवा अवज्ञा के लिए हम वैयक्तिक रूप से, साथ ही कंपनी की ओर से बिना शर्त क्षमायाची हैं। हम विगत 22.11.2023 को बैठक/संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने के लिए भी क्षमाप्रार्थी हैं। हम अपने विज्ञापनों के प्रकाशन में हुई गलती के लिए भी ईमानदारी से क्षमा चाहते हैं और पूरे मन से प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं कि ऐसी त्रुटियों की पुनरावृति नहीं होगी।

पतंजलि आयुर्वेद लि. की ओर से ऐसा ही माफीनामे का विज्ञापन पहले भी देश के 67 अखबारों में प्रकाशित हुआ था, ऐसी जानकारी पतंजलि की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने अदालत में दी थी। लेकिन जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की खंडपीठ ने विज्ञापन के आकार पर असंतोष जताया था। क्योंकि स्वामी रामदेव की तरफ से जब अपनी दवाओं का प्रचार किया जाता रहा, तो विज्ञापनों का आकार काफी बड़ा होता था। लेकिन जब यह साबित हो गया कि ये विज्ञापन गलत जानकारी दे रहे थे और उपभोक्ताओं को गुमराह कर रहे थे, तो उस गलती के लिए माफी मांगने में कहीं न कहीं कृपणता दिखाई गई, जिस ओर अदालत ने ध्यान दिलाया। जिसके बाद स्वामी रामदेव ने अपनी कंपनी की ओर से थोड़े बड़े आकार के विज्ञापन में माफी मांगी, हालांकि आयुर्वेदिक दवाओं के विज्ञापन में जिस तरह उनकी बड़ी सी तस्वीर दिखाई देती रही है, वह इस माफीनामे में गायब है।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले मंगलवार को भ्रामक विज्ञापन प्रसारित और प्रकाशित करने के लिए रामदेव के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी कटघरे में खड़ा किया है। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स नियम 1945 को लागू करने में विफलता पर केंद्र सरकार से सवाल किया है। दरअसल आयुष मंत्रालय ने 2023 में सभी राज्य सरकारों को एक पत्र भेजकर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 के नियम 170 के तहत कोई कार्रवाई नहीं करने को कहा था। इसी पर अदालत ने अब कड़े सवाल पूछे हैं, जिसका जवाब अब केंद्र सरकार की ओर से आना बाकी है। वहीं अब मामले पर अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी, लेकिन अब तक सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों को लेकर जो सख्ती दिखाई है, उससे यह उम्मीद बंधी है कि जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ करने के इस खुले खेल पर थोड़ी रोक लगेगी। क्योंकि इस मैदान में रामदेव जैसे और बहुत से खिलाड़ी अब भी बाकी हैं।

यह विडंबना ही है कि सरकार की नाक के नीचे जनता की जान को जोखिम में डाला गया, कभी आयुर्वेद के नाम पर, कभी दवाओं के नाम पर कभी मसालों के नाम पर। स्वामी रामदेव का मामला अभी अदालत में चल ही रहा है कि इस बीच एक चौंकाने वाली खबर आई है हॉंगकॉंग से, जहां के खाद्य नियामक प्राधिकरण सेंटर फॉर फूड सेफ्टी ने कहा कि एमडीएच के तीन मसाले- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला और करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर और इनके साथ एवरेस्ट के फिश करी मसाला में 'कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड' है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को 'समूह 1 कार्सिनोजेन' के रूप में क्लासीफाई किया है। इसका मतलब भारत की दो शीर्ष मसाला बनाने कंपनियां एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों में कैंसर पैदा करने वाले तत्व शामिल हैं, ऐसी चेतावनी हॉंगकॉंग ने दी है। सिंगापुर में भी इन उत्पादों पर प्रतिबंध लग चुका है। यह खबर भारत के लिए शर्मनाक और चिंताजनक है। क्योंकि इस खबर में भारत की उन दो कंपनियों का नाम शामिल है, जिनके मसाले तकरीबन हर घर में रोजाना इस्तेमाल होते हैं और इसके अलावा सौ से ज्यादा देशों में इन कंपनियों के मसाले बिकते हैं। ब्रांड शब्द के साथ उपभोक्ताओं का भरोसा जुड़ा होता है, इसलिए जब सवाल सेहत और स्वाद दोनों का हो, तो खुले में बिकने वाली खाद्य सामग्री या मसालों को न लेकर, कुछ ज्यादा कीमत चुकाकर उपभोक्ता जाने-माने ब्रांड्स के उत्पाद खरीदता है। अगर इसमें भी मिलावट या हानिकारक तत्व निकलें तो फिर किस पर भरोसा किया जाए।

एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर विदेशों में लगे प्रतिबंध के बाद अब भारतीय मसाला बोर्ड ने कहा है कि वह इस प्रतिबंध की जांच कर रहा है, वहीं फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच के मकसद से देश भर से एमडीएच और एवरेस्ट सहित पाउडर के रूप में सभी ब्रांडों के मसालों के नमूने लेना भी शुरू कर दिया है। लेकिन इस कवायद का क्या नतीजा निकलेगा, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। क्योंकि सवाल एक-दो पैकेट का नहीं, कई टन मसालों का है। यह विचारणीय है कि हॉंगकॉंग के खाद्य सुरक्षा नियामक के परीक्षण में मसालों में जो गड़बड़ी पकड़ाई, वह भारत में क्यों नहीं पकड़ी जा सकी। क्या भारत और विदेशों में भेजे जाने मसालों में फर्क होता है या हमारी जांच प्रक्रिया और हॉंगकॉंग, सिंगापुर की जांच प्रक्रिया में कोई फर्क है। एक अहम सवाल यह भी है कि क्या इस गड़बड़ी के पीछे कोई कारोबारी प्रतिद्वंद्विता या साजिश का कोण भी शामिल है। क्योंकि कई बार कारोबार में आगे निकलने के लिए दूसरी कंपनी के उन्हीं उत्पादों में गड़बड़ी दिखाई जाती है। करीब 12 साल पहले भारत में मैगी नूडल्स में मिलावट की खबरें एकाएक आई थीं, जिससे उसके कारोबार पर काफी फर्क पड़ा था। हाल ही में खबर आई थी कि नेस्ले कंपनी जो बेबी फूड यानी शिशुओं के खाद्य सामग्री बेचती है, उसमें चीनी मिली होती है। सरकार अब इसकी जांच कर रही है, क्योंकि बेबी फूड में चीनी से शिशुओं की सेहत पर असर पड़ता है।

खाद्य सामग्री में मिलावट की बात हो या दवाओं के नाम पर जनता को गुमराह करने का मुद्दा हो, इन खबरों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। जैसे जहरीली शराब या नकली दवाओं से सीधे जान पर खतरा दिखता है, यह भी वैसा ही है, फर्क इतना ही है कि इसमें नुकसान का पता देर से चलता है। सरकार और अदालतें तो इस मामले में सख्ती दिखा ही रही हैं, लेकिन अब जनता को भी जागरुक होना पड़ेगा।

लहू बोलता भी है

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

भारत में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिसमें पहले चरण का मतदान पूरा हो चुका है और अब शुक्रवार 26 अप्रैल को दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर है। 1 जून को आखिरी चरण के वोट पड़ेंगे और तब तक इसी तरह चुनावी रैलियों, सभाओं, जुलूसों, रोड शो की गहमागहमी बरकरार रहेगी। भारत के नागरिकों के लिए यह गर्व की बात है कि हमारी लोकतांत्रिक निर्वाचन की परंपरा आजादी के 77 वर्ष बाद भी बरकरार है। इसका मतलब यह है कि आजाद भारत के सपनों को पूरा करने के लिए जो संविधान बनाया गया था, वो कारगर साबित हुआ है। इस संविधान में एक ओर नागरिक अधिकारों को अक्षुण्ण रखने के लिए सख्ती है, तो दूसरी ओर वक्त के साथ बदलाव करने के लिए लचीलापन भी है। इसलिए अगर इस आजादी और नागरिक होने के अधिकार को बचाकर रखना है, तो सबसे पहले संविधान को बचाना होगा।

इंडिया गठबंधन के नाम से इस बार जो विपक्षी मोर्चा तैयार हुआ है, उसका उद्देश्य भी संविधान को बचाना ही है। इसलिए अपने सारे मतभेदों और स्वार्थों को किनारे करके, 28 दल इस बार एक साथ चुनाव लड़ने उतरे हैं। इन सभी दलों के अलग-अलग घोषणापत्र हैं, मगर सबके मूल में संविधान की रक्षा और जनता को न्याय दिलाने की भावना दिखाई दे रही है। भाजपा इंडिया गठबंधन के बाकी दलों की चर्चा तो नहीं करती, लेकिन कांग्रेस के घोषणापत्र की चर्चा अब भाजपा के हर मंच से हो रही है। भाजपा के सबसे बड़े स्टार प्रचारक नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस का न्यायपत्र नाम से जारी घोषणापत्र पर पहले दिन से ही हमला शुरु कर दिया। सबसे पहले उन्होंने इसे मुस्लिम लीग की छाप वाला घोषणापत्र कहा। यह दांव कुछ दिन श्री मोदी चलते रहे, लेकिन इससे कांग्रेस को ही लाभ मिलने लगा। क्योंकि लोगों ने कांग्रेस के घोषणापत्र को और ध्यान से पढ़ना शुरु कर दिया कि इसमें ऐसे कौन से मुद्दे हैं, जिनमें मुस्लिम लीग की छाप नजर आ रही है। मगर नरेन्द्र मोदी जैसी नज़रें जनता को नहीं मिली, इसलिए वो मुस्लिम लीग का म इस घोषणापत्र में नहीं ढूंढ पाई। इसके बाद श्री मोदी ने दूसरे म का दांव चला, इस बार उन्होंने मंगलसूत्र को अपना हथियार बनाया।

राजस्थान के बांसवाड़ा में हुई रैली में श्री मोदी ने जनता को बताया कि कांग्रेस की नजर आपकी संपत्ति पर है और माताओं-बहनों के मंगलसूत्र को भी कांग्रेस छीन लेगी और जिनके ज्यादा बच्चे होते हैं, यानी मुसलमान उनमें बांट देगी। आचार संहिता के लिहाज से झूठ और नफरत वाले बयान देने के कारण श्री मोदी पर चुनाव आयोग को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, इसके बाद अलीगढ़ में श्री मोदी ने फिर से इसी तरह का बयान दिया और उसके बाद राजस्थान में फिर से कांग्रेस के घोषणापत्र, मंगलसूत्र, हनुमान चालीसा पढ़ने की आजादी, रामनवमी मनाने की छूट इन सबको लेकर नफरत का रिकार्ड उलट-पुलट कर बजाना जारी रखा। चुनाव आयोग के पास कांग्रेस समेत कई दलों ने शिकायतें दर्ज की, लेकिन सब व्यर्थ ही है, क्योंकि श्री मोदी पर कोई अंकुश लग ही नहीं रहा है।

मलहम लगाने की जगह डरा रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार आई तो मंगलसूत्र भी नहीं बचेंगे। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने श्री मोदी के इस दांव का जवाब देते हुए कहा कि मेरी दादी ने युद्ध के दौरान अपने जेवर दे दिए, मेरी मां का मंगलसूत्र इस देश के लिए कुर्बान हुआ। इस करारे जवाब के बाद भाजपा को बचाव का कोई रास्ता नहीं सूझा तो उसकी ट्रोल आर्मी के लोग सोशल मीडिया पर राजीव गांधी की शहादत का मखौल उड़ाने लगे। सोनिया गांधी की वे तस्वीरें जारी की जा रही हैं, जहां वे राजीव गांधी के साथ हैं, लेकिन उन्होंने मंगलसूत्र नहीं पहना है। प्रियंका गांधी की भी बिना मंगलसूत्र पहने तस्वीरें जारी हो रही हैं और उनसे हिंदू होने का प्रमाण मांगा जा रहा है।

> इंडिया गठबंधन के नाम से इस बार जो विपक्षी मोर्चा तैयार हुआ है, उसका उद्देश्य भी संविधान को बचाना ही है। इसलिए अपने सारे मतभेदों और स्वार्थों को किनारे करके, 28 दल इस बार एक साथ चुनाव लड़ने उतरे हैं। इन सभी दलों के अलग-अलग घोषणापत्र हैं, मगर सबके मूल में संविधान की रक्षा और जनता को न्याय दिलाने की भावना दिखाई दे रही है।

मंगलसूत्र छीनने का डर दिखाकर श्री मोदी ने महिलाओं के साथ भावनात्मक खेल खेलने की कोशिश की है। हालांकि इस बार भी म नाम का दांव उन पर उल्टा पड़ रहा है। क्योंकि इस देश की हजारों महिलाओं के मंगलसूत्र पहले नोटबंदी में छीन लिए गए, फिर कोरोना की मार से जब हजारों गृहस्थियां उजड़ गईं, तब मंगलसूत्र छीने गए। पुलवामा हमला या चीन की घुसपैठ की घटनाओं में सैनिक शहीद हुए और उनकी पत्नियों के मंगलसूत्र छीने गए। किसान आंदोलन के दौरान या कर्ज के बोझ के कारण जिन किसानों की जानें गईं, तब उनकी पत्नियों के मंगलसूत्र छीने गए। इस तरह दस साल में एक बार नहीं, बार-बार महिलाओं को इस दर्द से गुजरना पड़ा और अब नरेन्द्र मोदी उस पर माफी मांगने, अफसोस जताने या

यह सब एक तरफ भाजपा की अपने विरोधियों के लिए अपमानभरी निकृष्ट सोच का परिचायक है, तो दूसरी तरफ जनता को कठपुतलियों की तरह इस्तेमाल करने वाली मानसिकता का प्रदर्शन भी है। क्योंकि चुनावों में मुद्दे जनता के सरोकारों वाले होने चाहिए।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कृषि, सड़कें, पुल-पुलिया, यातायात, पक्के मकान, साफ-सुथरी सड़कें, नालियां, बिजली, सस्ता और अच्छा अनाज, लैंगिक समानता, काम के अवसर, उद्योग धंधों का विकास, सुरक्षित माहौल, कानून व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा, त्वरित न्याय ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर निरंतर काम करने की जरूरत है, तभी हम विकास के पायदान पर आगे बढ़ पाएंगे। अगर इन सुविधाओं तक आम आदमी की पहुंच आसान हो जाएगी, तो जीवनस्तर में भी सुधार आएगा। पंचायतों से लेकर विधानसभा और संसद तक इन्हीं मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों को चर्चा करने के लिए भेजा जाता है। लेकिन उससे पहले जरूरी है कि इन्हीं मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों का चुनाव भी हो। चुनावी प्रचार में शोर भी बुनियादी मुद्दों का होना चाहिए। मगर नरेन्द्र मोदी आभासी मुद्दों को खड़ा कर रहे हैं। भाजपा को इस झूठ को आगे बढ़ाने का मौका सैम पित्रोदा के एक बयान से और मिल गया।

इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने हाल ही में एक बयान दिया था कि, अमेरिका में इनहेरिटेंस टैक्स की व्यवस्था है। इसका मतलब है कि अगर किसी के पास 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति है तो उसके मरने के बाद बच्चों को केवल 45 फ़ीसदी संपत्ति ही मिलेगी और बाकी 55 फ़ीसदी सरकार ले लेगी।.. भारत में इस तरह की व्यवस्था नहीं है। लेकिन जब हम संपत्ति के पुनर्वितरण की बात करते हैं, तो हम नई नीतियों और नए तरह के प्रोग्राम की बात करते हैं जो जनता के हित में है न कि केवल अमीर लोगों के।

इस बयान पर भाजपा ने एक बार फिर डराना शुरु कर दिया कि कांग्रेस अगर आई तो आपकी 55 प्रतिशत संपत्ति ले लेगी। हालांकि सैम पित्रोदा ने कह दिया है कि उन्होंने केवल अमेरिकी कानून का जिक्र किया था, उन्होंने यह नहीं कहा था कि भारत में लोगों के मरने के बाद उनकी 55 प्रतिशत संपत्ति सरकार ले लेगी। सैम पित्रोदा ने कहा कि यह गोदी मीडिया का खेल है, जो मेरी बात को गलत तरीके से पेश कर रही है। जाहिर है भाजपा या उसका समर्थक मीडिया सैम पित्रोदा के इस स्पष्टीकरण को जनता तक पहुंचने से रोकेगा। क्योंकि फिर उसका खेल जनता के सामने आ जाएगा।

बहरहाल, नरेन्द्र मोदी ने बातों, बयानों और घटनाओं को आधे सच, आधे झूठ के साथ जनता के बीच परोसने का जो खेल शुरु किया है, उसमें अगर झूठ की जीत हो गई, तो फिर लोकतंत्र की हार हो जाएगी। अब सारा दारोमदार जनता पर ही है कि वह हंस की तरह नीर-क्षीर विवेक से काम ले। वैसे सच भी देर-अबेर सामने आ ही जाएगा। शायर इकबाल अज़ीम ने फरमाया है-

क़ातिल ने किस सफ़ाई से धोई है आसतीं,
उसको ख़बर नहीं कि लहू बोलता भी है।।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2024 में चुनाव प्रचार का एक प्रमुख उपकरण

■ कल्याणी शंकर

2024 के लोकसभा चुनावों में गेम-चेंजरआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने पारंपरिक अभियान रणनीतियों में क्रांति ला दी है। पांच साल के अंतराल के बाद उम्मीदवारों द्वारा व्यक्तिगत रूप से मतदाताओं के घरों का दौरा करने और चाय पर बातचीत करने के युग का अन्त हो रहा है तथा तकनीकी रूप से अधिक उन्नत चुनाव अभियान का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

2014 के चुनाव में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, एआई के आगमन और भारत के 2024 के चुनावों में डीपफेक वीडियो के संभावित दुरूपयोग ने एक नया आयाम प्रदान किया है। सच और झूठ के बीच की रेखाओं को धुंधला करने में सक्षम ये वीडियो चुनावी प्रक्रिया के विश्वास और अखंडता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को एआई की ताकत समझ में आ गई है। वे मतदाता डेटा का विश्लेषण करने के लिए एआई का उपयोग करते हैं, जिससे उन्हें प्रभावी अभियान रणनीति विकसित करने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर मतदाताओं से जुड़ने के लिए एआई-संचालित चैटबॉट और आभासी सहायकों को तैनात किया गया है, जो उनके प्रश्नों और चिंताओं का वास्तविक समय पर जवाब प्रदान करते हैं।

> एआई के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन सकारात्मक बदलाव के लिए इसकी क्षमता को पहचानना महत्वपूर्ण है। कुछ एआई-जनित प्रौद्योगिकियों में हमारे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने की शक्ति है। जैसे-जैसे इन तकनीकों को व्यापक स्वीकृति मिलती है, वे ई-चुनावों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं, एक ऐसा भविष्य जहां चुनाव ऑनलाइन आयोजित किये जायेंगे।

एआई तकनीक का उपयोग चुनाव प्रक्रियाओं में कई तरह से मदद कर सकता है: एआई चुनाव परिणामों की भविष्यवाणी कर सकता है, एआई चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट वर्चुअल मीडिया के साथ संवाद कर सकते हैं, और एआई चुनाव धोखाधड़ी को रोक सकता है और राजनीतिक विज्ञापन अभियान में वित्त सम्बंधी नियमों के उल्लंघन को नियंत्रित कर सकता है।

राजनीतिक दल अब व्यक्तिगत मतदाताओं के लिए अपनी कॉल को अनुकूलित कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से उनके विरोधियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है। भारत में 50 फीसदी से अधिक आबादी इंटरनेट का उपयोग करती है, जो 2025 तक बढ़कर 900 मिलियन हो सकती है। भारत में आगामी चुनाव से 500 करोड़ रुपये का बाजार उत्पन्न होने की उम्मीद है।

राजनीतिक दल सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा ने पिछले साल के राज्य चुनावों में एआई का इस्तेमाल किया, तथा पहली बार राजनीतिक प्रचार में झूठे वीडियो और पैरोडी का इस्तेमाल किया गया। भाजपा, कांग्रेस, आप, डीएमके और एआईएडीएमके जैसी पार्टियां अपने समर्थकों से जुड़ने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल करती हैं। उदाहरण के लिए, भाजपा पीएम मोदी के भाषणों का आठ क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने के लिए एआई का उपयोग करती है। हालांकि, कुछ प्रचारक गलत सूचना फैलाने के लिए डीपफेक सहित एआई-जनित वीडियो का दुरुपयोग करते हैं। ये वीडियो18-25 आयु वर्ग को लक्षित हैं और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर साझा किये जा रहे हैं।

भारत में राजनीतिक पार्टियां मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करती हैं। वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक मॉर्फ्ड तस्वीर साझा की। वहीं दूसरी ओर भाजपा ने इंस्टाग्राम पर राहुल गांधी का झूठा वीडियो पोस्ट किया। तमिलनाडु में डीएमके और एआईएडीएमके पार्टियों ने इस चुनाव में मतदाता समर्थन के लिए अपने मृत नेताओं की रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल किया। एक वीडियो में एआईएमआईएम पार्टी के नेता असदुद्दीन ओवैसी को हिंदू भक्ति गीत गाते हुए दिखाया गया है। अखिलेश यादव, नवीन पटनायक और ममता बनर्जी जैसे क्षेत्रीय नेताओं ने भी मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इसी तरह के उपकरण लागू किये।

दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई का उपयोग एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। उन्नत एआई के साथ, मतदाताओं या उम्मीदवारों सहित किसी का भी प्रतिरूपण करना संभव हो गया है, जिससे पहचान की चोरी हो सकती है और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर हो सकता है। यह निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमों की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिससे दर्शकों को संभावित जोखिमों और उन्हें संबोधित करने के महत्व के बारे में अधिक जानकारी मिलती है, जिससे सतर्कता की भावना पैदा होती है।

राजनीतिक अभियानों में एआई का उपयोग गोपनीयता और अनुचित प्रतिस्पर्धा और गलत सूचना की संभावना के बारे में वैध चिंताएं पैदा करता है। सरकारों को निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए एआई के उपयोग को विनियमित करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। आईटी मंत्री ने पहले ही सोशल मीडिया कंपनियों को चेतावनी जारी कर दी है, जिससे दर्शकों में चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा और अखंडता के बारे में विश्वास पैदा हुआ है।

चुनाव आयोग को 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एआई-जनित जानकारी को विनियमित करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए। इन दिशानिर्देशों को अभियानों और मतदाता डेटा विश्लेषण में नैतिक एआई उपयोग पर ध्यान देना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाये रखने, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने और निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम आवश्यक हैं। इन विनियमों के बिना, चुनाव परिणामों की वैधता पर संदेह हो सकता है।

हालांकि एआई के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन सकारात्मक बदलाव के लिए इसकी क्षमता को पहचानना महत्वपूर्ण है। कुछ एआई-जनित प्रौद्योगिकियों में हमारे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने की शक्ति है। जैसे-जैसे इन तकनीकों को व्यापक स्वीकृति मिलती है, वे ई-चुनावों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं, एक ऐसा भविष्य जहां चुनाव ऑनलाइन आयोजित किये जायेंगे, जिससे अधिक पारदर्शी और जवाबदेह चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित होगी। सकारात्मक बदलाव की यह संभावना आशावाद और आशा को प्रेरित करेगी और दर्शकों को चुनावों के भविष्य के बारे में आश्वस्त करेगी।

बिहार चुनाव के दौरान, चुनाव आयोग ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने और हेरफेर को रोकने के लिए एआई-संचालित प्रणाली का उपयोग किया। सिस्टम का पता चला और गलत सूचना और घृणास्पद भाषण के मामलों को चिह्नित किया, मतगणना प्रक्रिया में तेजी लाई और चुनाव के दौरान घृणास्पद भाषण पर अंकुश लगाया। यह दर्शाता है कि एआई का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है और मतदाताओं में विश्वास पैदा किया जा सकता है।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या विधिनिर्माता मुख्य रूप से अपने एआई अभियान की सफलता या विफलता के आधार पर जीत या हार सकते हैं। भोले-भाले मतदाताओं को आसानी से मूर्ख बनाया जा सकता है। तकनीकी प्रगति महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती है, और एआई कोई अपवाद नहीं है।

पावन प्रसंग

मितव्ययी बनें, आय-व्यय का संतुलन बनाएं

पारिवारिक बंधन का महत्वपूर्ण पहलू धन है। इसी के आधार पर घर की सारी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। देखा जाए तो परिवार की सर्वाधिक शक्ति का उपयोग अर्थोपार्जन में ही जाता है। पुराने जमाने की बात नहीं करें। लेकिन जब से महंगाई ने अपना मुंह बड़ा किया है, तब से परिवार के परिजनों का जीवनयापन बड़ी कशमकशपूर्ण परिस्थिति में होने लगा है, क्योंकि आय के स्रोत सीमित हैं- महंगाई आय के अनुपात से अधिक बढ़ गई है। इस कारण घर खर्च पूरा नहीं पड़ता है। दूसरी ओर शान-शौकत के मूल्यों ने जीवन को विलासी बना दिया है। इन मूल्यों को पूरा करने के लिए परिवार के बजट का अधिकांश भाग खर्च होने लगा है। प्राथमिक आवश्यकता रोटी पर आजकल बहुत कम व्यय होता है। कपड़ा और अन्य विलासी सामानों पर भारी व्यय होने से परिवार के सामने अर्थ समस्या हर घड़ी बनी रहती है। इसकी पूर्ति के लिए परिवार के हर परिजन को कुछ-न-कुछ प्रयत्न भी करने पड़ते हैं।

परिवारों में शान-शौकत के पीछे एक दृष्टिकोण पनप गया है कि बढ़िया फर्नीचर, कीमती वस्तुओं टेलीफोन, फ्रीज आदि द्वारा रिश्तेदारों में और अपने संपर्क के लोगों पर अपना प्रभाव डाले रखना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि उनका परिवार दूसरों के सामने हीन समझा जाए। चाहे पति हो या पत्नी घर में इनमें से कोई एक भी इस शान-शौकत से भरी झूठी जिंदगी का हामी रहा तो घर में बड़ी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।

विलासी वस्तुओं को अल्प वेतन में तो नहीं खरीद पाता है। अस्तु, वह इन शान-शौकत की वस्तुओं को उधार खरीदने लगता है। इसका परिणाम होता है कि वेतन का दो-तिहाई हिस्सा उधार ब्याज पूरा करने में ही खर्च हो जाता है। शेष वेतन में पत्नी घर का खर्च कैसे चलाए, क्योंकि घर में अच्छा भोजन, अच्छा साधारण रहन-सहन तथा अच्छा वातावरण इन तीनों की पूर्ति के लिए कुछ-न-कुछ वेतन का अधिक भाग व्यय करना पड़ता है। वह सब किस्तों की पूर्ति में खर्च हो जाता है। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा आदि भी होते रहते हैं। किंतु किया क्या जाए?

शान-शौकत भी रखी जा सकती है, किंतु इसका क्रम में रोटी, कपड़ा, मकान आदि के पश्चात आता है। यदि इन पर खर्च होने के बाद कुछ बचता है, तो शान-शौकत इतनी ऊंची भी न हो कि हैसियत की चादर को ही फाड़ डाले। फिर वक्त जरूरत के लिए बचत का भी बजट रहना चाहिए। घर की अनिवार्य आवश्यकताओं के पश्चात कीमती वस्तुएं परिवार के उपयोग में आने वाली हैं, तो किस्तों की अपेक्षा मासिक बचत करके कुछ महीनों के बाद कीमत चुकाकर ही खरीदना अधिक लाभदायक है क्योंकि किस्तों में तो दुकानदार ब्याज-बट्टा खाता आदि सभी गुंजाइश रखकर किस्त बांधता है। अच्छा यही है कि आवश्यक वस्तुओं की ओर दृष्टि जानी चाहिए।

घर में उधार के कारण पत्नी, बच्चे तथा परिवार के परिजनों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बाहर चाहे शान-शौकत दिखाई देती है, किंतु मन के भीतर ऋण का भार कचोटता रहता है। इससे मानसिक अशांति बनी रहती है। इस अशांति का प्रक्षेपण बच्चों-पत्नी पर आए दिन हुआ करता है। कहना चाहिए पारिवारिक जीवन में अव्यवस्थित वातावरण तैयार हो जाता है। क्या ये शान-शौकत की कीमती वस्तुएं मानसिक शांति को दूर कर सकने में मदद कर सकती हैं। प्रदर्शन में दूसरों का अनुकरण न करें। सादगी को आदर्श मानकर अपनी क्षमता और आवश्यकता के अनुरूप खर्च करेंगे तो जीवन सुखी और संतुष्ट बनेगा।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

भौतिकवाद का परचम अदृश्य नैतिक सिद्धांत

आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से परे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे?

आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है। प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक, सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है। इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है। व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा है। समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है। उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि लोगों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है। सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है।

नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है। पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं कि पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और सामाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

अमेरिका में टिकटॉक पर लग सकता है प्रतिबंध

वाशिंगटन। अप्रैल (वार्ता) अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट ने एक विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत राष्ट्रीय सुरक्षा आशंकाओं के कारण टिकटॉक पर अमेरिका में प्रतिबंध लगाया जा सकता है। यह विधेयक जल्द ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के पास भेजा जायेगा, जिन्होंने अपने डेस्क पर पहुंचते ही इस पर हस्ताक्षर करने का संकल्प ले रखा है। इस विधेयक के तहत टिकटॉक के चीनी मालिक बाइटडांस को अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए नौ महीने का समय दिया गया है, अन्यथा ऐप को अमेरिका में ब्लॉक कर दिया जाएगा। प्रतिनिधि सभा से मंजूरी मिलने के बाद यह विधेयक सीनेट में पहुंच गया है।

संयुक्त राष्ट्र गाजा पट्टी में सामूहिक कब्र पाए जाने पर चिंतित

संयुक्त राष्ट्र, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख ने बुधवार को गाजा पट्टी के नासिर और अल-शिफा अस्पताल नष्ट होने और सामूहिक कब्रों की रिपोर्टों पर गहरी चिंता जतायी। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी वोल्कर तुर्क ने इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के दौरान नासिर तथा अल-शिफा अस्पतालों के मरने वालों की निष्पक्ष जांच का आह्वान किया। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने नासिर में 283 शव निकाले हैं। इनमें से कुछ के हाथ बंधे हुए थे। यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी मृत्यु कैसे हुई या उन्हें कब दफनाया गया? इजराइल की सेना ने कहा कि शवों को दफनाने का जो दावा किया है वह निराधार है। लेकिन इसमें यह जरूर कहा गया कि फरवरी में खान यूनिस शहर के अस्पताल में दो सप्ताह के ऑपरेशन के दौरान, सैनिकों ने फिलिस्तीनियों द्वारा दफनाए गए शवों की उन जगहों पर जांच की, जहां खुफिया जानकारी ने बंधकों की संभावित उपस्थिति का संकेत दिया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह वर्तमान में फिलिस्तीनी अधिकारियों की रिपोर्ट की पुष्टि पर काम कर रहा है कि नासिर अस्पताल के मैदान में 283 शव पाए गए हैं, जिनमें से 42 की पहचान की जा चुकी है। श्री तुर्क ने कहा, इसमें अंतरराष्ट्रीय जांचकर्ताओं को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत विशेष सुरक्षा के हकदार हैं।

फिलीपींस में लू से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हुई

मनीला। फिलीपींस में इस साल एक जनवरी से 18 अप्रैल तक गर्मी से जनित बीमारियों के करीब 34 मामले सामने आये हैं और छह मौतों की पुष्टि हुयी है। फिलीपींस के स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीओएच के सहायक सचिव अल्बर्ट डोमिंगो ने कहा, मौत के कारणों की जांच की जा रही है। ये मामले मध्य फिलीपींस के मध्य विसायस क्षेत्र, उत्तरी फिलीपींस के इलोकोस क्षेत्र और दक्षिणी फिलीपींस के सोक्सक्ससर्जन क्षेत्र से हैं।

रूसी उप रक्षामंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत में लिया

मॉस्को, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। रूसी जांच समिति ने बताया कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप में

हिरासत में लिया गया है। रूसी जांच समिति ने टेलीग्राम पर कहा कि रूसी संघ के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 290 के भाग 6 (रिश्वत लेने) के तहत अपराध करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मामले में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, मामले में जरूरी जांच कार्रवाई की जा रही है क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत के बारे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सूचित कर दिया गया है। समाचार एजेंसी तास (टीएएसएस) के अनुसार, इवानोव को मई 2016 में उप रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। इस पद पर वह सशस्त्र बलों के लिए संपत्ति प्रबंधन, सेना की तैनाती, आवास और चिकित्सा सहायता के आयोजन के साथ-साथ राज्य रक्षा आदेश के तहत खरीद की देखरेख के प्रभारी थे।

दैनिक पंचांग

mypandit.com
24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 25 अप्रैल, 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 2

राशिफल

मेष - आज आप सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा का पात्र बनेंगे। धन लाभ के योग हैं। पारिवारिक जीवन में सुख और संतोष का अनुभव होगा। आज आप बौद्धिक चर्चा में हिस्सा ले सकेंगे।

वृषभ - आपका आज का दिन आनंदपूर्वक गुजरेगा। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। आपके काम निर्धारित समय पर पूरे होंगे। आर्थिक लाभ की संभावना है। पुराने छुटे अधूरे काम पूरे होंगे।

मिथुन - आपको जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। किसी भी प्रकार के वाद-विवाद या बौद्धिक चर्चा से आज दूर ही रहें। बातचीत में सावधानी रखें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

कर्क - आज मन में किसी बात की दुविधा रहेगी। आज ताज़गी का अभाव रहेगा। परिजनों के साथ विवाद होने की आशंका बनी रहेगी। धन का खर्च होगा तथा अपयश भी मिल सकता है।

सिंह - आज का दिन सुख-शांतिपूर्वक गुजरेगा। अपने भाई-बहनों के साथ सम्बंधों में निकटता का अनुभव करेंगे। उनका साथ भी आपको मिलेगा। किसी बात को लेकर इमोशनल बने रहेंगे।

कन्या - परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी, इससे आप अपना निर्धारित काम आसानी से पूरा कर सकेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी भी बौद्धिक और राजनीतिक चर्चा में आज भाग ना लें।

तुला - आप व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। आज कोई रचनात्मक काम में आप व्यस्त रह सकते हैं। शारीरिक और मानसिक रुप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। दृढ़ विचारों के साथ आप काम पूरा कर पाएंगे।

वृश्चिक - आज आप वाहन आदि के उपयोग में सावधानी बरतें। बातचीत में किसी के साथ कन्फ्यूजन हो सकता है। शारीरिक कष्ट और मानसिक चिंता से आप परेशान रहेंगे। आनंद-प्रमोद के पीछे विशेष खर्च होने की संभावना है।

धनु - आज का दिन आप के लिए लाभकारी है। गृहस्थ जीवन का आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ सुंदर स्थल पर जाने का कार्यक्रम बनेगा। आय में वृद्धि के योग है। भोजन अच्छा मिल सकता है।

मकर - आज आपको व्यापार में कोई लाभ हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन बहुत अच्छा बना हुआ है। मित्रों और सम्बंधियों से लाभ होगा। उनसे उपहार मिलने से आनंद होगा। पानी वाली जगहों से दूर रहें।

कुंभ - आप का आज का दिन मिश्रित फलदायी है। शारीरिक रूप से आप को अस्वस्थता का अनुभव होगा। शरीर में स्फूर्ति कम रहने के कारण कोई भी काम करने में आपकी रुचि कम रहेगी। अधिकारियों की अप्रसन्नता भी आपको अखरेगी।

मीन - आप का दिन मध्यम फलदायी है। अधिक परिश्रम वाले काम अभी टालें। आज हर काम में मानसिक और शारीरिक परिश्रम अधिक होगा। आकस्मिक धन लाभ के योग हैं। व्यापार में पुराना उधार का धन मिल सकता है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1678- फ्रांसीसी सेना ने वाइप्रेस शहर पर कब्जा किया।
1809- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और पंजाब के सिख शासक रणजीत सिंह के बीच अमृतसर संधि पर हस्ताक्षर किए गए। 1867- जापान की राजधानी टोक्यो में विदेशी व्यापार की अनुमति दी गई।
1954- बेल लैब्स ने न्यूयार्क में पहली बार सोलर बैटरी बनाने की घोषणा की।
1957- सोडियम परमाणु रिएक्टर पहली बार संचालित किया गया।
1960- अफगानिस्तान के नरेश अमानुल्लाह खान का निधन।
1968- 20वीं सदी के महान शास्त्रीय गायक और 'तानसेन' के नाम से मशूहर बड़े गुलाम अली का निधन।
1975- सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
1981- जापान के सुरूगा में परमाणु संयंत्र में मरम्मत कार्य के दौरान 100 से अधिक मजदूर परमाणु विकिरण का शिकार हुए।
1982- दिल्ली में टेलिविजन पर पहली बार रंगीन प्रसारण की शुरु हुआ।
1983- जर्मनी की पत्रिका 'स्टर्न' ने हिटलर की उस विवादास्पद डायरी को छापना शुरू किया।
1989- इथियोपिया में दिमागी बुखार से 20 हजार से ज्यादा लोगों की मौत। यह बीमारी सूडान तक फैली और वहां भी कम से कम 400 लोगों की मौत।
1969- भारत के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी आई. एम. विजयन का जन्म।
1999- वेस्टइंडीज के आल राउंडर खिलाड़ी कार्ल हूपर ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया।
2010- भारतीय नौसेना ने पुराने हो चुके चेतक हेलीकॉप्टरों की जगह लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर खरीदने की प्रक्रिया शुरू की। 2013- ब्रिटेन ने सोमालिया में अपना दूतावास 27 वर्ष के बाद दोबारा खोला।

संयुक्त राष्ट्र गाजा पट्टी में सामूहिक कब्र पाए जाने पर चिंतित

संयुक्त राष्ट्र, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख ने बुधवार को गाजा पट्टी के नासिर और अल-शिफा अस्पताल नष्ट होने और सामूहिक कब्रों की रिपोर्टों पर गहरी चिंता जतायी। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी वोल्कर तुर्क ने इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के दौरान नासिर तथा अल-शिफा अस्पतालों के मरने वालों की निष्पक्ष जांच का आह्वान किया। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने नासिर में 283 शव निकाले हैं। इनमें से कुछ के हाथ बंधे हुए थे। यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी मृत्यु कैसे हुई या उन्हें कब दफनाया गया? इजराइल की सेना ने कहा कि शवों को दफनाने का जो दावा किया है वह निराधार है। लेकिन इसमें यह जरूर कहा गया कि फरवरी में खान यूनिस शहर के अस्पताल में दो सप्ताह के ऑपरेशन के दौरान, सैनिकों ने फिलिस्तीनियों द्वारा दफनाए गए शवों की उन जगहों पर जांच की, जहां खुफिया जानकारी ने बंधकों की संभावित उपस्थिति का संकेत दिया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह वर्तमान में फिलिस्तीनी अधिकारियों की रिपोर्ट की पुष्टि पर काम कर रहा है कि नासिर अस्पताल के मैदान में 283 शव पाए गए हैं, जिनमें से 42 की पहचान की जा चुकी है। श्री तुर्क ने कहा कि इसमें अंतरराष्ट्रीय जांचकर्ताओं को शामिल किया जाना चाहिए।

दशकों में सबसे गंभीर खतरों का सामना कर रहे वैश्विक मानवाधिकार : एमनेस्टी

लंदन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। लंदन स्थित समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बुधवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि दुनिया भर में मानवाधिकार दशकों में सबसे गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं। संगठन ने गाजा और यूक्रेन में संघर्षों के साथ-साथ सत्तावादी सरकारों पर कहा

■ **दुनिया भर में मानवाधिकार दशकों में सबसे गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं**

कि वो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और मौलिक अधिकारों की उपेक्षा कर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहे हैं। एमनेस्टी के महासचिव एग्नेस कैलमार्ड ने कहा कि गाजा में नरसंहार को रोकने में उनके सहयोगियों की विफलता के चलते इजरायल लगातार अंतरराष्ट्रीय कानून की उपेक्षा कर रहा है। यूक्रेन पर रूस का आक्रामण, विश्व में सशस्त्र संघर्षों की बढ़ती संख्या और बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का उल्लंघन देखा गया है। उदाहरण के लिए, सूडान, इथियोपिया और म्यांमार में वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था के खत्म होने का खतरा है। कैलमार्ड ने कहा कि 2023 में हमने जो देखा वह पुष्टि करता है कि कई शक्तिशाली देश मानव अधिकारों की घोषणा में निहित मानवता और सार्वभौमिकता के संस्थापक मूल्यों को त्याग रहे हैं। अन्य बातों के अलावा, रिपोर्ट गाजा युद्धविराम के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को

महीनों तक बाधित करने के लिए अमेरिका द्वारा अपने वीटो के इस्तेमाल की आलोचना करती है। एक प्रेस विज्ञप्ति में एमनेस्टी ने कहा कि रिपोर्ट ब्रिटेन और जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों के विचित्र दोहरे मानकों को भी उजागर करती है, रूस और हमास द्वारा युद्ध अपराधों के बारे में उनके सुस्थापित विरोध को देखते हुए, साथ ही वे इस संघर्ष में इजरायली और अमेरिकी अधिकारियों की कार्रवाइयों का समर्थन करते हैं। वैश्विक मानवाधिकार स्थिति में गिरावट के लिए यूक्रेन में युद्ध का बहुत बड़ा योगदान है।

सिडनी चर्च में चाकूबाजी घटना के बाद छापे में सात नाबालिग गिरफ्तार

सिडनी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सिडनी के वेकले चर्च में पादरी को चाकू मारने के मामले के बाद बुधवार को एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया जिसमें पूरे सिडनी में सात नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) की डिप्टी कमिश्नर क्रिसी बैरेट ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में पुष्टि की, सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, सभी नाबालिग हैं, और अन्य पांच हमारी पूछताछ में पुलिस की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेकले चाकूबाजी मामले पर हमारी जेसीटीटी (संयुक्त काउंटर टेररिज्म टीम) जांच कर रही है। इस कड़ी में, हमने कथित अपराधी और उसके कुछ साथियों के नेटवर्क के बीच संबंधों की पहचान की है, जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे हिंसक विचारधारा वाले हैं। ऑपरेशन स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:15 बजे शुरू हुआ, जिसमें एएफपी और न्यू साउथ वेल्स पुलिस फोर्स (एनएसडब्ल्यूपीएफ) के 400 से ज्यादा अधिकारी शामिल थे। दक्षिण-पश्चिमी सिडनी में कुल 13 तलाशी वारंट एग्जीक्यूट किए गए हैं। एनएसडब्ल्यूपीएफ के डिप्टी कमिश्नर डेविड हडसन ने कहा कि 16 वर्षीय अपराधी की गिरफ्तारी के बाद कई सहयोगियों की पहचान की गई, जिन पर और अधिक ध्यान देने और जांच की आवश्यकता है।

अमेरिकी कांग्रेस ने यूक्रेन के लिए 61 अरब डॉलर की सहायता को दी मंजूरी

वाशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी कांग्रेस ने कई महीनों के इंतजार के बाद यूक्रेन के लिए 61 अरब डॉलर के सहायता पैकेज को आखिरकार मंजूरी दे दी है। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में विधेयक को मंजूरी दी गई थी। अब सीनेट ने 100 सीटों वाले ऊपरी सदन में 79 मतों के साथ विधेयक को मंजूरी दे दी। अब इस विधेयक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मंजूरी का इंतजार है। मतदान के तुरंत बाद बाइडेन ने कहा कि मैं इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दूंगा। कल जैसे ही यह मेरी मेज पर पहुंचेगा, मैं अमेरिकी लोगों को संबोधित करूंगा ताकि हम इस सप्ताह यूक्रेन को हथियार और उपकरण भेजना शुरू कर सकें। उन्होंने कहा कि वह इस सप्ताह यूक्रेन को हथियार और उपकरण पहुंचाना शुरू करना चाहते हैं। बिडेन ने कहा कि इजरायल और ताइवान के लिए अरबों डॉलर की सहायता का विधायी

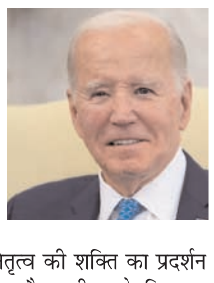

पैकेज पारित कर अमेरिकी कांग्रेस ने दुनिया में अमेरिकी नेतृत्व की शक्ति का प्रदर्शन किया है। हम लोकतंत्र और स्वतंत्रता के लिए तथा अत्याचार और उत्पीड़न के खिलाफ दृढ़ता से खड़े हैं। बाइडेन ने कहा कि रूस से लगातार बमबारी का शिकार हो रहे यूक्रेन को समर्थन की तत्काल आवश्यकता है। विधेयक में इजरायल के लिए सहायता भी शामिल है जिसने हाल ही में ईरान से अभूतपूर्व हमलों का सामना किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह महत्वपूर्ण कानून हमारे देश और दुनिया को और अधिक सुरक्षित बनाएगा। हम अपने उन दोस्तों का समर्थन करते हैं जो हमास जैसे आतंकवादियों और पुतिन जैसे अत्याचारियों के खिलाफ अपना बचाव कर रहे हैं। अमेरिकी सहायता पैकेज में सैन्य भंडार के लिए लगभग 23 बिलियन डॉलर का प्रावधान है, इसलिए पैसा अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन को जाएगा और अमेरिका में ही रहेगा।

दौरा | चीन की यात्रा पर पहुंचे अमेरिका विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन

चीन ने अमेरिका पर आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया

बीजिंग, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की चीन यात्रा से पहले बीजिंग ने वाशिंगटन पर उसके आंतरिक मामलों में बारम्बार दखल देने और हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंत्रालय के एक अनाम प्रतिनिधि के हवाले से कहा कि अमेरिका चीन को नियंत्रित करने की रणनीति को आगे बढ़ा रहा है, गलत शब्दों और कार्यों को अपना रहा है जो चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हैं, चीन की छवि को धूमिल करते हैं और चीन के हितों को कमजोर करते हैं।

ब्लिंकन की चीन यात्रा बुधवार को शुरू हो हुई। रिपोर्ट में कहा गया है, चीन इस तरह के कदमों का दृढ़ता से विरोध करता है और उसने मजबूत जवाबी कदम उठाए हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह सच है कि अप्रैल में चीनी सरकार के प्रमुख शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच आखिरी टेलीफोन बातचीत के बाद से संबंध स्थिर हो गए हैं, हालांकि द्विपक्षीय संबंधों में अभी भी महत्वपूर्ण नकारात्मक कारक हैं। मंत्रालय ने सबसे हालिया उदाहरण के रूप में, ब्लिंकन के आरोपों का हवाला दिया कि चीन इलेक्ट्रिक कारों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अत्यधिक उत्पादन के साथ वैश्विक बाजारों को भर रहा है। एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि यह

तथाकथित अतिक्षमता भ्रामक कहानी है... असली इरादा चीन के

■ **चीन इलेक्ट्रिक कारों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अत्यधिक उत्पादन के साथ वैश्विक बाजारों को भर रहा**

औद्योगिक विकास पर लगाम लगाना और अमेरिका को बाजार प्रतिस्पर्धा में अधिक लाभप्रद स्थिति में लाना है। यह पूरी तरह से आर्थिक दबाव बनाने का एक और उदाहरण है । ब्लिंकन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर शंघाई और बीजिंग जाने की योजना है। वाशिंगटन से प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत में संचार में सुधार और गलत निर्णयों तथा संघर्षों के जोखिम को कम करने पर ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। ब्लिंकन उन मुद्दों पर भी स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से अपनी बात रखने की योजना बना रहे हैं जो अमेरिका के लिए चिंता का कारण हैं - जैसे चीन की मानवाधिकार स्थिति, अनुचित आर्थिक और व्यापार प्रथाएं या रूस के रक्षा उद्योग के लिए चीन का समर्थन। मध्य पूर्व की तनावपूर्ण स्थिति पर भी चर्चा होने की संभावना है।

सुडोकू 6535

					3	2		
4	8	1					7	
2			5	1			6	
			4					2
		5				6		
6					2			
	9			3	1			7
	7					9	8	3
		2	8					

: नियम :
1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6535

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२	■	■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४				■	■	■	

बायें से दायें:-
१. महत्ता (उर्दू)
४. अंत, समाप्ति, मृत्यु
६. बहरा
७. शुरूआत
८. धनी (उर्दू)
१०. घर
११. हृदय, मन
१३. अग्नि
१४. शक्ति, अलौकिक शक्ति ऐश्वर्य, गौरवान्वित
१५. जंगलों में विचरण करने वाला
१७. पानी युक्त, भीगा हुआ, अश्रु पूर्ण
१९. रहित
२१. पराजित, हारा हुआ
२२. गौतमबुद्ध की पत्नी, श्रावण मास की चौथी रात
२४. मूर्ख, अविवेकी (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-
१. अर्थ, मतलब
२. सांठ-गांठ
३. मुस्कुराहट (उर्दू)
४. अभिलाषा, कामना (उर्दू)
५. किसी वाद्य यंत्र को बजाने वाला, वादक (उर्दू)
९. किसी इमारत-व्यक्ति आदि की रक्षा करने वाले व्यक्तियों का दल
११. काजल
१२. पवन, वायु, हवा
१३. वर्षा ऋतु
१४. सीता
१५. जंगल की पैदावार
१६. गाय, चार स्तनों वाली
१८. पैदायशी अंधा
१९. ठहराव, अंत, विश्राम
२०. नीति, नम्रता, व्यवहार
२३. मार्ग, पथ (उर्दू)

वर्ग पहेली-6534

१ भु	क्त	२ भो	गी	■	■	३ अ	श्वा	४ रो	ही
ग	■	ज्य	■	५ प	ल्ल	व	■	क	■
६ त	ड़	प	■	थ	■	७ स	र्व	ना	८ म
ना	■	दा	■	९ भ्र	म	र	■	■	हा
■	१० अ	र्थ	११ क	ष्ट	■	■	१२ सु	ग	म
■	जी	■	ले	■	१३ कि	ष्किं	धा	■	हि
१४ आ	ब	१५ ह	वा	■	वा	■	१६ र	१७ ह	म
क्र	■	ल	■	१८ अ	ड़	१९ ना	■	र्ष	■
२० म	ग	ध	■	सी	■	२१ थ	प	क	२२ ना
ण	■	२३ र	स	म	य	■	■	■	ज

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दुनिया को जानें

छांगअ-7 6 अंतरराष्ट्रीय पेलोड के साथ चंद्रमा पर उड़ान भरेगा

बीजिंग, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने 2026 के आसपास छांगअ-7लॉन्च करने की योजना बनाई है। यह मिस्र, बहरीन, इटली, रूस, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड और इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लूनर ऑब्जर्वेटरीज सहित 7 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 6 पेलोड लेकर चंद्रमा पर उड़ान भरेगा और वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य करेगा। चीनी राजकीय स्पेस प्राधिकरण ने बुधवार को मध्य चीन के वुहान शहर में आयोजित वर्ष 2024 चीनी अंतरिक्ष दिवस मनाने के मुख्य कार्यक्रम में यह जानकारी दी। परिचय के अनुसार चीन को छांगअ-7 मिशन को 2026 के आसपास लॉन्च करने की योजना है और यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह के वातावरण, मिट्टी, पानी, बर्फ और भाप की स्थिति का सर्वेक्षण करेगा। चंद्र आकृति विज्ञान, संरचना और संरचना पर उच्च परिशुद्धता का पता लगाने और अनुसंधान करेगा। जनवरी 2023 तक, चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन को 11 देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रस्तुत कुल 18 आशय पत्र प्राप्त हुए हैं। चीन अंतरराष्ट्रीय चंद्र वैज्ञानिक अनुसंधान स्टेशनों के प्रदर्शन, परियोजना कार्यान्वयन, संचालन और अनुप्रयोग में बहुआयामी सहयोग करने के लिए भागीदारों के साथ काम करेगा।

प्रादेशिकी

चार धाम यात्रा व वीकेंड प्लान लागू किए जाने को लेकर बैठक

नई टिहरी। चार धाम यात्रा को सुगम बनाने व वीकेंड प्लान लागू करने को लेकर क्षेत्राधिकारी नरेन्द्र नगर अस्मिता मंमगाई ने होटल संचालकों, ऑटो विक्रम यूनियन के अध्यक्षों, राफ्ट सचलाक व रेंटल बाइक संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वीकेंड पर रूट डायवर्ट करने का प्लान तैयार किया। आज यहां चार धाम यात्रा को सुगम बनाने तथा मुनि की रेती क्षेत्र में वीकेंड प्लान लागू किए जाने की दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल के आदेश अनुसार क्षेत्राधिकारी नरेंद्रनगर, अस्मिता ममगाईं द्वारा यातायात कार्यालय मुनि की रेती में होटल मालिक संचालक, अध्यक्ष ऑटो विक्रम यूनियन, राफ्ट संचालक तथा रेंटल बाइक संगठन के पदाधिकारी के साथ उनकी विभिन्न समस्याओं को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त गोष्ठी में यातायात का वन वे ट्रैफिक प्लान लागू किए जाने, चार धाम यात्रा को सुगम बनाने, सुविधा जनक पार्किंग तथा जाम की समस्या से संबंध में विचार विमर्श किया गया।

कांग्रेस नेता अपनी देश व संविधान विरोधी नीतियों से बाज नहीं आएंगे : जयराम

शिमला, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के इरादे देश के लिए खतरनाक हैं। कांग्रेस के नेता अपनी देश और संविधान विरोधी नीतियों से बाज़ नहीं आएंगे। अब तो कांग्रेस के आला नेता हो या सलाहकार, उनके इरादे खुलकर सामने आने लगे हैं। कांग्रेस के नेताओं की अब देश की मां-बहनों के निशानियों पर नज़र हैं। कांग्रेस के बहुत पुराने सलाहकार सैम पित्रोदा ने कुछ समय पहले कहा था कि हमारे देश का जो मिडिल क्लास है, जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर ज्यादा से ज़्यादा टैक्स लगना चाहिए। अब ये लोग उससे भी एक कदम आगे चले गए हैं। अब कांग्रेस का कहना है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस आपसे छीन लेना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष चंबा ज़िला के चुराह मण्डल द्वारा भंजराडू में आयोजित पन्ना प्रमुख सम्मेलन में भाग लेने आये थे। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट हर पेज के वोटर से संपर्क के लिए एक कार्यकर्ता को पन्ना प्रमुख का दायित्व दिया जाता है। निष्ठा और कार्यकुशलता से काम करने के कारण पन्ना प्रमुख को परिणाम के पहले ही यह पता रहता हैं पार्टी को कितने वोट मिलेंगे। इससे जुड़े कुछ दृष्टांत जयराम ठाकुर ने पन्ना प्रमुखों से साझा किए। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा के कांगड़ा संसदीय सीट प्रत्याशी डॉ. राजीव भारद्वाज को भारी मतों से जिताने के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस दौरान उनके साथ डॉ. राजीव भारद्वाज, चुराह के विधायक और पूर्व डिप्टी स्पीकर हंसराज समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जयराम ठाकुर ने हंसराज को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी। नेता प्रतिपक्ष ने संवाददाताओं द्वारा पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि चंबा को फर्स्ट लाने के लक्ष्य के साथ भाजपा की हिमाचल सरकार ने सदैव काम किया। कई महत्वाकांक्षी और बहुप्रतिक्षित प्रोजैक्ट्स को ज़मीन पर उतारने के लिए गंभीरता से प्रयास किए गए। आगे भी जब मौक़ा मिलेगा चंबा के हितों को मज़बूती देने वाले प्रोजैक्ट्स को भाजपा की हिमाचल सरकार प्राथमिकता से करेगी। इस समय चंबा के विकास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा अपनी प्राथमिकता में रखा। आकांक्षी ज़िला के रूप में चंबा को। विकास की दृष्टि से आगे ले जाने के हर संभव कार्य किए जा रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा के सभी लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के सभी प्रत्याशी एक बार अपने क्षेत्र में जनसंपर्क भी कर आए, हर इलाक़े में पहुंच गए लेकिन अभी तक कांग्रेस अपने लोगों को टिकट ही नहीं दे पाई है। जिसे भी टिकट लेने के लिए कहते हैं वह कोई न कोई बहाना बनाकर अपने हाथ पीछे खींच लेता है। आज कांग्रेस की यह दशा हो गई है कि राज्य में सरकार रहने के बाद भी कांग्रेस से कोई टिकट लड़ने के लिए आगे नहीं आ रहा है। आख़िर यह हालत कैसे हुई,

> **कांग्रेस के बहुत पुराने सलाहकार सैम पित्रोदा ने कुछ समय पहले कहा था कि हमारे देश का जो मिडिल क्लास है, जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर ज्यादा से ज़्यादा टैक्स लगना चाहिए :**
> **जयराम ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष**

मुख्यमंत्री को इस बारे में सोचना चाहिए। जब वह इन स्थितियों के लिए ईमानदारी से चिंतन करेंगे तो उन्हें प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक उथल-पुथल के जवाब भी मिल जाएँगे और अपना सारा दोष भी दिख जाएगा। डेढ़ साल में सरकार ने एक भी जनहित के काम नहीं किए। विकास के उल्टी दिशा में सरकार चल रही है। जिसके कारण कांग्रेसी नेताओं को अपनी हार साफ़ दिखाई दे रही है और वह चुनाव से किनारा कर रहे हैं।

देश के संसाधनों पर प्रधानमंत्री मोदी की नजर : गोदियाल

देहरादून, 24 अप्रैल (देशबन्धु) पीएम मोदी ने राजस्थान के बाद अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा अब कांग्रेस की नजर कानून बदलकर हमारी माता बहनों की संपत्ति छीनने पर है। पीएम मोदी ने कहा इनकी नजर अब महिलाओं के मंगलसूत्र पर भी है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी के बयान के बाद कांग्रेस भी आक्रामक हो गई है। कांग्रेस ने पीएम मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। गढ़वाल लोकसभा सीट से कांग्रेस कैंडिडेट गणेश गोदियाल ने पीएम मोदी के बयान की कड़ी निंदा की है। गणेश गोदियाल ने कहा मंगलसूत्र को लेकर पीएम मोदी को इस तरह की हल्की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा 102 सीटों पर प्रथम चरण का चुनाव समाप्त हो चुका है। प्रथम चरण का मतदान होने के बाद सत्ताधारी दल के पांव की जमीन खिसक गई है। गणेश गोदियाल ने कहा पीएम अपने बयानों में मंगलसूत्र का जिक्र तो किया, मगर अपने 10 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों की बात ना के बराबर की। उन्होंने इसे मंगलसूत्र की बात करके चुनाव हथियाने की कोशिश बताया है। कांग्रेस नेता गणेश गोदियाल ने कहा इन 10 सालों में भाजपा की सरकार ने सोने की कीमतों को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है। 65 सालों में कांग्रेस शासन काल में सोना सस्ता हुआ करता था। कांग्रेस सरकार में सोने की कीमत 30 हजार रुपए प्रति तोला हुआ करती थी।

भाजपा के सरकार बनाने के दावे पूरी तरह मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसे : संजय

शिमला, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने कहा है कि भाजपा प्रदेश में 4 जून के बाद सरकार बनाने के दावे पूरी तरह मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसे है। उन्होंने कहा है कि भाजपा के यह सपने कभी पूरे होने वाले नही। संजय अवस्थी ने हर्ष महाजन के उस दावे को भी पूरी तरह खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने प्रदेश के कुछ ओर कांग्रेस नेताओं के भाजपा में आने की बात कही है। उन्होंने कहा कि भाजपा धनबल से अब कांग्रेस के किसी भी नेता की खरीद फरोख्त नही कर सकती,क्योंकि जिन कांग्रेस विधायकों ने पार्टी के साथ गद्दारी की है उन्हें प्रदेश के लोग कभी माफ नही करेंगे। उन्होंने कहा कि इन विधायकों ने प्रदेश में जनमत का अपमान करते हुए अपने मतदाताओं की भावनाओं से खिलवाड़ किया है और अब इन्हें चुनावों में करारी हार का मुंह देखना पड़ेगा। संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश में ठाकुर सुखविंदर सिंह सरकार पूरी तरह मजबूत और स्थिर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अभी भी पूर्ण बहुमत है और 4 जून के बाद कांग्रेस के पास बहुमत का आंकड़ा 40 से ऊपर का होगा। भाजपा को छह की छह विधानसभा उप चुनावों में करारी हार का मुंह देखना पड़ेगा। अवस्थी ने कहा है कि भाजपा ने एक षड्यंत्र के तहत सरकार को अस्थिर करने का जो प्रयास किया उसमें वह पूरी तरह असफल रही है।

सार संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में तैनात जवान का इलाज के दौरान निधन

चमोली। नारायणबगड़ के चिरखून गांव के जवान कीरत सिंह रावत का पैतृक घाट में अंतिम संस्कार कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि जवान कीरत सिंह बीमार चल रहे थे। जिनका इलाज दिल्ली के सेना अस्पताल में चल रहा था, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। कीरत सिंह 20 गढ़वाल राइफल में जम्मू कश्मीर में तैनात थे। जवान के निधन पर पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, चमोली जिले के नारायणबगड़ विकासखंड के चिरखून गांव के कीरत सिंह रावत साल 2018 में सेना में भर्ती हुए थे। जो 20 गढ़वाल राइफल्स में सेवाएं दे रहे थे। इस समय उनकी पोस्टिंग जम्मू कश्मीर में थी। बीते कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब हो गया था। जिसके चलते उनका दिल्ली के सेना अस्पताल में उपचार चल रहा था। जहां 22 अप्रैल को उपचार के दौरान जवान का निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से नारायणबगड़ क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।23 अप्रैल को सेना के वाहन से उनके पार्थिव शरीर को पैतृक गांव चिरखून लाया गया। जहां बुधवार 24 अप्रैल को सैन्य सम्मान के साथ उनके पैतृक घाट नंदप्रयाग संगम पर गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर विधायक भूपाल राम टम्टा, पूर्व विधायक जीतराम, ब्लॉक प्रमुख यशपाल नेगी, पूर्व प्रधान सुशील कांती, सामाजिक कार्यकर्ता राकेश नेगी समेत क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने शोक जताया है। साथ ही शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं जताई है।

आईपीएल टीम को लेकर हुए विवाद में दोस्त को मारी गोली, दो गिरफ्तार

नैनीताल। आईपीएल टीम बनाने को लेकर हुए विवाद के दौरान दोस्त पर ही गोली चलाने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनको न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बीती 21 अप्रैल को सुशील कुमार मौर्य पुत्र किशन मौर्य निवासी आनन्दपुर द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि किशन उर्फ बबलू द्वारा उनके भतीजे वेदान्त मौर्य को जान से मारने की नियत से गोली मारकर घायल कर दिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आज सुबह बेलबाबा मन्दिर के 500 मीटर की दूरी पर मोतिया लाईन के पास रामपुर रोड हल्द्वानी से हत्या के प्रयास के आरोपी किशन ठाकुर उर्फ बब्लू व उसके सहयोगी सुरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

सुडोकू 6535 का हल

5	6	9	7	4	3	2	1	8
4	8	1	9	2	6	3	7	5
2	3	7	5	1	8	4	6	9
7	1	3	4	6	5	8	9	2
9	2	5	1	8	7	6	3	4
6	4	8	3	9	2	7	5	1
8	9	4	6	3	1	5	2	7
1	7	6	2	5	4	9	8	3
3	5	2	8	7	9	1	4	6

कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं : बिंदल

शिमला, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा की कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं। शाही परिवार के शहजादे के सलाहकार, शहजादे के पिता जी के भी सलाहकार सैम पित्रोदा ने कुछ समय पहले कहा था कि हमारे देश का जो मिडिल क्लास है, जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर ज्यादा टैक्स लगना चाहिए। अब ये लोग उससे भी एक कदम आगे चले गए हैं। अब कांग्रेस का कहना है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। उन्होंने कहा की आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा। कांग्रेस का मंत्र है आपसे छीन लेगा, आपको लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेगी, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी। जब आप जीवित नहीं रहेंगे तो इन हेरिटेंट का टैक्स बोझ लाद देगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को दें। हमारा देश संस्कारों से, संस्कृति से उपभोक्तावादी देश नहीं है। हम संरक्षित, संवर्द्धन करने में विश्वास करते हैं, संरक्षित करने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा की हमारे यहां घर में बूढ़े मां-बाप होंगे, दादा-दादी होंगे तो सोना संभाल कर रखेंगी, खुद भी नहीं पहनेगी, वो सोचती है कि मेरी पोती की शादी होगी तो उसे देगी, नाती की शादी होगी कि उसे देगी। ये हमारे देश के लोगों का स्वभाव है। वो गर्व करके जिंदगी जीने में यकीन करते हैं। भारत के मूलभूत स्वभाव पर ये कांग्रेस पार्टी कड़ा प्रहार करने जा रही है। आज अर्बन नक्सल ने कांग्रेस ने कब्जा कर लिया है, उन्हें लगा कि कुछ अमेरिका को भी खुश करने के लिए भी कहना चाहिए, लेकिन वो आपकी संपत्ति को लूटना चाहते हैं।

भाजपा की राजनीतिक संकट खड़ा करने की साजिश हुई नाकाम : नेगी

शिमला, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक संकट खड़ा करने की भाजपा की साजिश पूरी तरह से नाकाम हो चुकी है और अब भाजपा नेता बौखलाहट में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए अरबों रुपये का लेन-देन किया, विधायकों की ख़रीद फरोख्त की, लेकिन भाजपा की मंशा पूरी नहीं हो सकी। जगत सिंह नेगी ने कहा कि कांग्रेस के पास 40 विधायक थे और तीन निर्दलीय विधायक भी राज्य सरकार के साथ थे, फिर भाजपा के पास ऐसी कौन की जादू की झड़ी थी कि तीन निर्दलीय विधायकों के अलावा कांग्रेस के छह विधायक भाजपा के साथ जा मिले। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास हॉर्स ट्रेडिंग के पुख्ता प्रमाण हैं। यह जयराम ठाकुर व भाजपा का सत्ता लोभ ही था, कि उन्होंने प्रदेश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की। सरकार गिराने के षड्यंत्र में केंद्र सरकार ने भी भाजपा का साथ दिया और केंद्रीय एजेसियों का दुरुपयोग किया। कांग्रेस के

छह दागी विधायकों को केंद्र सरकार ने सुरक्षा प्रदान की, उन्हें चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टरों की

> ■ **अरबों खर्च करने के बावजूद पूरे नहीं हुए भाजपा के इरादे**

सैर कराई और महँगे फ़ाइव स्टार होटलों में ठहराया। लेकिन इसके बावजूद भाजपा का ऑपरेशन लोट्स फेल हो गया और भाजपा के इरादे कामयाब नहीं हुए। राजस्व मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की ताक़त है। भाजपा के पास धनबल होगा लेकिन कांग्रेस के पास जनबल है और इसी के सहारे मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। यही नहीं वर्ष 2027 में जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए कांग्रेस पार्टी एक फिर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर सत्ता के बिना मछली की तरह छटपटा रहे हैं और वर्ष 2022 में मिले जनादेश को पचा नहीं पा रहे हैं। इसलिए जो काम जनता के वोट से नहीं हो पाया, उसे भाजपा ने धनबल से करने का प्रयास किया है, जो असफल हो चुका है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपनी कुर्सी की पेटी अच्छी तरह से बांध कर रखें क्योंकि अभी उन्हें लंबे समय तक इसी कुर्सी पर बैठना पड़ेगा। जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश की जनता बिकाऊ राजनीति नहीं, बल्कि टिकाऊ राजनीति में विश्वास रखती है। इसलिए प्रदेश की जनता ख़रीदने वालों और बिकाऊ नेताओं को सबक़ सिखाने के लिए तैयार बैठी है।

दैवीय आपदा के पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन ना करने पर नैनीताल डीएम तलब

नैनीताल, 24 अप्रैल (देशबन्धु) उत्तराखंड हाईकोर्ट ने दैवीय आपदा के संबंध में पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन नहीं करने के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने जिलाधिकारी नैनीताल से दो सप्ताह के भीतर जवाब पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह की तिथि नियत की है। बुधवार को हुई सुनवाई पर याचिकाकर्ता हल्द्वानी के चोरगलिया निवासी भुवन चन्द्र पोखरिया ने अपने केस की स्वयं पैरवी करते हुए कोर्ट को अवगत कराया कि इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय ने जिलाधिकारी नैनीताल व जिलाधिकारी हरिद्वार को 18 मार्च को अवमानना का नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। लेकिन

> **हाईकोर्ट ने दो सप्ताह में मांगा जवाब**

जिलाधिकारी नैनीताल ने अभी तक इसका जवाब पेश नहीं किया। जबकि जिलाधिकारी हरिद्वार ने जवाब पेश कर दिया है। मानसून आने में कुछ ही समय बचा हुआ है, इसलिए कोर्ट के 14 फरवरी 2023 के आदेश का अनुपालन करवाया जाए। जिससे साल 2023 में आई बाढ़ जैसी स्थित उतपन्न न हो। याचिकाकर्ता ने अवमानना याचिका दायर कर कहा है कि माननीय उच्च न्यायलय ने 14 फरवरी 2023 को राज्य सरकार को निर्देश दिए थे की बाढ़ से बचाव की दशा में राज्य सरकार सिंचाई विभाग,वन विभाग, भूमि संगरक्षण व अन्य विभागों को साथ लेकर अपने संसाधनों से आरक्षित क्षेत्रों की नदियों से मलबा ,बोल्डर व शिल्ट को हटाएं और नदियों का चौनलाइजेशन करें। लेकिन जिलाधिकारी नैनीताल व जिलाधिकारी हरिद्वार ने इस आदेश का पालन नहीं किया। जिसकी वजह से साल 2023 के मानसून सत्र में नंधौर, गौला, रकसिया नाला और हरिद्वार में गंगा नदी ने हरिद्वार के भोगपुर, रायवाला, लक्सर व अन्य जगहों पर भारी तबाही की थी। जिससे स्कूल, पुल,सड़क, कृषि भूमि वन भूमि सहित करीब 600 करोड़ का नुकसान हुआ। अवमानना याचिका में उनके द्वारा कोर्ट से प्रार्थना की है कि पूर्व के आदेश का शीघ्र अनुपालन करवाया जाए, क्योंकि मानसून शुरू होने में डेढ़ माह का समय तक नहीं बचा है।

सामाजिक आर्थिक सर्वे कांग्रेसी लूट का खतरनाक इरादा : बंसल

देहरादून, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। भाजपा ने सामाजिक आर्थिक सर्वे पर कांग्रेस के खतरनाक इरादे को लेकर जनता को आगाह किया है। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष श्री नरेश बंसल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का पंजा लोगों की संपति हड़पने का हिडन एजेंडा लेकर आया है, जिसका खुलासा स्वयं कांग्रेस के पारिवारिक सलाहकार सेम त्रिपोदा ने कर दिया है। उन्होंने चुनौती दी कि कांग्रेस अपने छिपाए सच को स्वीकार करे या उसे घोषणा पत्र से हटाए। पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बंसल ने सैम त्रिपोदा के बयान का हवाला देते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं। शाही परिवार के शहजादे के सलाहकार, शहजादे के पिता जी के भी इस सलाहकार ने कुछ समय पहले कहा था कि हमारे देश का जो मिडिल क्लास है, जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर ज्यादा टैक्स लगना चाहिए। अब ये लोग उससे भी एक कदम आगे चले गए हैं। अब कांग्रेस का कहना है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी, वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा। कांग्रेस का मंत्र है आपसे छीन लेना, आपको लूट लेना। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेगी, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी। जब आप जीवित नहीं रहेंगे तो इन हेरिटेंट का टैक्स बोझ लाद देगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को दें। उन्होंने आरोप लगाया कि 60 के दशक से कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति को चुनाव जीतने का हथियार बनाया। हम वर्षों से इसके खिलाफ लड़ रहे थे।

उत्तराखंड के वनों में आग लगाने वाले जाएंगे जेल: सीएस

देहरादून, 24 अप्रैल (देशबन्धु) उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग पर काबू पाने में वन विभाग के पसीने छूट रहे हैं। उत्तराखंड में वनाग्नि के मामले कम होने के बजाय बढ़ते ही जा रहे

> ■ **वनाग्नि बुझाने वालों को किया जाएगा सम्मानित**

हैं। वनाग्नि पर काबू पाने के लिए प्रशासन और वन विभाग की तैयारियां और दावे धरातल पर फेल नजर आ रहे हैं। यही कारण है कि अब खुद मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखंड में वनाग्नि की घटनाओं पर बैठक की और जंगलों में आग लगाने वालों को जेल में डालने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी जिलों के डीएम और एसएसपी व एसपी को जंगलों में आग लगाने वालों को जेल में डालने का निर्देश दिए हैं। इसके अलावा मुख्य सचिव

राधा रतूड़ी ने कहा कि अधिकारियों से मिले इनपुट से पता चला है कि आग लगने की ज्यादातर घटनाएं मानव निर्मित हैं और कई जगहों पर असामाजिक तत्व भी जंगलों में आग लगाने में सक्रिय हैं। डीजीपी अभिनव कुमार की तरफ से भी कहा गया है कि आग लगाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जो लोग आग पर काबू पाने या बुझाने के लिए आगे आ रहे हैं, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। उत्तराखंड में वनाग्नि की स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा रहा कि 22 अप्रैल को राज्य के अंदर जंगलों में आग लगने के रिकॉर्ड 52 मामले दर्ज किए हैं, जिसमें 14 घटनाएं गढ़वाल और 35 घटनाएं कुमाऊं मंडल में दर्ज की गई हैं। उत्तराखंड वन विभाग के अनुसार इन 52 घटनाओं में करीब 76.65 हेक्टेयर जंगल जला है। जिससे करीब 165,300 रुपए का नुकसान हुआ है। बीते 5 महीने की बात की जाए तो प्रदेश के अंदर वनाग्नि के 431 मामले सामने आए हैं, जिसमें 11 लाख रुपए से ज्यादा की हानि हुई है। बता दें हर साल 15 फरवरी से 15 जून तक फायर सीजन घोषित किया जाता है। इस दौरान जंगलों में आग लगने की आशंका सबसे ज्यादा होती है। वन विभाग और प्रशासन हर साल वनाग्नि की घटनाओं पर काबू करने के लिए करोड़ों रुपए का बजट तैयार करता है, लेकिन धरातल पर उनका बहुत कम असर दिखता है।

गैस पाइप फटने से रेस्टोरेंट में लगी आग, चार बाईक जलकर स्वाह

देहरादून। गैस पाइप के फटने से रेस्टोरेंट में आग लग गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंच तीन लोगों को बाहर निकाल उनको उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। फायर बिग्रेड ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया लेकिन तब तक रेस्टोरेंट के बाहर खडी चार बाइक व रेस्टोरेंट का सारा सामान जलकर स्वाह हो गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सेलाकुई थाने को सूचना मिली कि आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी के पास स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लग गयी है तथा दुकान में भरे हुए गैस सिलेण्डर भी रखे हुए हैं जिससे कोई बडी दुर्घटना घटित हो सकती है। सूचना मिलते ही सेलाकुई थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तथा फायर स्टेशन सेलाकुई से दमकल के वाहनों को मौके पर पहंचने हेतु अवगत कराया गया। मौके पर रेस्टोरेंट लगी आग के कारण आसपास खडे वाहन भी उसकी चपेट में आ गये थे। पुलिस टीम द्वारा तत्काल राहत एंव बचाव कार्य प्रारम्भ करते हुए रेस्टोरेंट में अन्दर फंसे तीन व्यक्तियों को सकुशल बाहर निकालकर एम्बुलेंस से स्थानीय अस्पताल भिजवाया गया तथा आग को फैलने से रोकने के लिए वहां रखे गैस सिलेण्डरों को तत्काल बाहर निकालते हुए सुरक्षित स्थान पर रखा गया। मौके पर फायर बिग्रेड के वाहनों द्वारा आग पर काबू पाया गया। पुलिस द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही से घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। मौके पर आग से रेस्टोरेंट में रखा सामान तथा आग की चपेट में आने से उसके बाहर खडी चार मोटरसाईकिलें जल गयी थी। आग से हुई क्षति का आंकलन किया जा रहा है। आग गैस सिलेण्डर बदलते समय गैस पाइप के फट जाने के कारण लगी। घायलों ने अपना नाम मनीष शर्मा पुत्र राजेन्द्र शर्मा निवासी राजा रोड सेलाकुई, यशपाल गुलेरिया पुत्र नरेश गुलेरिया निवासी तलवार टावर झाझरा व अभिषेक मिराडी छात्र बताया। आग लगने के विस्तृत कारणों की जांच की जा रही है।

प्रादेशिकी

बलिया में महिला ने कहासुनी में की पति की हत्या

बलिया, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के कोतवाली क्षेत्र में बुधवार को एक महिला ने आपसी विवाद में अपने ही पति के गले पर धारदार हथियार से प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शिवपुर दीयर नंबरी गांव निवासी दीनदयाल प्रसाद का बुधवार को उसकी पत्नी हिरामुन्नी देवी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान उसकी पत्नी ने किसी धारदार हथियार से दीनदयाल के गले पर प्रहार कर दिया और वहां से फरार हो गई। घटना के बाद दीनदयाल को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत उसे वाराणसी रेफर कर दिया। जहां बुधवार की रात्रि उसकी मौत हो गई।

विपक्ष की मंशा एससी व एसटी के अधिकारों में घुसपैठ करने की : योगी

■ मुख्यमंत्री ने पाटी कार्यालय में मीडिया सेंटर का किया उद्घाटन

लखनऊ, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इनकी मंशा एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में डकैती डालने की है। सीएम योगी ने कहा कि यूपीए सरकार अपने शासनकाल में पूर्व चीफ जस्टिस एवं कांग्रेस सांसद रंगनाथ मिश्रा कमीशन सिफारिशों को लागू करना चाहती थी। बता दें कि रंगनाथ मिश्रा कमीशन के तहत ओबीसी को मिलने वाले 27 प्रतिशत आरक्षण में छह प्रतिशत अल्पसंख्यक समुदाय को देने की बात कही गई थी। सीएम योगी बुधवार को बीजेपी कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पाटी कार्यालय में मीडिया सेंटर का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मंशा एससी, एसटी के अधिकारों में भी घुसपैठ करने की है।

भाजपा ने देश में चार जातियों की बात की है, गरीब, किसान, युवा व महिला इसमें किसी जाति, मत-मजहब की बात नहीं : योगी आदित्यनाथ

इसका सबसे बड़ा उदाहरण यूपीए सरकार में आई सच्चर कमेटी की रिपोर्ट है, जिसे भाजपा के भारी विरोध के कारण उन्हें वापस लेना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने घोषणात्र में संपत्ति का सर्वे कराने की बात कर रही है। वे लोग उसके बाद संपत्ति का अपने अनुसार बंदरबांट करेंगे। यूपीए सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस बात का उल्लेख भी किया था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने देश में चार जातियों की बात की है, गरीब, किसान, युवा और महिला। इसमें किसी जाति, मत-मजहब की बात नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस को देश की कीमत पर येन केन प्रकारेण सत्ता चाहिए। वह महिलाओं पर बर्बर अत्याचार करने वाले तालिबानी प्रवृत्ति को भारत में लागू करना चाहती है। ये लोग तीन तलाक का समर्थन करते हैं। कांग्रेस देश में शरीया कानून लागू करके तालीबानी विध्वंस की समर्थक है। उनके घोषणापत्र में आधी आबादी के अपमान के इरादे साफ दिखाई देते हैं। ये देश की सुरक्षा, संप्रभुता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिसमें कांग्रेस की मंशा स्पष्ट उजागर होती है। इसके कारण 1947 में देश का विभाजन हुआ, देश आतंकवाद और उग्रवाद की चपेट में आया। सभी संस्थाएं भ्रष्टाचार में डूब गई थीं। देश में अविश्वास का माहौल खड़ा हो गया था। कांग्रेस फिर से देश को उधर लेकर जाना चाहती है।

पार्टी के समर्थन में वोट देने की अपील की

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये जनता को तय करना है, क्योंकि देश आपका है, सुरक्षा आपकी है, जीवन आपका है और वोट भी आपका है। आपका एक वोट आतंकवाद के पुराने दौर को वापस ला सकता है। वहीं भाजपा को वोट जाने का मतलब आतंकवाद को सीमापार ही निपटाना। भाजपा को मिलने वाला एक-एक वोट हर व्यक्ति की सुरक्षा, सुशासन और संप्रभुता को सुनिश्चित करता है। भारतीय जनता पार्टी भारत को विकसित भारत के रूप में स्थापित करने की संकल्पना को लेकर आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, मंत्री असीम अरुण, मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, महामंत्री अनूप गुप्ता, हरीश श्रीवास्तव, हिमांशु दुबे सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मकान का ताला तोड़कर लाखों के उड़े चोर

फर्रुखाबाद,24 अप्रैल (देशबन्धु)। बीते दिनों भाजपा बूथ अध्यक्ष के घर ताले तोड़कर तकरीबन 10 लाख के जेबरात चोरी कर लिए गए। पुलिस नें मौके पर जाकर तफ्तीश की। थाना कादरी गेट के मोहल्ला श्याम नगर घारमपुर रोड़ निवासी नानक चंद दुबे बीजेपी के बूथ अध्यक्ष है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी राजकुमारी दुबे व पुत्री प्रियवंदना दुबे दिल्ली में बेटे प्रियओम के पास गए थे। बीते 20 व 21 अप्रैल की रात चोर उनके मकान के ऊपरी मंजिल पर चढ़े और कमरें का ताला तोड़कर लगभग 10 लाख के जेबरात चोरी कर गये। जिसकी जानकारी होनें पर उन्होंने सूचना डायल 112 को दी। चौकी इंचार्ज आईटीआई सुरजीत कुमार नें मौके पर जाकर जाँच पड़ताल की। नानक राम दुबे ने चोरी के मामले में तहरीर थाना पुलिस को दी है। चौकी इंचार्ज आईटीआई सुरजीत कुमार नें बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही है

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विवि को मिला देश के शीर्ष विवि का सम्मान

सीएसआर ग्रुप द्वारा दिया गया शीर्ष विश्वविद्यालय का सम्मान

मेरठ, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सीएसआर ग्रुप द्वारा देश के शीर्ष विश्वविद्यालय के सम्मान से सम्मानित किया गया। सरदार पटेल सुभारती लॉ कॉलिज के डीन डॉ. वैभव गोयल भारतीय को सीएसआर ग्रुप के चेयरमैन एस.के.सचदेवा ने देश के शीर्ष विश्वविद्यालय का सम्मान प्रदान किया। समारोह को संबोधित करते हुए सुभारती लॉ कॉलिज के डीन डॉ. वैभव गोयल भारतीय ने सीएसआर ग्रुप को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा युवाओं के उत्थान हेतु प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुभारती विश्वविद्यालय शिक्षा, चिकित्सा एवं

अनुसंधान के साथ भारतीय संस्कारों को प्रोत्साहित कर रहा है। इसके साथ ही विधि के क्षेत्र में संविधान के मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपने विद्यार्थियों में विधिक ज्ञान रोपित कर न्यायिक व्यवस्था को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी.के. थपलियाल ने स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय को देश के शीर्ष विश्वविद्यालय का सम्मान मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय शिक्षा, सेवा, संस्कार एवं राष्ट्रीयता के मंत्र से देशहित में कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि सुभारती विश्वविद्यालय शिक्षा में गुणवत्ता देने एवं विद्यार्थियों में कौशल विकास पर अधिक बल देता है ताकि पढ़ाई पूरी होने पर छात्र छात्राएं रोजगार प्राप्त कर देश हित में अपनी योग्यता से सराहनीय कार्य कर सकें। उन्होंने बताया कि सुभारती विश्वविद्यालय में विभिन्न देशों के छात्र छात्राएं भी अध्ययन कर रहे है और भारतीय संस्कृति एवं सुभारती विवि की शौक्षिक गुणवत्ता से लाभान्वित हो रहे है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.शल्या राज ने सम्मान मिलने पर हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि यह बड़े गौरव की बात है।

सार संक्षेप

राशन दुकान का संचालन कराने पर कोटेदार पर मामला दर्ज

फर्रुखाबाद। अनधिकृत व्यक्ति से राशन दुकान का संचालन करानें के मामले में कोटेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना राजेपुर के ग्राम पंचायत महमदपुर गढिया के कोटेदार रघुवीर अपनी उचित दर दुकान पर राहुल सिंह पुत्र कुंवरपाल सिंह निवासी ग्राम महमदपुर गढ़िया से संचालन करा रहे थे। जिसकी शिकायत मिलने पर पूर्ति निरीक्षक अमृतपुर अमित चौधरी ने थाना राजेपुर में कोटेदार के खिलाफ धारा 3/7 ईसी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

किशोर का शव बरामद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में गंगा नदी में स्नान करने गए डूबे किशोर का शव बुधवार को एसडीआरएफ के जवानों ने बरामद किया। जल पुलिस प्रभारी जनार्दन प्रसाद साहनी ने बुधवार को बताया कि मेजा थाना क्षेत्र निवासी अभिषेक तिवारी गत मंगलवार को अपने दोस्तों के साथ गंगा में अरैल घाट पर स्नान करने गया था। स्थानीय लोगों के मना करने के बाद भी वह गहरे पानी की तरफ बढ़ता गया और अचानक डूब गया। उन्होंने बताया कि अरैल घाट पर डूबे युवक का शव एसडीआरएफ के जवानों ने अथक प्रयास के बाद 20 किमी दूर गंगा से बाहर निकाला। अभिषेक ने अभी इंटर की परीक्षा पास किया था।

हमीरपुर में बीए की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में बुधवार को बीए की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुमेरपुर कस्बा निवासी शिवमंगल साहू की पुत्री सेजल साहू बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। बुधवार को उसने कमरे में लगी बल्ली में रस्सी डालकर फांसी लगा ली जब मां कोटे से राशन लेकर वापस आई तो पुत्री के दरवाजा न खोलने पर दूसरे की छत से चढ़कर देखा तो उसे फंदे में लटकी थी।

भीम राजभर को सलेमपुर से मिला टिकट

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने बुधवार को पार्टी उम्मीदवारों की सातवीं सूची जारी की। पार्टी ने तीन लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है जबकि ददरौल विधानसभा उपचुनाव के लिए भी प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। सूची में बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को देवरिया की सलेमपुर सीट से टिकट दिया गया है। इससे पहले बसपा की चौथी सूची में राजभर को आजमगढ़ संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी बनाया गया था।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय न्यायालय ACJM 6 मेरठ द्वारा मु0अ0सं0 459/23 धारा 408/420/467/468/471/120बी भादवि में वांछित अभियुक्तगण 1. नमन अग्रवाल पुत्र अनुपम अग्रवाल 2. अक्षी अग्रवाल पत्नी नमन अग्रवाल निवासीगण बी 2 वर्धमान विला जत्तीवाडा थाना कोतवाली जनपद मेरठ के विरूद्ध धारा 82 सीआरपीसी उद्घोषणा जारी की गयी है। अभियुक्तगण दिनांक 30.04.2024 तक माननीय न्यायालय/पुलिस के समक्ष हाजिर हो।

नवल किशोर शाक्य व क्रांति पांडे ने किया नामांकन

फर्रुखाबाद,24 अप्रैल (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर किशोर शाक्य एवं बसपा प्रत्याशी क्रांति पांडे ने आज नामांकन किया। डॉ.नवल शाक्य गुड़गांव देवी मंदिर में पूजा अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया। डॉक्टर शाक्य समर्थकों के काफिले के साथ बाईपास स्टेट केंद्रीय चुनाव कार्यालय पहुंचे। कर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत कर डॉ.नवल किशोर शाक्य जिंदाबाद के नारे लगाए। वहां जिला महासचिव इलियास मंसूरी पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी ब्लॉक प्रमुख राशिद जमाल सिद्दीकी सिराजुल आफाक उर्फ मुन्ना ओम प्रकाश शर्मा आदि नेता मौजूद थे। डॉक्टर शाक्य के नामांकन के समय जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी, डॉ प्रियंका शाक्य मौजूद रही। डॉक्टर शाक्य ने मीडिया को बताया कि चिकित्सीय सेवा से बड़ी राजनीति की सेवा है। उन्होंने बताया कि में सांसद बन गया तो अपना पूरा वेतन बेसहारा गरीब बच्चों की शिक्षा पर खर्च करूंगा। उन्होंने 32 वर्षों से बंद कंम्पिल कताई मिल को चालू करवाने के साथ बदहाल चीनी मिल का आधुनिकरण करने की बात कही। एशिया में सबसे ज्यादा आलू उत्पादक वाले जनपद में कोई उद्योग न लगने पर नाराजगी जताते हुए आलू चिप्स एवं दवा आधारित उद्योग लगवाने का दावा किया। उन्होंने लोहिया अस्पताल में हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी का डॉक्टर ना होने पर अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि अटैक पढ़ने पर मरीज की उपचार के अभाव में मौत हो सकती है।

मतदान कर्मियों को दी जाएगी हीट स्ट्रोक व मेडिकल किट

■ मतदान केंद्रों पर मतदाताओं व मतदान कर्मियों के लिए उपलब्ध रहेंगी जरूरी सुविधाएं

■ द्वितीय चरण की आठ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

लखनऊ, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। प्रदेश में गर्मी के प्रकोप को देखते हुए लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की 8 सीटों पर 26 अप्रैल को होने जा रहे मतदान के लिए मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक और मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ-साथ मतदान केंद्रों पर भी मतदान कर्मियों और मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कल गुरुवार को मतदेय स्थलों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। उल्लेखनीय है कि दूसरे चरण में प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों में अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर (अ.जा.), अलीगढ़ और मथुरा में मतदान होना है। यह 8 लोकसभा सीटें प्रदेश के 9 जनपदों (अमरोहा, हापुड़, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ तथा मथुरा) के अंतर्गत आती हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दूसरे चरण चरण की 8 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दे दिए गए हैं। द्वितीय चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मियों के लिए जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके।

अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा प्रदेश भर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। सघन जांच के लिए 480 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 23 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए। 4553 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराए गए। शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत 25,32,068 लोगों को पाबंद किए जाने के लिए नोटिस दिया गया है, जिनमें से 20,61,166 लोगों को पाबंद किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7650 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7753 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 411 बम बरामद कर सीज किए गए। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 3153 केंद्रों पर रेड डाली गई और 148 केंद्रों को सीज किया गया। 23 अप्रैल को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 249 लाइसेंसी शस्त्र का लाइसेंस निरस्त कर जमा कराया गया। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 36978 लोगों को पाबंद किया गया।

विद्यार्थियों ने लिया ललित कला की तकनीक का ज्ञान

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम कला की संस्कृति का किया गया पुनर्गठन

मेरठ, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग ने कला की संस्कृति का पुनर्गठन शीर्षक से चार दिवसीय मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम कार्यक्रम आयोजित किया। यह मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम कला की पुनर्गठन संस्कृति छात्रों में कौशल बढ़ाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए तैयार किया गया। हमारा मानना है कि छात्रों को अपने क्षेत्र का बहुमुखी ज्ञान होना चाहिए, चाहे वे व्यावहारिक कला, चित्रकला या मूर्तिकला स्ट्रीम के हों। उनके ज्ञान और कौशल को बेहतर बनाने के लिए मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम में विभिन्न कला तकनीकों की व्यवस्था की गई। इस पाठ्यक्रम में जिन ललित कला तकनीकों और विधियों को शामिल किया गया है, वे हैं चाक पर बर्तन बनाना, जो मूर्तिकला का हिस्सा है, इंस्टालेशन कला जो पेंटिंग का हिस्सा है और लिनोकट प्रिंट बनाना जो कला की मुद्रण तकनीक का हिस्सा है। ललित कला विभाग के सभी छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

छात्रों को प्रमाण पत्र से किया सम्मानित

छात्र के ज्ञान लाभ का मूल्यांकन करने के लिए सभी छात्रों के लिए प्री टेस्ट और पोस्ट टेस्ट आयोजित किया गया और अंकों के आधार पर छात्रों को ग्रेड के प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। पाठ्यक्रम प्रोफेसर डॉ. पूजा गुप्ता विभागाध्यक्ष और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के समग्र प्रभारी, डॉ. अंशू श्रीवास्तव पाठ्यक्रम समन्वयक और ललित कला विभाग के सभी संकाय सदस्यों की सहायता से आयोजित किया गया। बीएफए छात्र आकाश, कुलदीप, विरथ, शशांक, मुस्कान, सलोनी, शालिनी, ईशा, फ़राज़, गीतांश, प्रभात विदुषी शर्मा, सुजाता चौधरी पहली बार चाक पर मिट्टी के बर्तनों और लिनोकट प्रिंटमेकिंग का अनुभव करके खुश हैं क्योंकि यह उनके लिए एक नया विषय है। इंस्टालेशन कला उत्साह से भरी है क्योंकि छात्रों को विभिन्न दैनिक उपयोग की वस्तुओं के साथ एक कला कृति बनानी होती है।

पीलीभीत में मोबाइल चोरी के शक में किशोर की हत्या

पीलीभीत, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पीलीभीत जिले के गजरौला क्षेत्र में एक पखवारा पहले किशोर की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी दीपक चतुर्वेदी ने पत्रकारों को बताया कि बिठौरा कला गांव निवासी श्रवण कुमार के पुत्र कपिल (17) 12 अप्रैल को घर से गायब हो गया था और 14 अप्रैल को उसका शव गांव के बाहर रामस्वरूप के गेहूं के खेत में पड़ा मिला था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किशोर की गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि होने पर पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया था।

रजवाड़ा व आंवले की खेती से जुड़ी प्रतापगढ़ की पहचान

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। राजा, रानी, रजवाड़ा और आंवले की खेती से प्रतापगढ़ की पहचान जुड़ी हैं। सई नदी के तट पर और बेल्हा देवी के दरवाजे पर प्रतापगढ़ बसा है। आंवले के शहर में 17 बार लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इसमें 10 बार कांग्रेस और दो बार भाजपा को जीत मिल चुकी है। कुर्मी और मुस्लिम बाहुल्य सीट पर राजपूतों और राजघरानों का दबदबा है। जिससे सबसे ज्यादा राजपूत समाज के सांसद बने है। कांग्रेस इस सीट पर 10 बार जीत दर्ज की है। जबकि भाजपा को सिर्फ 2 बार जीत मिली है। कालाकांकर राजघराने के राजा दिनेश सिंह प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से 4 बार सांसद चुने गए थे। इस लोकसभा सीट पर एससी/एसटी, मुस्लिम, कुर्मी, ब्राह्मण और राजपूत वोटर्स की बहुलता है। भाजपा से मौजूदा सांसद संगमलाल गुप्ता और सपा कांग्रेस गठबंधन से सपा के डा एसपी सिंह पटेल उम्मीदवार बनाए गए हैं। बाकी दलों से उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। संगमलाल गुप्ता 2019 के चुनाव में बसपा के अशोक त्रिपाठी को हराकर भाजपा के सांसद बने थे। संगमलाल गुप्ता को 4,36,291 वोट और अशोक त्रिपाठी को 3,18,539 वोट मिले थे। गुप्ता 1,17,752 वोटों से चुनाव जीते थे। कांग्रेस उम्मीदवार राजुकमारी रत्ना सिंह 77096 वोट पाकर तीसरे स्थान पर थी। इस सीट पर अब तक 17 बार चुनाव हो चुके हैं। कांग्रेस 10 बार, भाजपा 2 बार बाकी जनसंघ, जनता पार्टी, अपना दल,जनता दल और सपा को एक एक बार जीत मिल चुकी है। बसपा का अबतक खाता बंद हैं।

तैयारी *लोकसभा चुनाव का लेकर निर्वाचन अधिकारी व एसएसपी ने दिए निर्देश*

समय से अपने गन्तव्य स्थल पर पहुंचे अधिकारी : दीपक मीणा

मेरठ, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। जनपद में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी दीपक मीणा के कुशल निर्देशन में लगातार कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। बुधवार को एनआईसी मेरठ में 10-मेरठ लोकसभा क्षेत्र की ईवीएम वीवीपैट मशीनों का ऑनलाईन रैण्डमाइजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा सामान्य प्रेक्षक गुरिन्दर पाल सिंह सहुता के समक्ष किया गया।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत बुधवार को चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा व एसएसपी रोहित सिंह सजवाण द्वारा पुलिस बल के कर्तव्यों के संबंध में ब्रीफिंग की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि 10-मेरठ लोकसभा क्षेत्र के निर्वाचन हेतु पोलिंग पार्टी विक्टोरिया पार्क से रवाना होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को समय से अपने गन्तव्य स्थल पर पहुचने के लिए कहा। जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने मतगणना केंद्र

सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मतदान के उपरांत ईवीएम मशीन सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढ़ग से जमा कराये जाने के दृष्टिगत स्ट्रांग रूम तथा वहां बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होने वहां की जा रही व्यवस्थाओ का जायजा लिया व संबंधित अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि जनपद में एफएसटी (उडन दस्ता)/एसएसटी व पुलिस विभाग की गठित टीमो द्वारा दिनांक 24.04.2024 को 5 लीटर शराब अंकन 1300 का जब्तीकरण किया गया। जनपद में आदर्श आचार सहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

■ जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्ट्रांग रूम व कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

■ पांच लीटर शराब का किया गया जब्तीकरण

■ विक्टोरिया पार्क से रवाना होगी पोलिंग पार्टी

भारतीय युवाओं में विदेश यात्रा के प्रति बढ़ रही है दिलचस्पी

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय युवाओं में विदेश यात्रा के प्रति दिलचस्पी में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। ग्लोबल ट्रैवल मार्केटप्लेस, स्काईस्कैनर की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 18 से 25 साल आयु वर्ग के युवा विदेश यात्रा के प्रति अधिक दिलचस्पी दिखा रहे है जिसमे से लगभग आधे यानी 47 फीसदी अपने माता-पिता या अभिभावक के बिना विदेश में अकेले यात्रा करने के ख्वाईशमंद हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 81 प्रतिशत युवा विदेश यात्रा की शुरुआत अपनी पहली नौकरी मिलने या अपना पहला वेतन मिलने के बाद करते हैं।

विदेश यात्रा का सपना पूरा करने के लिए भारत में हर तीन में से दो युवा मेहनत से बचत कर रहे हैं, जबकि हर पांच में से एक युवा बाय-नाउ-पे-लेटर विकल्पों का उपयोग करते हैं। स्काईस्कैनर के ट्रैवल एवं डेस्टिनेशन एक्सपर्ट, मोहित जोशी ने कहा, भारत में जेन ज़ी (18 से 25 वर्ष के बीच के युवा) खोजने की महत्वाकांक्षा रखते हैं।

चाहे सेमेस्टर ब्रेक या लंबे वीकेंड पर घूमने की इच्छा हो (42 प्रतिशत) या जन्मदिन, वर्षगाँठ, या ग्रेजुएशन जैसे अवसरों की खुशी मनानी हो (39 प्रतिशत), यात्रा करने का उनका जोश हर अवसर पर होता है।

देशबन्धु नई दिल्ली, गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

गौतमबुद्ध नगर में हर सप्ताह बदला चुनावी प्रचार ट्रैंड

नोएडा, 24 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा में चुनाव प्रचार थम गया। 26 अप्रैल को यहां मतदान होगा। प्रशासनिक अमले ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। इस बार यहां चुनाव प्रचार पांच सप्ताह चला। रोचक ये था कि हर सप्ताह के साथ चुनावी समीकरण और प्रचार का तरीका बदलता गया। आचार संहिता लगने के साथ ही प्रत्याशी विकास की डोर थामे चुनावी मैदान में उतरे। किसी ने पिछले 10 साल का विकास और निवेश का हवाला दिया। तो कोई प्रत्याशी 10 साल पहले किए गए विकास पर दम भरता दिखा। कोई ये आरोप लगाता रहा कि अमुक पार्टी तो सिर्फ उद्घाटन की पार्टी है। इन विकास के दावों के इर्द गिर्द घूमते चुनावी समर में मतदाता की चौखट तक पहुंचने का प्रयास कम ही किया गया। नोएडा में चुनाव प्रचार नहीं के बराबर ही किया गया। हालांकि देहात क्षेत्र में गर्मी के साथ चुनावी पारा चढ़ा। अंतिम समय तक तीनों प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशी ने रोड शो करके अपनी ताकत दिखाई। मतदाता का इन चुनावी रैलियो , रोड शो और जनसभाओं का कितना असर हुआ ये 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के मत प्रतिशत से साबित हो जाएगा। इस बार मत प्रतिशत बढ़ता है तो नया रिकार्ड भी कायम होगा।

विकास के दावों से हुआ शुरू, बिरादरी , सर्व समाज और अंत में जातीय समीकरण पर हुआ अंत

सप्ताह दर सप्ताह बदला चुनावी समीकरण इसे समझे

गौतमबुद्ध नगर पांच विधानसभा सीट जेवर, दादरी, नोएडा, खुर्जा और सिकंदराबाद से मिलकर बना है। यहां दो सीट खुर्जा और सिकंदराबाद बुलंदशहर में आती है। इन पांचों विधानसभा में पहले सप्ताह विकास पर वोट मांगे गए। जिसका कुछ खास असर यहां नहीं दिखा। प्रत्याशियों के सलाहकारों ने देहात क्षेत्र की तरफ रुख करने का इशारा किया। दूसरे सप्ताह से ही सिकंदराबाद, खुर्जा और दादरी को प्रत्याशियों ने वार जोन में तब्दील कर दिया। सभी प्रत्याशियों ने बिरादरियों को साधने का प्रयास किया।

तीसरे सप्ताह में सामाजिक सद्भाव, सर्व समाज और सर्व धर्म का हुआ प्रचार

इस बीच टिकट कटने और बांटने का सिलसिला जारी रहा। ठाकुर प्रत्याशी के नाम काटने और टिकट नहीं देने पर गौतमबुद्ध नगर के साठा-84 गांव और राजपूत समाज ने नाराजगी व्यक्त की और सम्मेलन किया। ये पूरा सप्ताह सिर्फ इसी में निकल गया। तीसरे सप्ताह में प्रत्याशियों ने ठाकुर समाज को साधने का प्रयास किया और ठाकुरों के बीच गए। पार्टियों के कद्दावर नेता भी सामने आए और चुनाव प्रचार विकास के हटकर बिरादरी और सामाजिक सद्भाव, सर्व समाज और सर्व धर्म का बन गया।

चौथा- पांचवा सप्ताह आया तो लौटा जातीय समीकरण

चौथा- पांचवां सप्ताह आते ही फिर वहीं पुराने प्रचार की तरफ बढ़ गया चुनाव। प्रत्याशियों ने जातीगत समीकरण पर दांव लगाना शुरू किया। पार्टी के स्टार प्रचारक भी आरक्षण कार्ड खेलते दिखे। दरअसल ये क्षेत्र प्रमुख रूप से गुर्जर, ठाकुर, दलित, मुस्लिम समुदाय से जुड़ा है। इनको साधने का मतलब वोट अपने पक्ष में करना। इसलिए तीनों प्रमुख पार्टियों के नेताओं ने देहात में रोड शो किया।

अब वीडियो जारी कर बोले 26 को करे मतदान

प्रचार समाप्त होने के एक घंटे पहले तीनों पार्टियों के प्रत्याशियों ने वीडियो संदेश जारी किया। जिसमें उन्होंने अपने पक्ष में ज्यादा से ज्यादा वोट मांगने का एक वीडियो रिलीज किया। फिलहाल 26 अप्रैल को गौतमबुद्ध नगर में मतदान होना है।

गुजरात के मेहसाणा पर बीजेपी का कब्जा रहेगा जारी या कांग्रेस की है पूरी तैयारी ?

मेहसाणा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के मेहसाणा में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला है। मेहसाणा में बीजेपी अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रही है। वहीं कांग्रेस ने भी पूरी तैयारी कर रखी है। भाजपा ने कडवा पाटीदार समाज के एक प्रमुख व्यक्ति और मेहसाणा जिले में पार्टी की इकाई के पूर्व अध्यक्ष 62 वर्षीय हरिभाई पटेल को उम्मीदवार बनाया है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय ठाकोर सेना के 52 वर्षीय रामजी ठाकोर नेता को चुना है, जो पहले पिछले विधानसभा चुनाव में खेरालु से निर्दलीय चुनाव लड़े थे और 36,000 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। मेहसाणा लोकसभा सीट के लिए रामजी ठाकोर और बीजापुर विधानसभा उपचुनाव में दिनेश पटेल को मैदान में उतारने के कांग्रेस की रणनीति को भाजपा के पुरुषोत्तम रुपाला के खिलाफ क्षत्रिय समुदाय के भीतर मौजूदा असंतोष को भुनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस निर्वाचन क्षेत्र में ठाकोर उम्मीदवार को टिकट देने के 26 साल के अंतराल के बाद यह निर्णय लिया गया है, जो ठाकोर और पाटीदार वोटरों को प्रभावित करने के लिए एक रणनीतिक कदम को दर्शाता है। पाटीदार समुदाय के एक महत्वपूर्ण कैडर का प्रतिनिधित्व करने वाले हरिभाई पटेल उंझा तालुका मेहसाणा जिले के सुनोक गांव से हैं। उनकी पूर्व भूमिकाओं में जिला पंचायत की स्थायी समिति के अध्यक्ष और मेहसाणा जिला भाजपा संगठन के अध्यक्ष शामिल हैं। उन्होंने तब मैदान में कदम रखा, जब निवर्तमान भाजपा प्रतिनिधि, शारदाबेन पटेल ने दोबारा चुनाव न लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। मेहसाणा भाजपा के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इसलिए है कि यहीं पर पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहली सीट हासिल की थी। 1984 में अपनी पहली जीत के बाद से, भाजपा ने यहां लगातार अपना दबदबा बनाए रखा है, ए.के. पटेल पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले व्यक्ति थे।

मेहसाणा वह जिला है जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृहनगर वडनगर स्थित है और यह पाटीदार आरक्षण आंदोलन का जन्म स्थान भी है। ऐतिहासिक संदर्भ में यह उन दो लोकसभा सीटों में से एक थी जिसे 1984 में राष्ट्रीय कांग्रेस लहर के दौरान भाजपा ने जीता था और इसके दीर्घकालिक राजनीतिक महत्व को उजागर किया था। वर्षों से मेहसाणा बीजेपी का गढ़ रहा है। हालांकि 1999 और 2004 में कांग्रेस यहां से जीत चुकी है। वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन पटेल 2014 में 14,000 वोटों के अंतर से हार गए। मेहसाणा विशेष रूप से अपनी पर्याप्त पटेल आबादी और कदवा पटेल उपसमूह के लिए जाना जाता है, जिसका क्षेत्र में महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव है। यह प्रभाव हार्दिक पटेल के नेतृत्व में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान प्रमुखता से प्रदर्शित हुआ था।

2011 की जनगणना के अनुसार, मेहसाणा की जनसंख्या 20,22,310 है, जिनमें से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों (74.15 प्रतिशत) और छोटी शहरी आबादी (25.85 प्रतिशत) में रहते हैं। अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय जनसंख्या का 7.61 प्रतिशत है, जबकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) की उपस्थिति न्यूनतम है। इस निर्वाचन क्षेत्र में उंझा, विसनगर, मेहसाणा, बेचराजी, विजापुर, मनसा और कादी जैसी विधानसभा सीटें शामिल हैं, जो उत्तरी गुजरात में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करती हैं। हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि 16,11,134 पंजीकृत मतदाता हैं, जो क्षेत्र में मजबूत लोकतांत्रिक भागीदारी का संकेत देते हैं। 2019 में भाजपा के शारदाबेन पटेल ने जीत हासिल की और सीट पर कब्जा बरकरार रखा। खास बात यह है कि नोटा तीसरे नंबर पर रहा था। 2014 में बीजेपी की जयश्री पटेल ने कांग्रेस के जीवाभाई पटेल को हराकर जीत हासिल की। इस सीट पर मतदान 7 मई को होना है।

- कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय ठाकोर सेना के 52 वर्षीय रामजी ठाकोर नेता को चुना है
- भाजपा ने मेहसाणा जिले में पार्टी की इकाई के पूर्व अध्यक्ष 62 वर्षीय हरिभाई पटेल को उम्मीदवार बनाया

यूपी की इटावा सीट पर दिलचस्प मुकाबला बीजेपी सांसद की पत्नी ने निर्दलीय भरा पर्चा

मृदुला कठेरिया ने 2019 में भी अपने पति के खिलाफ नामांकन दाखिल किया था

इटावा (उत्तर प्रदेश), 24 अप्रैल (एजेंसियां)। इटावा से भाजपा उम्मीदवार और मौजूदा सांसद राम शंकर कठेरिया असहज स्थिति में आ गए हैं। उनकी पत्नी मृदुला कठेरिया ने भी अपने पति के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया है। राम शंकर कठेरिया ने बुधवार को इटावा लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया।

गौरतलब है कि मृदुला कठेरिया ने 2019 में भी अपने पति के खिलाफ नामांकन दाखिल किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मृदुला कठेरिया ने कहा, 'देश में लोकतंत्र है। यहां हर कोई स्वतंत्र है, यहां कोई भी चुनाव लड़ सकता है। मैं अपने पति के खिलाफ खड़ी हूं और वह मेरे खिलाफ खड़े हैं। यह एक चुनाव है और हर कोई यहां चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस बार भी अपना नामांकन वापस ले लेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया कि उन्होंने मैदान से हटने के लिए अपना पर्चा दाखिल नहीं किया है।

गौरतलब है कि राम शंकर कठेरिया तीसरी बार बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर इटावा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं।

'देश में लोकतंत्र है। यहां हर कोई स्वतंत्र है, यहां कोई भी चुनाव लड़ सकता है। मैं अपने पति के खिलाफ खड़ी हूं और वह मेरे खिलाफ खड़े हैं :-मृदुला कठेरिया

केंद्र में बनेगी कांग्रेस की सरकार : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ही केंद्र में अगली सरकार बनायेगी। सिकंदराबाद लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार डी. नागेंद्र के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस इस बार भाजपा से यह सीट छीन लेगी। उन्होंने कहा, 'सिकंदराबाद निर्वाचन सीट का इतिहास बताता है कि जो भी पार्टी यह सीट जीतती है, केंद्र में उसी की सरकार बनती है। इस बार कांग्रेस यह सीट जीतेगी और केंद्र में सरकार बनायेगी।' खैराताबाद से बीआरएस के मौजूदा विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री नागेंद्र पिछले महीने कांग्रेस में शामिल हो गये थे। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद जी. किशन रेड्डी के खिलाफ सिकंदराबाद लोकसभा सीट से उन्हें मैदान में उतारा है। रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि 2004 में जब कांग्रेस उम्मीदवार अंजन कुमार यादव ने भाजपा के बंडारू दत्तात्रेय को हराया था, तब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आई थी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि 13 मई के चुनावों में यह दोहराया जाएगा।

मतदाताओं को धमकाने के लिए चुनाव आयोग ने तृणमूल विधायक को थमाया कारण बताओ नोटिस

कोलकाता, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मतदाताओं को डराने-धमकाने के आरोप में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को चोपड़ा विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस विधायक हमीदुल रहमान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। चोपड़ा दार्जिलिंग लोकसभा के अंतर्गत आने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होना है। आयोग ने रहमान को 25 अप्रैल तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी पश्चिम बंगाल के कार्यालय में नोटिस का जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। सीईओ कार्यालय के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि हाल ही में आयोग के संज्ञान में यह लाया गया था कि रहमान को एक सार्वजनिक सभा में मतदाताओं को डराते हुए देखा गया। उन्होंने कथित तौर पर सीएपीएफ कर्मियों के राज्य छोड़ने के बाद उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

विधायक हमीदुल को यह कहते हुए सुना गया, 'अपना बहुमूल्य वोट बर्बाद मत करो। कोई भी गलत खेल मत खेलो, चुनाव खत्म होने के बाद केंद्रीय बल राज्य छोड़ देंगे, फिर तुम्हें हमारी फोर्स से ही निपटना होगा, फिर मत रोना।' उसी बैठक में रहमान को अपनी ही पार्टी के पदाधिकारियों को कम से कम 90 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित नहीं करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते हुए भी सुना गया। रहमान ने बैठक में कहा था, 'आपको हर बूथ पर 90 फीसदी वोट सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा, स्थानीय नेताओं और पंचायत सदस्यों से निपटा जाएगा।'

विधायक हमीदुल को यह कहते हुए सुना गया

'अपना बहुमूल्य वोट बर्बाद मत करो। कोई भी गलत खेल मत खेलो, चुनाव खत्म होने के बाद केंद्रीय बल राज्य छोड़ देंगे, फिर तुम्हें हमारी फोर्स से ही निपटना होगा, फिर मत रोना'

अमेठी में पोस्टर वॉर शुरू, लगा रॉबर्ट वाड्रा के नाम का बैनर

अमेठी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा अमेठी से चुनाव लड़ सकते हैं। बीते दिनों उन्होंने राजनीति में आने के संकेत भी दिए थे, जिसके बाद माना जा रहा है कि वो बीजेपी की स्मृति ईरानी के खिलाफ अमेठी से ताल ठोक सकते हैं। लेकिन अभी तक इस बारे में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। इसी बीच, अमेठी में रॉबर्ट वाड्रा को लेकर पोस्टर वॉर शुरू हो गया है। पार्टी कार्यालय में पोस्टर लगाए गए हैं, लेकिन यह पोस्टर किसने लगाए हैं? अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। पोस्टर में कहा गया है कि 'अमेठी की जनता करे पुकार, रॉबर्ट वाड्रा अबकी बार, निवेदक अमेठी की जनता।

मतदान करने में पीछे है नोएडा की हाईराइज सोसायटी, इस बार लगे हैं 100 बूथ

नोएडा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का गौतमबुद्ध नगर सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला हाईटेक जिला है। लेकिन ये वोटिंग के मामले में पीछे है। आंकड़े बताते हैं कि नोएडा विधानसभा में 2014 में 53.46 प्रतिशत मतदान हुआ था और 2019 में 52.35 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार मतदान प्रतिशत को बढ़ाने और मतदाता को जागरूक करने एवं उन्हें बूथ तक लाने के लिए नोएडा की हाईराइज सोसायटी में 52 और ग्रेटर नोएडा की हाईराइज सोसायटी में 48 बूथ बनाए जा रहे हैं।

इस बार इन बूथ को बनाने का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा लोग हाईराइज सोसाइटियों में बूथ पर जाकर अपने मत का प्रयोग करें। पिछले कई बार के चुनाव में देखा गया है कि लोग इस दिन बूथ दूर होने की वजह से वहां नहीं जाते हैं। आंकड़ों की बात की जाए तो गौतमबुद्ध नगर की लोकसभा में पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं। जिसमें नोएडा, दादरी, जेवर, खुर्जा और सिकंदराबाद शामिल हैं। साल 2014 में नोएडा में 53.46 प्रतिशत, दादरी में 60.88 प्रतिशत, जेवर में 61.83 प्रतिशत, खुर्जा में 64.48 प्रतिशत, सिकंदराबाद में 64.10 प्रतिशत मतदान हुआ था। जबकि 2019 में नोएडा में 52.35 प्रतिशत, दादरी में 60.85 प्रतिशत, जेवर में 65.4 प्रतिशत, खुर्जा में 64.73 प्रतिशत और सिकंदराबाद में 65.93 प्रतिशत मतदान हुआ।

इन आंकड़ों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि गौतमबुद्ध नगर के शहरी क्षेत्र और हाईराइज इलाकों में मतदान का प्रतिशत कम है और लोग बूथ पर कम पहुंचे। जिला प्रशासन की इस बार कवायद है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाए और हाईराइज सोसायटी में रहने वाले लोगों को उनके पास में ही बूथ उपलब्ध कराकर उनको मतदान के लिए प्रेरित किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस बार 2,269 मतदान स्थल बनाए गए हैं। यह पहली बार होगा जब हाईराइज सोसायटियों के अंदर ही बूथ बनाए जाएंगे। डीएम ने बताया कि 7 बूथ महिलाओं के लिए डेडीकेटेड तौर पर बनाए जाएंगे, 4 बूथ दिव्यांगजनों के लिए, 5 बूथ यूथ के लिए होंगे। जिले में मॉडल बूथ की संख्या 51 होगी। यह वह मॉडल बूथ होंगे जिसमें सभी सुविधा होगी।

नोएडा विधानसभा में 2014 में 53.46 प्रतिशत व 2019 में 52.35 प्रतिशत मतदान हुआ था

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
जेएसडब्ल्यू स्टील	3.72 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.73 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.75 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.64 प्रतिशत
अल्ट्रासिमको	1.48 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
टेक महिंद्रा	1.17 प्रतिशत
टीसीएस	1.11 प्रतिशत
मारुति	0.72 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	0.68 प्रतिशत
रिलायंस	0.61 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	73,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूं एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

कोटक बैंक के ऑनलाइन नए ग्राहक जोड़ने व नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर प्रतिबंध

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड के अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग प्रणाली से नए ग्राहकों को जोड़ने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही उसने बैंक के नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर भी रोक लगा दी है।

हालांकि, आरबीआई ने कहा कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगा। आरबीआई के आदेश में कहा गया है कि एक मजबूत आईटी बुनियादी ढांचे और आईटी जोखिम प्रबंधन ढांचे के अभाव में, बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) और इसके ऑनलाइन तथा डिजिटल बैंकिंग चैनलों को पिछले दो साल में लगातार और महत्वपूर्ण रुकावटों का सामना करना पड़ा है। हाल ही में 15 अप्रैल 2024 को सेवा में व्यवधान हुआ है जिसके परिणामस्वरूप ग्राहकों को गंभीर असुविधाएं हुई। आईटी सिस्टम बनाने और अपनी वृद्धि के अनुरूप नियंत्रण करने में विफलता के कारण बैंक को आवश्यक परिचालन सुदृढ़ता तैयार करने में कमी पाई गई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक पर व्यावसायिक प्रतिबंध ग्राहकों के हित में और किसी भी संभावित लंबे समय के आउटेज को रोकने के लिए लगाए गए हैं, जो न केवल बैंक की कुशल ग्राहक सेवा प्रदान करने की क्षमता बल्कि डिजिटल बैंकिंग और भुगतान प्रणालियों के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भी गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगा : आरबीआई

एक्सिस बैंक को अंतिम तिमाही में 7130 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने मार्च 2024 तिमाही के लिए 7,129.67 करोड़ रुपए का एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि मार्च 2023 को समाप्त तिमाही में 5,728.42 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की इस अंतिम तिमाही के लिए उसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) वार्षिक 11 प्रतिशत बढ़कर 13,089 करोड़ रुपए हो गई। तिमाही के लिए शुल्क आय सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 5,637 करोड़ रुपए हो गई। खुदरा शुल्क सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़ा और बैंक की कुल शुल्क आय का 74 प्रतिशत था। बैंक ने कहा कि खुदरा कार्ड और भुगतान शुल्क में सालाना 39 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक बैंकिंग शुल्क कुल मिलाकर 2 प्रतिशत बढ़कर 1,478 करोड़ रुपए हो गया।

तिमाही के लिए व्यापारिक आय लाभ 1,021 करोड़ रुपए रहा, विविध आय 107 करोड़ रुपए रही। उसने कहा कि तीसरी तिमाही में बैंक का सकल एनपीए 1.58 प्रतिशत के मुकाबले चौथी तिमाही में 1.43 प्रतिशत रहा। शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.31 प्रतिशत पर आ गया। तिमाही के दौरान बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली 919 करोड़ रुपए रही। बैंक के निदेशक मंडल ने एक रुपए प्रति शेयर अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव किया है जिसका भुगतान वार्षिक आम बैठक के समापन की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। एक्सिस बैंक बोर्ड ने भारतीय/विदेशी मुद्रा में ऋण उपकरण जारी करके धन जुटाने को मंजूरी दे दी, जिसमें दीर्घकालिक बांड, मसाला बांड, टिकाऊ/ईएसजी बांड (हरित बांड सहित), वैकल्पिक/अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर, गैर-शामिल हैं।

पीएम मोदी ने 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला : जेपी मॉर्गन

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक बैंकिंग दिग्गज जेपी मॉर्गन चेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेमी डिमन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 400 मिलियन (40 करोड़) लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और वो भारत में अविश्वसनीय काम कर रहे हैं। मंगलवार को इकोनॉमिक क्लब ऑफ न्यूयॉर्क द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में डिमन ने मोदी सरकार द्वारा लागू किए गए आर्थिक सुधारों की सराहना की और कहा कि उनमें से कुछ को अमेरिका में भी लागू किया जा सकता है। उन्होंने पुरानी नौकरशाही प्रणालियों को चुनौती देने में पीएम मोदी की सराहना की और उन्हें 'टफ' कहा। टॉप बैंकर ने पीएम मोदी को भारत में पुरानी नौकरशाही व्यवस्था समाप्त करने के लिए एक 'टफ' प्रशासक के रूप में संदर्भित किया और कहा कि हमें यहां (अमेरिका में) भी इसकी थोड़ी अधिक आवश्यकता है।

■ भारत के जीएसटी शासन की भी सराहना की

68 वर्षीय बैंकर ने भारत के जीएसटी शासन की भी सराहना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई जाने वाली कर प्रणालियों में असमानता से पैदा होने वाले भ्रष्टाचार को दूर कर दिया है। डिमन ने प्रौद्योगिकी और वित्त में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें 700 मिलियन से अधिक नागरिकों के बैंक खाते होने के साथ डिजिटल पहचान और बैंकिंग सेवाओं को व्यापक रूप से अपनाने पर जोर दिया गया।

सी-डॉट व आईआईटी जोधपुर ने किया समझौता

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान और विकास केंद्र सी-डॉट और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर ने एआई का उपयोग करके 5जी और उससे आगे के नेटवर्क में स्वचालित सेवा प्रबंधन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौते पर टीटीडीएफ के तहत हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसे ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में किफायती ब्रॉडबैंड और मोबाइल सेवाओं को सक्षम करने के लिए प्रौद्योगिकी डिजाइन, विकास, दूरसंचार उत्पादों के व्यावसायीकरण और समाधान में कार्यरत घरेलू कंपनियों और संस्थानों को वित्त पोषण सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसका मुख्य उद्देश्य 5जी जैसे नेटवर्क में सृजित हो रही निरंतर जानकारी का उपयोग करके स्वचालित नेटवर्क प्रबंधन, गलती का पता लगाने और निदान तकनीकों के लिए एआई ढांचे को विकसित करना है। यह सेवा स्मार्ट मीटरिंग, रिमोट से संचालित वाहनों आदि जैसे विशिष्ट एप्लिकेशन के संयोजन में विकसित स्वचालित नेटवर्क प्रबंधन और स्लाइसिंग तकनीकों के प्रदर्शन के लिए एक वास्तविक समय 5जी और उससे आगे टेस्टबेड (ओ-आरएएन के अनुपालन में) स्थापित करेगी।

एयरटेल ने लेह व लद्दाख में नेटवर्क कवरेज का किया विस्तार

■ एयरटेल का नेटवर्क लद्दाख के 40 से ज्यादा इलाकों में उपलब्ध

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। टेलीकॉम सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने आज लेह और लद्दाख के दुर्गम क्षेत्रों में अपने नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि यह विकास आगामी यात्रा सीजन के लिए बिल्कुल सही समय पर हुआ है, जो यात्रियों को पूरे क्षेत्र में असीमित 5जी सेवा का आनंद लेने के लिए प्रेरित करेगा। अब एयरटेल का नेटवर्क लद्दाख के 40 से ज्यादा इलाकों में उपलब्ध है। इससे वहां के रहने वाले लोग और यहां आने वाले यात्री अपनी पूरी यात्रा के दौरान अच्छी कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकेंगे। यह भारत के मनोरम क्षेत्र लेह और लाख में बिना किसी रुकावट के कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की एयरटेल की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसका आनंद सभी यात्री ले रहे हैं।

यह विकास आगामी यात्रा सीजन के लिए बिल्कुल सही समय पर हुआ है, जो यात्रियों को असीमित 5जी सेवा का आनंद लेने के लिए प्रेरित करेगा : आदर्श वर्मा

एयरटेल जम्मू और कश्मीर के सीओओ आदर्श वर्मा ने कहा कि हमें लेह और लद्दाख क्षेत्र में ग्राहकों के लिए अपने नेटवर्क अनुभव को बढ़ाकर खुशी हो रही है। हमें पूरा विश्वास है कि इस यात्रा सीजन में, हमारे ग्राहक हर जगह उपलब्ध हाई-स्पीड डेटा तक पहुंच की शक्ति का आनंद लेंगे जो इन प्रतिष्ठित स्थानों में नए अवसरों और अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करेगा।

जांस्कर घाटी में एयरटेल ने लेह के चुनिंदा इलाकों में अपनी अत्याधुनिक एयरटेल 5जी सेवा शुरू की, जो इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी मानकों के लिए एक नया पैमाना स्थापित कर रही है। लेह के प्रमुख पर्यटन स्थल-दुरबुक, तांगत्से, पैंगोंग झील, हॉल ऑफ फेम, मैग्नेटिक हिल, संगम, दिसकित और तुरतुक-अब एयरटेल के अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस हो गए हैं।

सार संक्षेप

एएसके ऑटोमोटिव का ऐसिन ग्रुप के साथ साझेदारी

नई दिल्ली। दोपहिया वाहनों के लिए में ब्रेक शूज़ और अडवान्स्ड ब्रेकिंग सिस्टम बनाने की वाली कंपनी एएसके ऑटोमोटिव लिमिटेड ने पैसेंजर कार प्रोडक्ट के लिए इंडीपेंडेंट आफ्टरमार्केट में ऑटो कम्पोनेंट की मार्केटिंग और बिक्री के लिए ऐसिन ग्रुप कंपनीज़ के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाने की घोषणा की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि ऐसिन एशिया (थाईलैण्ड) कंपनी लिमिटेड और एसिन ऑटोमोटिव हरियाणा प्राइवेट लिमिटेड इसमें शामिल हैं। इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां, पैसेंजर कार प्रोडक्ट्स के इंडीपेंडेंट आफ्टरमार्केट के लिए भारत, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में अपने फुटप्रिन्ट का विस्तार करेंगी। यह संयुक्त उद्यम एएसके ऑटोमोटिव की वितरण नेटवर्क क्षमता और ऐसिन ग्रुप कंपनीज़ की क्षमता का उपयोग करेगा। दोनों के संसाधान और विशेषज्ञता अंतिम उपभोक्ता के लिए इंडीपेंडेंट आफ्टरमार्केट में उच्च गुणवत्ता पैसेंजर कार प्रोडक्ट्स को सुलभ बनाने में योगदान देंगे।

अमृतसर में गेहूं का उठान 177 प्रतिशत के पार

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर के जिला उपायुक्त घनशाम थोरी ने बुधवार को कहा कि मंगलवार शाम तक 72 घंटों में खरीदे गए गेहूं का औसत उठाव 177 प्रतिशत हुआ। इसमें से खरीद एजेंसी पनसप ने 290 प्रतिशत, पनग्रेन ने 176 प्रतिशत, मार्कफेड ने 174 प्रतिशत और पंजाब स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन ने 112 प्रतिशत गेहूं की खरीद 72 घंटों में हासिल कर ली है। थोरी ने गेहूं की खरीद का जायजा लेने के लिए मजीठ मंडी का दौरा किया। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे मंडियों में सूखा गेहूं लेकर आएं, ताकि एजेंसियां 24 घंटे के भीतर गेहूं खरीदकर उठान कर सकें। उपायुक्त ने गेहूं की तेजी से खरीद और उठान की आवश्यकता पर बल दिया।

टीवी ऐप लॉन्च करेगा एक्स : लिंडा याकारिनो

नई दिल्ली। गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब को टक्कर देते हुए, एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जल्द ही यूजर्स के लिए हाई क्वालिटी वीडियो अपलोड करने के लिए एक टीवी ऐप लॉन्च करेगा। इसकी घोषणा सीईओ लिंडा याकारिनो ने की। एक्स टीवी ऐप का यूजर इंटरफेस काफी हद तक यूट्यूब जैसा होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में याकारिनो ने कहा कि छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक, एक्स सब कुछ बदल रहा है। एक्स सीईओ ने कहा कि जल्द ही हम एक्स टीवी ऐप के साथ आपके स्मार्ट टीवी पर रियल टाइम कंटेंट लाएंगे। बड़ी स्क्रीन पर हाई क्वालिटी, शानदार एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस के लिए यह आपका पसंदीदा साथी होगा। यूजर्स ट्रेंडिंग वीडियो एल्गोरिदम, एआई-पावर्ड टॉपिक, क्रॉस-डिवाइस एक्सपीरियंस, बेहतर वीडियो सर्च, आसान कास्टिंग और व्यापक उपलब्धता (अधिकतर स्मार्ट टीवी पर जल्द ही आने वाले) की उम्मीद कर सकते हैं। याकारिनो ने कहा कि हम आपको अपडेट रखेंगे।

लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में लगातार बढ़त का सिलसिला जारी

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान तनाव को लेकर जारी चिंता कम होने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर धातु, कमोडिटीज, हेल्थकेयर और इंडस्ट्रियल्स समेत सत्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन बढ़त का सिलसिला जारी रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 114.49 अंक मजबूत होकर 73,852.94 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 34.40 अंक चढ़कर 22,402.40 अंक हो गया। दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई, जिससे बीएसई का मिडकैप 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ 40,956.70 अंक और स्मॉलकैप 0.79 प्रतिशत उठकर 46,858.60 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3929 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2253 हरे जबकि 1567 लाल निशान पर बंद हुई वहीं 109 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 30 कंपनियों में तेजी जबकि अन्य 20 में गिरावट रही। बीएसई के 17 समूह मजबूत रहे। इससे धातु 2.83, कमोडिटीज 1.62, सीडी 0.16, ऊर्जा 0.69, एफएमसीजी 0.08, वित्तीय सेवाएं 0.37, हेल्थकेयर 1.03, इंडस्ट्रियल्स 1.13, यूटिलिटीज 0.49, ऑटो 0.06, बैंकिंग 0.53, रियलिटी गुड्स 0.90, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.49, तेल एवं गैस 0.96, पावर 0.54, रियल्टी 0.81 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.79 प्रतिशत लाभ में रहे। विदेशी बाजारों का रुझान सकारात्मक रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.57, जर्मनी का डैक्स 0.24, जापान का निक्केई 2.42, हांगकांग का हैंगसेंग 2.21, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.01 और चीन शंघाई कम्पोजिट 0.76 प्रतिशत चढ़ गया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 219 अंक की तेजी के साथ 73,957.57 अंक पर खुला और लिवाली की बदौलत दोपहर से पहले 74,121.61 अंक के उच्चतम स्तर को छुआ। वहीं, बिकवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 73,788.61 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 73,738.45 अंक की तुलना में 0.16 प्रतिशत बढ़कर 73,852.94 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 54 अंक उठकर 22,421.55 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,476.45 अंक के उच्चतम जबकि 22,384.00 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,368.00 अंक के मुकाबले 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,402.40 अंक पर रहा।

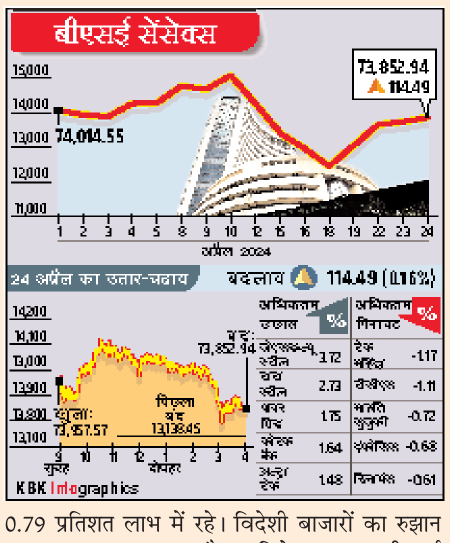

■ सेंसेक्स 114.49 अंक मजबूत होकर 73,852.94 पर

■ निफ्टी 34.40 अंक चढ़कर 22,402.40 पर बंद

इस दौरान सेंसेक्स की जिन कंपनियों के शेयर मजबूत रहे उनमें जेएसडब्ल्यू स्टील 3.72, टाटा स्टील 2.73, पावरग्रिड 1.75, कोटक बैंक 1.64, अल्ट्रासिमको 1.48, एनटीपीसी 1.25, बजाज फाइनेंस 0.94, एक्सिस बैंक 0.72, एलटी 0.69, टाटा मोटर्स 0.51, आईसीआईसीआई बैंक 0.40, एचडीएफसी बैंक 0.25 और एसबीआई 0.02 प्रतिशत शामिल हैं। वहीं, टेक महिंद्रा 1.17, टीसीएस 1.11, मारुति 0.72, इंफ़ोसिस 0.68, रिलायंस 0.61, टाइटन 0.54, एचसीएल टेक 0.47, भारती एयरटेल 0.45, विप्रो 0.39, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.35, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.16, एशियन पेंट 0.14 और आईटीसी के शेयर 0.08 प्रतिशत नुकसान में रहे।

टेस्ला को पुनर्गठित करने का समय : मस्क

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। एलन मस्क ने बुधवार को कहा कि अब टेस्ला को 'पुनर्गठित' करने का समय आ गया है। इलेक्ट्रिक कार कंपनी ने 1.1 बिलियन डॉलर की शुद्ध आय और 21 बिलियन डॉलर का राजस्व दर्ज किया है, जो एक साल पहले की अवधि के 23.3 बिलियन डॉलर से 9 प्रतिशत कम है। टेस्ला ने इस महीने अपने 10 प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की और मस्क ने कहा कि यह कदम कंपनी के विकास के लिए जरूरी था। मस्क ने अर्निंग कॉल पर एनालिस्ट से कहा कि वैश्विक स्तर पर ईवी अपनाने की दर दबाव में है और कई अन्य ऑटो निर्माता ईवी को वापस खींच रहे हैं और इसके बजाय प्लग-इन हाइब्रिड को अपना रहे हैं। अरबपति ने कहा कि हमारा मानना है कि यह सही रणनीति नहीं है, और इलेक्ट्रिक वाहन आखिर में बाजार पर हावी हो जाएंगे। शेयरहोल्डर नोट में, टेस्ला ने कहा कि वह नए और ज्यादा किफायती प्रोडक्ट्स पेश करने के लिए अपने मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग का लाभ उठाने पर फोकस कर रहा है।

कंपनी अगस्त में निर्मित रोबोटैक्सी या साइबर कैब का प्रदर्शन करेगी : एलन मस्क

कंपनी ने कहा कि उसने 2025 की दूसरी छमाही में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले नए मॉडल्स के लॉन्च में तेजी लाने के लिए व्हीकल लाइन-अप को अपडेट किया है। मस्क ने कहा कि कंपनी अगस्त में निर्मित रोबोटैक्सी या साइबर कैब का प्रदर्शन करेगी।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मई का पाम ऑयल वायदा 33 रिंगिट फिसलकर 4040 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.18 सेंट की गिरावट के साथ 45.70 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और ये पिछले स्तर पर पड़ी रही। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के

थोक दाम इस प्रकार रहे : दाल-दलहन : चना 6100-6200, दाल चना 7100-7200, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 10000-10100, उड़द दाल 11000-11100, अरहर दाल 12000-12100 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2600-2700 रुपए और चावल : 2800-2900 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4000-4100, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

आरएन-वैंकोर का इको आर्कटिक फोरम आयोजित

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (आईएएनएस)। प्रमुख रूसी तेल और गैस कंपनी रोसनेफ्ट की सहायक कंपनी आरएन-वैंकोर ने हाल ही में रूस के उत्तर में क्रास्नोयार्स्क क्षेत्र में एक यूनिक इकोआर्कटिक फोरम का आयोजन किया। इको आर्कटिक फोरम सरकारी एजेंसियों, स्थानीय समुदायों और शिक्षा जगत के सदस्यों को आर्कटिक के कमजोर इकोसिस्टम की सुरक्षा और तैमिर प्रायद्वीप के स्वदेशी समुदायों की पारंपरिक आजीविका के संरक्षण के बारे में बातचीत में शामिल होने के लिए एक खुला मंच प्रदान करता है।

तैमिर रूस का सबसे बड़ा प्रायद्वीप और यूरेशियन महाद्वीप की सबसे उत्तरी मुख्य भूमि है। गंभीर जलवायु इस सुदूर क्षेत्र में रहने वाले स्वदेशी लोगों के जीवन का तरीका निर्धारित करती है। यहां पारंपरिक स्थानीय उद्योग बारहसिंगा पालन है। फोरम के मुख्य कार्यक्रम में रेनडियर हर्डर दिवस, स्थानीय स्वदेशी लोगों का वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण उत्सव शामिल था। यह कार्यक्रम तैमिर के डोलगानो-नेनेट्स नगर जिले में स्थित नोसोक शहर में तेल कंपनी के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह शहर लगभग दो हजार निवासियों का घर है, जिनमें से अधिकांश स्वदेशी कम संख्या वाले लोगों के सदस्य हैं। रेनडियर हर्डर डे के हिस्से के रूप में, निवासियों ने रेनडियर द्वारा खींची गई स्लेज रेस सहित पारंपरिक प्रतियोगिताओं की एक सीरीज में हिस्सा लिया। सभी विजेताओं को आरएन-वैंकोर के सौजन्य से पुरस्कार दिए गए। उत्सव का समापन स्थानीय कलाकारों द्वारा दिए गए संगीत कार्यक्रम के साथ हुआ।

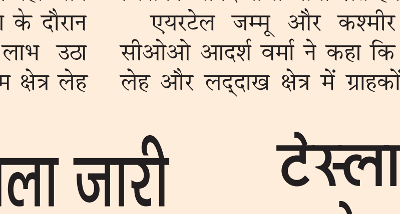

■ तेल कंपनी के सहयोग से आयोजित किया गया कार्यक्रम

■ सरकारी, गैर-सरकारी संगठनों, वैज्ञानिकों व संरक्षणवादियों ने चर्चा में लिया हिस्सा

इसके अलावा, इकोआर्कटिक फोरम के हिस्से के रूप में वैज्ञानिक, पर्यावरण और सामाजिक अनुसंधान का समर्थन करने के लिए आरएन-वैंकोर के अनुदान कार्यक्रम पर एक गोलमेज चर्चा की गई, जो तैमिर के डोलगानो-नेनेट्स समुदायों की भलाई के लिए है। सरकारी एजेंसियों और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ वैज्ञानिकों और संरक्षणवादियों ने चर्चा में हिस्सा लिया।

विशेष रूप से, आर्कटिक रिसर्च एंड डिजाइन सेंटर फॉर कॉन्टिनेंटल शेल्फ डेवलपमेंट के जीव वैज्ञानिकों ने मंच के प्रतिभागियों को अपने व्यापक पारिस्थितिकी कार्यक्रम के बारे में बताया, जिसे सेंटर वर्तमान में रूसी संघ के प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण मंत्रालय के साथ मिलकर क्रास्नोयार्स्क क्षेत्र के उत्तर में रोसनेफ्ट की बायोमॉनिटरिंग गतिविधियों के फोकस के नए क्षेत्रों को लागू कर रहा है।

खेल जगत

सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण करना सीखने का अनुभव है : रोपनी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर रोपनी कुमारी ने पिछले वर्ष को याद करते हुए कहा कि कैसे भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के साथ खेलने के लगातार अवसरों ने उनके विकास में योगदान दिया और उन्हें सीनियरों से सीखने का अवसर मिला। रोपनी को हाल ही में 33 सदस्यीय राष्ट्रीय महिला टीम कोर ग्रुप में नामित किया गया है जो बेंगलुरु के साई केंद्र में प्रशिक्षण ले रही है यह प्रशिक्षण 16 मई तक चलेगा।

सनराइजर्स हैदराबाद को हरा हिसाब बराबर करने के लिए उतरेगी आरसीबी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ हैदराबाद के विजय रथ को रोकने के लिए आरसीबी के गेंदबाजों को दिखानी होगी धार
■ आरसीबी को हैदराबाद के हेड और अभिषेक को सस्ते में आउट करना होगा

नई दिल्ली, 24 मार्च (देशबन्धु)। विराट कोहली के एक शतक और दो अर्धशतक जड़ रन बनाने में सबसे आगे रहने के बावजूद मात्र पंजाब किंग्स से मैच जीतने को छोड़ अपने आठ में पिछले लगातार छह सहित कुल सात मैच हार मौजूदा आईपीएल 2024 क्रिकेट में मात्र दो अंक के साथ दसवें व अंतिम स्थान पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के सामने बृहस्पतिवार को सनराइजर्स हैदराबाद को उसके घर में रिटर्न मैच में हरा उससे बेंगलुरू में मिली 25 रन से हार का हिसाब चुका सम्मान बचाने की चुनौती है। आरसीबी अब हैदराबाद से अपना मैच जीतती भी है तो भी वह नॉकआउट के लिए अगर मगर में फंसी रहेगी।

वहीं ट्रेविज हेड के एक शतक और दो अर्धशतक सहित अपने मौजूदा सीजन में सात में पिछले लगातार चार मैच सहित कुल पांच मैच जीत सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) दस अंकों के साथ तीसरे स्थान पर चल रही है। आरसीबी के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रिटर्न मैच से पहले अच्छी बात यह है कि वह कोलकाता में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बड़े स्कोर वाला मैच मात्र एक रन से हारी थी। आरसीबी के लिए मानसिक थकान के चलते बाहर ग्लेन मैक्सवेल के बाहर की जगह टीम में शामिल विल जैक और रजत पाटीदार ने पिछले मैच में केकेआर के तेज आंद्रे रसेल के एक ही ओवर में आउट होने से पहले अर्द्धशतक जड़ने के साथ शतकीय भागीदारी की थी और मिचेल स्टार्क के मैच के आखिरी ओवर में कर्ण शर्मा ने तीन छक्के जड़ कर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा चूक गए थे।

विराट (कुल 379 रन), दो-दो अर्धशतक जड़ने वाले फाफ डू प्लेसी (कुल 239 रन) और दिनेश कार्तिक (251 रन) के साथ एक एक अर्द्धशतक जड़ने वाले विल जैक, पाटीदार की मौजूदगी में आरसीबी की बल्लेबाजी मजबूत है और उसके गेंदबाजों ने एक इकाई के रूप में बढ़िया प्रदर्शन किया तो वह जरूर जीत की राह पर लौट सकती है। आरसीबी के बल्लेबाजों को हैदराबाद के सबसे कामयाब तेज गेंदबाज टी. नटराजन (कुल 10 विकेट), कप्तान पैट कमिंस(9 विकेट), लेग स्पिनर मयंक मारकंडे (कुल सात विकेट) और जयदेव उनादकट(चार विकेट) और भुवनेश्वर कुमार (चार विकेट)से चौकस रहना होगा।

हेड (कुल 324 रन) और उनके नौजवान सलामी जोड़ीदार एक अर्द्धशतक जड़ने वाले अभिषेक शर्मा (कुल 257 रन) ने सनराइजर्स हैदराबाद को पिछले दो मैचों में पहले आरसीबी के खिलाफ और फिर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खासतौर पर पहले पॉवरप्ले में दनादन क्रिकेट के मिजाज के मुताबिक शुरू के छह ओवर में ही दनादन आगाज कर उसे जोरदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हेड ने खासतौर पर आरसीबी के खिलाफ शुरू के छह ओवर में उसके गेंदबाजों की धुनाई कर उन्हे पस्त किया ही तीन अर्द्धशतक जड़ने वाले हेनरिक क्लासेन (कुल 268 रन) और एक एक अर्द्बशतक जड़ने वाले एडन मरक्रम (कुल 160 रन), शाहबाज अहमद (कुल 129 रन) और निशिथ रेड्डी (कुल 115 रन) ने निचले क्रम में उतर कर शुरू से दे दनादन कर सनराइजर्स हैदराबाद को बड़ा स्कोर खड़ा कर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आरसीबी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज(कुल पांच विकेट), कैमरून ग्रीन (चार विकेट) रीस टॉप्ले (चार विकेट) और लॉकी फर्गुसन (तीन विकेट) जैसे अपनी लय और दिशा पाने के लिए जूझते गेंदबाजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती हैदराबाद के हेड ,उनके सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा पर पारी के शुरू के ओवर में और पारी के बीच और आखिर में मरक्रम और हेनरिक क्लासेन के रनों के तूफान पर लगाम लगाना बृहस्पतिवार को बड़ी चुनौती होगा। हेड, अभिषेक, मरक्रम, क्लासेन और निशित रेड्डी जैसे हैदराबाद के रंग में चल रहे बल्लेबाजों के रनों के प्रवाह पर रोकना आरसीबी के गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती होगा। हेड और अभिषेक शुरू के पॉवरप्ले में रंग में रहे तो फिर आरसीबी के लिए हैदराबाद को उसके घर में रोकना बेहद टेढ़ी खीर साबित होगा।

दुनिया के सबसे क्लीन हिटर हैं पूरन : मैथ्यू हेडन

चेन्नई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 211 रनों के शानदार लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के विकेटकीपर-बल्लेबाज के दमदार प्रदर्शन के बाद निकोलस पूरन को दुनिया का सबसे क्लीन हिटर बताया। जैसे ही मार्कस स्टॉयनिस ने 63 गेंदों पर नाबाद 124 रन बनाकर पहला शतक लगाया, पूरन ने दूसरे छोर से 15 गेंदों में 34 रन की पारी खेलकर उनका समर्थन किया और अपने घर में गत चैंपियन के खिलाफ रिकॉर्ड रन चेज़ को अंजाम दिया। दीपक हुडा ने भी छह गेंदों में 17 रन बनाकर रिकॉर्ड जीत में अपनी भूमिका निभाई। चेननई के खिलाफ लखनऊ के बल्लेबाजी प्रदर्शन पर बोलते हुए हेडन ने पूरन की प्रशंसा की और कहा कि 28 वर्षीय खिलाड़ी के पास गति और स्पिन दोनों के खिलाफ खेलने के लिए शॉट्स के बेहतरीन विकल्प हैं।

हेडन ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा कि मैं निकोलस पूरन के बारे में भी ऐसा कह सकता हूं। पडिक्कल ने आउट होने से पहले जो 19 गेंदें खेलीं, वह मार्कस स्टॉयनिस को भारी दबाव में डाल रही थी। लेकिन पूरन ने यह दबाव कम किया। मुझे लगता है कि इस आईपीएल में निकोलस पूरन दुनिया के सबसे क्लीन हिटर हैं। हेडन ने आगे चर्चा की कि एलएसजी पूरन का उपयोग कैसे कर सकता है और सुझाव दिया कि बाएं हाथ का बल्लेबाज स्टॉयनिस के साथ ऊपरी क्रम में आ सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वेस्टइंडीज के लिए अपनी भूमिका के समान लंबे समय तक बल्लेबाजी कर सकता है। ठीक है, मैंने अपने साथी जस्टिन लैंगर के साथ इस बारे में चर्चा की है कि वे उसका उपयोग कहां करते हैं। वहां दो विचार धाराएं हैं। एक विचारधारा है जो कहती है, हमें 5वें और 6वें स्थान पर बल्लेबाजी करने वाले किसी व्यक्ति की जरूरत है और निकोलस पूरन बिल्कुल ऐसा कर सकते हैं। लेकिन फिर आप देखते हैं, देवदत्त पडिक्कल जैसा कोई व्यक्ति, जिसके पास वह टूर्नामेंट नहीं था जिसकी आप उससे उम्मीद करते थे। आपके पास पूरन के रूप में एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है जो ऊपरी क्रम में आ सकता है स्टोइनिस के साथ और 4 पर संयोजन में और

निकोलस पूरन के बारे में भी ऐसा कह सकता हूं। पडिक्कल ने आउट होने से पहले जो 19 गेंदें खेलीं, वह मार्कस स्टॉयनिस को भारी दबाव में डाल रही थी : मैथ्यू हेडन, पूर्व क्रिकेटर

लंबे समय तक बल्लेबाजी कर सकते हैं और यही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी कर रहे हैं। इसलिए, जाहिर है, वे अभी भी निचले क्रम में एलएसजी के लिए अपनी भूमिका निभाने में वास्तव में सहज हैं। मुझे लगता है कि अभी भी गुंजाइश है क्योंकि टूर्नामेंट थोड़ा कड़ा हो गया है और स्कोरबोर्ड दबाव एक विकल्प बन गया है। आप टीम के लिए इसे आगे ले जाने के लिए एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चाहते हैं।

सीएसके सही टीम कॉम्बिनेशन की तलाश में है : फ्लेमिंग

चेन्नई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को इस आईपीएल सीजन की कार्ययोजना में बदलाव करना पड़ा है, जिसके बाद कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि टीम सही संयोजन खोजने की कोशिश कर रही है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, मथीशा पथिराना (हैमस्ट्रिंग) और रहाणे (काफ निगल) की चोटों के कारण सीएसके का संतुलन बिगड़ गया है। इसके अतिरिक्त, मुस्तफिजुर रहमान की सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अनुपस्थिति भी टीम को महंगी पड़ गई। रचिन रवींद्र को बाहर करने का निर्णय और उनकी जगह डेरिल मिचेल को टीम में शामिल करने के साथ कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को शीर्ष पर अजिंक्य रहाणे के साथ जोड़ने के लिए बल्लेबाजी क्रम में जो बदलाव हुए, उससे टीम को ज्यादा लाभ नहीं मिला। फ्लेमिंग ने मैच के बाद कहा कि हम कुछ क्षेत्रों में थोड़े असहज हैं। इसलिए, हम बस कोई समाधान ढूंढने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। जल्द ही टीम में एक बड़ा बदलाव होगा जिसमें मुस्तफिजुर बाकी सीजन के लिए टीम का साथ छोड़ देंगे। तो, हम बस तैयारी करने और एक ऐसी टीम बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो हमें मैच जिता सके और आगे बढ़ने का मौका दे सके।

प्राइम टेबल टेनिस लीग का सीजन दो 27 और 28 अप्रैल को होगा

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सफल सीजन 1 के बाद, प्राइम टेबल टेनिस का दूसरा सीजन 27 और 28 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। पहले सीजन की नींव पर निर्माण, जो ठाणे जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के खिलाड़ियों पर केंद्रित था। दूसरे सीज़न में महाराष्ट्र के शीर्ष खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दूसरा सीज़न पलावा शहर में ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किया जाएगा और लीग ने पहले ही महाराष्ट्र राज्य टेबल टेनिस एसोसिएशन के साथ 5 साल का समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जो खेल को लोकप्रिय बनाने, इसे और अधिक सुलभ और व्यापक दर्शकों के लिए आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करता है। सीज़न 2 में 8 टीमें होंगी, जिसमें कुल 56 शीर्ष स्तरीय एथलीट होंगे और प्रत्येक टीम में 7 खिलाड़ी होंगे। खिलाड़ियों का चयन 5 नवंबर, 2023 को आयोजित एक खिलाड़ी नीलामी के माध्यम से किया गया था। मार्की पुरुष वर्ग में, दीपित पाटिल, चिन्मय सोमैया, और सिद्धेश पांडे ने सबसे अधिक बोली हासिल की, जिन्होंने तीव्र प्रतिस्पर्धा के लिए मंच तैयार किया। मार्की महिला वर्ग में समान रूप से उल्लेखनीय अधिग्रहण हुए, जिसमें श्रुति अमृते, श्रेया देशपांडे और समृद्धि कुलकर्णी ने सबसे अधिक बोली हासिल की, जो टेबल टेनिस प्रतिभा में बढ़ती रुचि और निवेश को दर्शाता है। दुर्जेय खिलाड़ी लाइनअप को इकट्ठा करने के अलावा, प्रत्येक टीम ने एक पूर्ण और व्यापक टीम संरचना सुनिश्चित करने के लिए मुख्य कोच, सहायक कोच और प्रबंधकों की नियुक्ति में सावधानीपूर्वक कदम उठाए हैं। ठाणे जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव और एमएसटीटीए के महासचिव यतिन टिपनिस ने कहा कि हम प्राइम टेबल टेनिस के आगामी दूसरे सीजन को लेकर रोमांचित हैं। हमें विश्वास है कि यह सीजन पहले सीजन से आगे निकल जाएगा, खासकर महाराष्ट्र के शीर्ष खिलाड़ियों के शामिल होने से। अपने आप को और भी अधिक रोमांचक मैचों के लिए तैयार करें क्योंकि दर्शकों को कौशल और खेल की ताकत का एक आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

मार्की पुरुष वर्ग में, दीपित पाटिल, चिन्मय सोमैया, और सिद्धेश पांडे ने सबसे अधिक बोली हासिल की

नरसिंह यादव भारतीय कुश्ती संघ के एथलीट आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां) यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के निर्देश पर भारतीय एथलीट आयोग का चुनाव बुधवार को संपन्न हुआ। फेडरेशन कप का आयोजन 24 से 26 अप्रैल तक एम्फी थिएटर ग्राउंड, वाराणसी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट के दौरान आज एथलीट कमीशन का चुनाव कराया गया। चुनाव में 25 राज्यों के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नरसिंह यादव को एथलीट आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उद्घाटन 24 अप्रैल बुधवार को औघड़ गुरुपद संभव राम ने किया। पहले दिन 24 अप्रैल को फ्री स्टाइल कुश्ती स्पर्धा हुई। दूसरे दिन 25 अप्रैल को महिला पहलवानों की प्रतियोगिता होगी। अंतिम दिन 26 अप्रैल को ग्रीको रोमन कुश्ती में पहलवान दमखम दिखाएंगे। इन स्पर्धाओं में 25 राज्यों के 350 पुरुष तथा 150 महिला पहलवान सहभागिता कर रहे है। इनके अलावा स्पर्धा में 100 कोच, रेफरी और फिजियोथेरेपिस्ट भी शामिल हुए। नरसिंह यादव ने विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में भारत के लिए पदक जीता है। उन्होंने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था, ट्रिपल महाराष्ट्र केसरी, भारतीय कुश्ती में एक खिताब उनके नाम है। वह 2011, 2012 और 2013 में लगातार 3 बार महाराष्ट्र केसरी का खिताब जीतने वाले पहले पहलवान हैं। कुश्ती में उनके योगदान के लिए उन्हें 2012 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

■ चुनाव में 25 राज्यों के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने भाग लिया

सूर्यकुमार टी-20 रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज, आफरीदी, चैपमैन आगे बढ़े

दुबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पाकिस्तान की चल रही टी20 सीरीज में अपनी मजबूत शुरुआत के दम पर नवीनतम आईसीसी पुरुष टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में दो पायदान ऊपर 17वें स्थान पर पहुंच गए। आफरीदी श्रृंखला के पहले तीन मैचों में अग्रणी विकेट लेने वाला गेंदबाज है। तेज गेंदबाज ने श्रृंखला के शुरुआती मैच में एक विकेट लिया था, जो बारिश के कारण बर्बाद हो गया था और श्रृंखला के दूसरे गेम में कीवी टीम पर पाकिस्तान की सात विकेट की निर्णायक जीत में उनके 3/13 विकेट ने रैंकिंग में वृद्धि की है और दो स्थान उठकर 17 वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके टीम साथी हारिस रऊफ 22वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद नवीनतम टी20 रैंकिंग में नंबर 1 टी20 गेंदबाज बने हुए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के स्पिनर ईश सोढ़ी ने भी पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में न्यूजीलैंड के लिए तीन विकेट लेकर कुछ बढ़त हासिल की है। सोढ़ी ने रावलपिंडी में श्रृंखला के दूसरे मैच में 18 रन देकर 1 विकेट हासिल किया और फिर उसी मैदान पर कीवी टीम की सात विकेट की जोरदार जीत के दौरान 2/25 के आंकड़े के साथ उस प्रयास में सुधार किया, जिससे न्यूजीलैंड ने श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। दो मैच अभी बाकी हैं। भारत के स्टार सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, पाकिस्तान के साथ श्रृंखला की अच्छी शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड की एक जोड़ी आगे बढ़ गई है। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट तीन पायदान ऊपर 24वें स्थान पर पहुंच गए।

सचिन के 51वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों का लगा तांता

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अपना 51वां जन्मदिन बुधवार को मनाया। ऐसे में सोशल मीडिया पर हार्दिक शुभकामनाएं देने वालों का सैलाब उमड़ रहा । 2014 में भारत रत्न से सम्मानित सचिन तेंदुलकर 200 टेस्ट में 15,921 रन के अलावा 463 वनडे मैचों में 18,426 रन बनाने वाले अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह 1992 से वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन पिछले पांच मौकों पर चूकने के बाद विश्व कप जीतने के अपने अंतिम सपने को पूरा करने के लिए उन्हें 2011 तक इंतजार करना पड़ा। तेंदुलकर 100 शतक बनाने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं। उनके 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों में से 51 टेस्ट में और 49 वनडे में आए। उन्होंने 2012 में वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया और एक साल बाद नवंबर 2013 में, उन्होंने अपना 200 वां टेस्ट खेलने के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेकर खेल को अलविदा कह दिया। उनकी सेवानिवृत्ति ने भारतीय क्रिकेट में एक युग का अंत कर दिया, और अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ी जो दुनिया भर के महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को प्रेरित करती रही। उनके 51वें जन्मदिन के अवसर पर, खेल जगत ने उन्हें ढेर सारा प्यार दिया और तेंदुलकर के अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना की। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, जन्मदिन मुबारक हो पाजी! मैदान पर गेंदबाजों की धुनाई करने से लेकर जीवन के लक्ष्यों को ध्वस्त करने तक, आप ही वह कारण हैं जिससे मैंने जीवन में और कभी-कभी मैदान पर भी ऊंचे लक्ष्य बनाना सीखा। आपको ढेर सारा प्यार। भारत के पूर्व स्पिन मास्टर हरभजन सिंह ने कहा कि हैप्पी बर्थडे पाजी । आपको ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं भेज रहा हूं.. आपका दिन शानदार रहे। हम सभी को जल्द ही मिलना चाहिए और आपका जन्मदिन मनाना चाहिए और हमारे पसंदीदा गाने गिली गिल्ली लोंडा (मिल्खा सिंह फिल्म का एक गाना) पर डांस करना चाहिए। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने लिखा, क्रिकेट के दिग्गज को जन्मदिन की शुभकामनाएं क्योंकि वह आज 51 वर्ष के हो गए! उन्होंने बल्ले से अपनी वीरता और मैदान के अंदर और बाहर चरित्र के बेदाग प्रदर्शन से दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। मास्टर ब्लास्टर को हार्दिक शुभकामनाएं ! इरफ़ान पठान ने लिखा, जब सचिन तेंदुलकर शानदार स्ट्रेट ड्राइव खेला करते थे तो मुझे नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़े होने का सौभाग्य मिलता था।

■ सचिन तेंदुलकर ने 2012 में वनडे क्रिकेट से लिया था संन्यास

हैप्पी बर्थडे पाजी । आपको ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं भेज रहा हूं.. आपका दिन शानदार रहे : हरभजन सिंह, पूर्व स्पिन गेंदबाज

जन्मदिन मुबारक हो पाजी! मैदान पर गेंदबाजों की धुनाई करने से लेकर जीवन के लक्ष्यों को ध्वस्त करने तक, आप ही वह कारण हैं जिससे मैंने जीवन में और कभी-कभी मैदान पर भी ऊंचे लक्ष्य बनाना सीखा : युवराज सिंह, पूर्व खिलाड़ी (भारत)

सार संक्षेप

इटालियन कप फाइनल में पहुंचे जुवेंटस

रोम। जुवेंटस ने सेमीफाइनल में लाजियो पर 3-2 के कुल स्कोर से जीत के साथ इटालियन कप फाइनल में जगह बनाई। 83वें मिनट में के रूप में आने के बाद अर्काडियुज़ मिलिक ने कुछ सेकंड बाद गोल करके ओल्ड लेडी को स्टेडियो ओलम्पिको में भेजा। रोम में मैच के 12 मिनट बाद लाजियो के वैलेन्टिन कैस्टेलानोस ने बढ़त बनाई और हाफ टाइम के तीन मिनट बाद टाई में अपना दूसरा गोल जोड़ा। दूसरा चरण 2-1 से हारने के बावजूद, मासिमिलियानो एलेग्री की टीम आगे बढ़ी। ट्यूरिन में पहला चरण 2-0 से हारने के बाद, लाजियो को सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद थी जब कैस्टेलानोस ने एक कॉर्नर पर हैडर से गोल कर दिया। स्ट्राइकर ने ब्रेक के ठीक बाद मटिया पेरिन से आगे एक नीचा शॉट गोल में ड्रिल करके, मंगलवार रात को लाजियो को 2-0 से आगे कर दिया, और कुल स्कोर पर बराबरी कर ली। जैसे ही खेल अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था, पोलेंड के अंतर्राष्ट्रीय मिलिक ने एक खाली गोल में गेंद पहुंचकर जुवे को फियोरेंटीना या अटलांटा के खिलाफ फाइनल में पहुंचा दिया।

सिफ्त, नीरज ने 3पी में पहला ओलंपिक चयन ट्रायल जीता

नई दिल्ली। एशियाई खेलों की चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्त कौर समरा यहां डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में बुधवार को महिलाओं की पहली 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन (3पी) ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी टी1) में विजयी रहीं, जबकि पुरुषों की स्पर्धा में नीरज कुमार ने अपने चार प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ दिया। सिफ्त का मुकाबला इन-फॉर्म आशी चौकसी से था, जो क्वालीफिकेशन में कुछ दूरी से टॉपर थीं, जो पहले 15 नीलिंग पोजिशन शॉट्स के बाद आगे चल रही थीं। इसके बाद वह प्रोन स्थिति में पूरी तरह से आगे बढ़ने के लिए शानदार ढंग से उबर गई और इसके अंत तक, उसने न केवल घाटे को मिटा दिया, बल्कि अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर 2.4 की बढ़त भी ले ली।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को बांग्लादेश दौरे के लिए 3 मई से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम की घोषणा की। सिकंदर रज़ा की कप्तानी वाली टीम में एक अनकैप्ड खिलाड़ी जॉनाथन कैंपबेल, जो जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कैंपबेल के बेटे हैं शामिल हैं, जबकि तदिवानाशे मारुमानी और फराज अकरम को श्रीलंका में टी20 से चूकने के बाद वापस बुला लिया गया है, जिसमें जिम्बाब्वे 1-2 से हार गया था। लेग-स्पिन गेंदबाजी करने वाला 26 वर्षीय ऑलराउंडर उस विकासशील टीम का सदस्य था जिसने मार्च 2024 में 13वें अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।